@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 20 नवंबर 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 10 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

संसद सत्र से पहले सरकार ने बुलाई सर्वदलीय बैठक

नई दिल्ली, 19 नवंबर। केंद्र सरकार ने संसद के शीतकालीन सत्र से पहले रविवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि बैठक 24 नवंबर की सुबह संसद के आगामी शीतकालीन सत्र के मद्देनजर बुलाई गई है। सत्र 25 नवंबर को शुरू होगा और 20 दिसंबर तक चलेगा। संविधान को अपनाने की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर संविधान सदन (पुराने संसद भवन) के सेंट्रल हॉल में एक कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। इससे पहले रिजिजू की ओर से बताया गया था कि राष्ट्रपति ने भारत सरकार की सिफारिश पर 2024 के शीतकालीन सत्र के लिए संसद के दोनों सदनों को 25 नवंबर से 20 दिसंबर 2024 तक बुलाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। सत्र संसदीय कार्यों की अनिवार्यताओं के अधीन बुलाया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया था कि 26 नवंबर यानी संविधान दिवस को संविधान को अपनाने की 75वीं वर्षगांठ पर संविधान सदन के सेंट्रल हॉल में कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। शीतकालीन सत्र के दौरान सरकार वक्फ संशोधन विधेयक पारित कराने की कोशिश करेगी। यह फिलहाल सदन की संयुक्त संसदीय समिति के पास है। सत्र के दौरान सरकार एक राष्ट्र एक चुनाव विधेयक भी पेश कर सकती है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बात पर जोर दिया था कि उनकी सरकार एक राष्ट्र एक चुनाव के लिए काम कर रही है। इससे लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव सुनिश्चित होंगे। वक्फ संशोधन विधेयक 2024 पर संयुक्त संसदीय समिति विभिन्न राज्यों में कई हितधारकों के साथ लगातार बैठकें कर रही है। इसके जरिए सभी प्रश्नों का समाधान करने और विवादास्पद विधेयक पर आम सहमति बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

मणिपुर को लेकर आपके हस्तक्षेप की संवैधानिक जरूरत: खरगे

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 19 नवंबर। मणिपुर में हुई हालिया हिंसा के बाद हालात तेजी से बिगड़ रहे हैं। न सिर्फ विभिन्न राजनैतिक दलों के नेता बल्कि वहां के कई नागरिक संगठनों ने हिंसा पर लगाम लगाने और कुकी उग्रवादियों के खिलाफ सख्त कदम उठाने की अपील की है। इस बीच, कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने मणिपुर में बिगड़ते हालात को लेकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखा है। खरगे ने राष्ट्रपति मुर्मू से मणिपुर में तत्काल हस्तक्षेप का आग्रह किया है। साथ ही कहा है कि यह सुनिश्चित किया जाए कि राज्य के लोग सम्मान के साथ अपने घरों में शांति से रहें। कांग्रेस प्रमुख द्वारा राष्ट्रपति मुर्मू को लिखे गए दो पन्ने के पत्र में कहा गया है कि मणिपुर सरकार और केंद्र पिछले 18 महीनों में मणिपुर में कानून व्यवस्था और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में फेल साबित हुई है। पत्र में उन्होंने कहा कि राज्य में हिंसा के कारण 300 से अधिक लोगों की जान चली गई है, इनमें महिलाएं, बच्चे भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि वहां बिगड़ती कानून-व्यवस्था के कारण करीबन एक लाख लोग आंतरिक विस्थापन का शिकार हुए हैं। वे बेघर हो गए हैं और विभिन्न राहत शिविरों में रहने के लिए मजबूर हैं। पत्र में खरगे ने लिखा है, मैं मानता हूं कि माननीय महोदया, भारत गणराज्य के राष्ट्रपति और हमारे संविधान के संरक्षक के रूप में यह आपके लिए संवैधानिक रूप से अनिवार्य हो गया है कि आप संवैधानिक औचित्य को बनाए रखें। साथ ही मणिपुर में हमारे अपने नागरिकों के जीवन और संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तुरंत हस्तक्षेप करें। उन्होंने आगे कहा कि मुझे विश्वास है कि आपके कार्यालय के हस्तक्षेप के माध्यम से, मणिपुर के लोग फिर से सम्मान के साथ अपने घरों में शांति से रहेंगे। मणिपुर में बीते साल मई से जातीय हिंसा चल रही है, जिसमें अब तक 300 से ज्यादा लोग मारे गए हैं और हजारों लोग विस्थापित हुई हैं। हिंसा राज्य में लगातार जारी है, लेकिन इस माह की शुरुआत में जिरीबाम में तीन महिलाओं और उनके तीन बच्चों की हत्या के बाद से बवाल बढ़ गया है। जिरीबाम की घटना के विरोध

में लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है और प्रदर्शनकारियों ने हाल के दिनों में कई विधायकों के घरों में तोड़फोड़ और आगजनी की है। जिरीबाम में पुलिस की गोली से एक प्रदर्शनकारी की मौत का भी आरोप है। इससे भी तनाव बढ़ गया है। हिंसा को देखते हुए असम ने मणिपुर से लगती अपनी सीमा को सील कर दिया है। सीमा पर पुलिस तैनात कर दी गई है ताकि असामाजिक तत्व सीमा पार कर असम में न दाखिल हो सकें। ताजा हिंसा के परिणामस्वरूप सीएम एन बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार भारी दबाव में है और बीरेन सिंह को पद से हटाने की मांग जोर पकड़ रही है। एनडीए की सहयोगी एनपीपी ने भी मणिपुर सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया है और नेतृत्व परिवर्तन करने की मांग की है। मैतई नागरिक संगठन ने राज्य सरकार को 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया है कि सरकार प्रस्तावों की समीक्षा करे और अगर उनकी मांगों पर विचार नहीं हुआ तो वे आंदोलन तेज करेंगे और मणिपुर में सभी राज्य और केंद्रीय कार्यालयों को बंद कराया जाएगा। मणिपुर में बिगड़ते हालात को देखते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्य में पांच हजार अतिरिक्त केंद्रीय बल के जवान भेजने का फैसला किया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी लगातार नई दिल्ली में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठकें कर मणिपुर के मुद्दे पर चर्चा कर रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर, पूर्वोत्तर और नक्सल प्रभावित इलाकों में हिंसा 70 फीसदी कम हुई: अमित शाह

कौमी संवाददाता

गांधीनगर (गुजरात), 19 नवंबर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि भाजपा सरकार ने पिछले दस वर्षों में जम्मू-कश्मीर, पूर्वोत्तर और नक्सल प्रभावित हिस्सों में हिंसा को 70 फीसदी तक कम किया है। यह बयान उन्होंने राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय में आयोजित 50वें अखिल भारतीय पुलिस विज्ञान सम्मेलन के शुभारंभ के मौके पर दिया। उन्होंने कहा कि आने वाले दशक में भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली पूरी दुनिया में सबसे अधिक वैज्ञानिक और तेज होगी। शाह ने कहा, जम्मू-कश्मीर, पूर्वोत्तर और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों को अत्यधिक अशांत क्षेत्र माना जाता था।

लेकिन आज इन तीनों क्षेत्रों में सुरक्षा की स्थिति में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है। बीते दस वर्षों के आंकड़ों की तुलना में आंकड़ों को देखें तो हमने हिंसा में 70 फीसदी तक की कमी की है। गृह मंत्री ने कहा, तीन नए आपराधिक कानूनों के लागू होने से अब किसी भी थाने में प्राथमिकी दर्ज होने पर तीन साल के भीतर सुप्रीम कोर्ट से न्याय मिलेगा। इन तीन नए कानूनों भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) को एक जुलाई 2024 को लागू किया गया है। ये कानून ब्रिटिश काल के भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम को बदलने के लिए लाए गए। उन्होंने आगे कहा कि इन सुधारों से भारत की न्याय प्रणाली और भी मजबूत और तेज बनेगी, जिससे आम लोगों को समय पर और प्रभावी न्याय मिलेगा।

दो से अधिक बच्चों वाले लोग भी लड़ सकेंगे निकाय चुनाव: सीएम नायडू

तेजिन्दर कौर बब्बर

अमरावती, 19 नवंबर। आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्र बाबू नायडू ने सोमवार को एपी पंचायत राज और नगरपालिका अधिनियमों में संशोधन करने के लिए विधेयक पारित किया। जिससे तीन दशक पुरानी नीति को प्रभावी रूप से समाप्त कर दिया गया, जिसके तहत दो से अधिक बच्चों वाले व्यक्तियों को स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने से अयोग्य घोषित कर दिया गया था। राज्य सरकार द्वारा कानून में किए गए संशोधनों के अनुसार,अब कोई भी व्यक्ति चाहे उसके कितने भी बच्चे हों, स्थानीय निकाय चुनाव लड़ सकता है। बता दें कि 1994 में

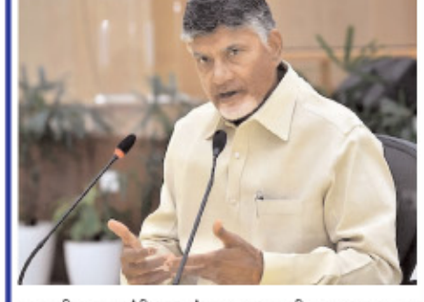

तत्कालीन मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू की सरकार द्वारा शुरू किए गए दो-बच्चों के नियम का उद्देश्य जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करना था। जिससे दो से अधिक बच्चों वाले उम्मीदवारों को ग्राम पंचायतों, मंडल प्रजा परिषदों और जिला परिषदों के लिए चुनाव लड़ने से रोक दिया। वहीं दो बच्चों के नियम के तहत कुछ सरकारी नौकरियां और कुछ मामलों में विशिष्ट लाभ प्राप्त करना भी शामिल था। टीडीपी के वरिष्ठ नेता ने इस मामले में बताया कि राज्य सरकार द्वारा उठाए गया ये कदम प्रदेश में 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की घटती आबादी को देखते हुए है। जिसके लिए सरकार ने तर्क दिया है कि दो बच्चों का मानदंड अब अनावश्यक और उलटा है। बिल में कहा गया है चूंकि घटती प्रजनन दर जनसंख्या स्थिरीकरण और बदलती सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियाँ पुरानी और प्रतिकूल साबित हुईं इसलिए सरकार को लगा कि जनसंख्या को नियंत्रित करने के उद्देश्य से बनाई गई धाराओं को निरस्त करने से समावेशी शासन को बढ़ावा मिलेगा।

नेपाल के प्रधानमंत्री ने अधूरा कार्य करने वाली चीनी कंपनी को दी टेंडर रद्द करने की चेतावनी

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने अपने चीन दौरे से पहले एक चीनी कंपनी को सड़क निर्माण का कार्य पूरा करने को कहा है। उन्होंने चीनी कंपनी को काम नहीं पूरा करने पर टेंडर रद्द करने की चेतावनी दी है। नेपाल के व्यस्ततम राजमार्गों में से एक पूर्व पश्चिम राजमार्ग के नारायणघाट-बुटवल सड़कखंड का पांच वर्षों बाद भी निर्माण कार्य 50 प्रतिशत भी पूरा नहीं हो पाया है। इस क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों से हुई मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि यदि दिसंबर के महीने तक के इस सड़क खंड का निर्माण कार्य दोबारा शुरू नहीं किया गया तो कंपनी का टेंडर रद्द करके उसे ब्लैकलिस्ट कर दिया जायेगा। नारायणघाट बुटवल सड़कखंड निर्माण का टेंडर चीन के सरकारी कंपनी चाइना स्टेट कंस्ट्रक्शन कॉरपोरेशन को सन 2019 में ही दिया गया था। टेंडर देने के पांच साल के बाद भी सड़क का निर्माण कार्य सिर्फ 45 प्रतिशत ही पूरा हो पाया है, जबकि दो वर्षों में इसे पूरा करने की बात समझौता में उल्लेख है। निर्माण कार्य रोके जाने की शिकायत करने पहुंचे उस क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने बताया कि पिछले पांच वर्षों से लोगों को काफी परेशानी का सामना उठाना पड़ रहा है। प्रधानमंत्री ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों को बताया कि सरकार की तरफ से चीनी कंपनी को दो बार चेतावनी पत्र भेजा जा चुका है।

कराची में गुटखा माफिया घर छापे के दौरान चोरी, तीन महिला कांस्टेबल गिरफ्तार

कराची। पाकिस्तान में गुटखा माफिया से निपटने के लिए स्थापित टास्क फोर्स के दामन पर बड़ा दाग लगा है। कराची में एक गुटखा व्यापारी के यहां छापे के दौरान तीन महिला पुलिसकर्मियों को कथित तौर पर रकम चोरी करते हुए पकड़ा गया। एआरवाई न्यूज चैनल के अनुसार, छापे के दौरान दो संदिग्धों यूसुफ और हुसैन को गिरफ्तार किया गया। घर से 100 किलोग्राम गुटखा और अन्य सामग्री जब्त की गई। यह छापा ओरंगी में पुलिस उप महानिरीक्षक (डीएसपी) आबिद फजल के नेतृत्व में मारा गया। छापे के बाद पीड़ितों के परिजनों ने घर से बड़ी धनराशि चुराने का आरोप लगाया।इसके बाद टास्क फोर्स को रोककर तलाशी ली गई। इस दौरान महिला कांस्टेबल माहिरा के पास 16 लाख रुपये मिले, जबकि एक अन्य महिला कांस्टेबल के पास 900 से अधिक रियाल और कुछ दिरहम मिले। अन्य अधिकारियों ने पहचान से बचने के प्रयास में पैसे फेंक दिए। बताया गया है कि गिरफ्तार तीन महिला पुलिसकर्मियों माहिरा, अराम और शाजिया को निलंबित कर दिया गया।

मैक्रों के एआई शिखर सम्मेलन के लिए ट्रम्प, मस्क को आमंत्रित करने की उम्मीद

वाशिंगटन। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के फरवरी 2025 में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) शिखर सम्मेलन के लिए अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उनके करीबी सहयोगी अरबपति एलन मस्क को पेरिस आमंत्रित करने की उम्मीद है।सीएनएन ने दो फ्रांसीसी अधिकारियों का हवाला देते हुए यह जानकारी दी है। यह कार्यक्रम 10-11 फरवरी 2025 को पेरिस में होने वाला है और इसमें राष्ट्राध्यक्षों और कॉर्पोरेट अधिकारियों के शामिल होने की उम्मीद है। श्री ट्रम्प ने 20 जनवरी 2025 को अमेरिका के राष्ट्रपति पद की शपथ ग्रहण करेंगे।

जापान में ट्रेन दुर्घटना के बाद रेल सेवा बहाल

टोक्यो। जापान के उत्तरी प्रांत होक्काइडो में साप्ताहांत में एक मालगाड़ी के पटरी से उतर जाने के कारण कुछ खंडों में सेवा बाधित होने के बाद जेआर हाकोडेट रेलवे लाइन पर मंगलवार को परिचालन दोबारा शुरू हो गया। होक्काइडो के दक्षिणी शहर हाकोडेट के निकट एक कस्बे में शनिवार को एक मालगाड़ी पटरी से उतर गई, जिसमें किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। इससे कुछ यात्री और वाणिज्यिक रेल सेवाएं बाधित हुईं। टूटी हुई पटरियों और क्षतिग्रस्त रेलगाड़ियों को बदलने का काम आज सुबह तक पूरा हो गया। जेआर होक्काइडो ने बताया कि दुर्घटना के कारण एक्सप्रेस और स्थानीय सेवाओं सहित 104 ट्रेनें रद्द कर दी गईं, जिससे लगभग 19,500 यात्री प्रभावित हुए। उन्होंने कहा कि मालगाड़ी के पटरी से उतरने के पीछे के कारणों की परिवहन सुरक्षा बोर्ड जांच कर रहा है।

नेपाल-भारत सीमा सुरक्षा बैठक: 11 बिंदुओं पर संयुक्त हस्ताक्षर

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल-भारत सीमा सुरक्षा को लेकर दोनों देशों के अधिकारियों के बीच तीन दिनों से चल रही उच्च स्तरीय बैठक आज संपन्न हो गई। भारत के सीमा सुरक्षा बल एसएसबी के महानिदेशक और सशस्त्र प्रहरी बल (एपीएफ) के नेतृत्व में हुई बैठक में सीमा पार अपराध नियंत्रण को और अधिक प्रभावी बनाने का निष्कर्ष निकाला गया है। काठमांडू में तीन दिनों तक चली बैठक में दोनों देशों के संयुक्त प्रयास से सीमा सुरक्षा को और अधिक प्रभावी बनाकर सीमा से अपराध पर नियंत्रण के लिए प्रभावी कदम उठाने का निर्णय लिया गया है। पिछले शनिवार को शुरू हुई बैठक में सशस्त्र पुलिस महानिरीक्षक राजू अर्याल और भारत के सीमा सुरक्षा बल (एसएसबी) के महानिदेशक अमृत मोहन प्रसाद ने 11 एजेंडे पर चर्चा के बाद संयुक्त रूप से हस्ताक्षर किए। संयुक्त समझौता ज्ञापन में सीमा पार अपराध नियंत्रण और सीमा सुरक्षा पर सहयोग शामिल है। संयुक्त

समझौता ज्ञापन में सीमा पार अपराध नियंत्रण और सीमा सुरक्षा पर सहयोग शामिल है। बैठक में सहभागी गृह मंत्रालय के प्रवक्ता संयुक्त सचिव ऋषि राम तिवारी ने बताया कि सीमा अपराध नियंत्रण, सूचना आदान-प्रदान, राजस्व चोरी नियंत्रण, नशीली दवाओं की तस्करी और तीसरे देश के नागरिकों के अवैध प्रवेश पर नियंत्रण पर अधिक प्रभावी उपाय करने पर सहमति हुई। उनके अनुसार, नेपाल की सीमा सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाली सशस्त्र पुलिस और भारत की एसएसबी के बीच बैठक में सीमा सुरक्षा को और अधिक व्यवस्थित बनाने, दसगजा क्षेत्र को अपराधमुक्त करने और सोने की तस्करी और मानव तस्करी को नियंत्रित करने के लिए संयुक्त पहल करने पर एक संयुक्त समझौते पर भी हस्ताक्षर किए गए हैं। बैठक में नेपाल की ओर से सशस्त्र बल के महानिरीक्षक अर्याल समेत गृह मंत्रालय, नेपाल पुलिस, जांच विभाग, सर्वेक्षण विभाग, विदेश मंत्रालय के उच्च सुरक्षा अधिकारियों की सहभागिता रही। भारत के सीमा सुरक्षा बल (एसएसबी) के महानिदेशक अमृत मोहन प्रसाद के नेतृत्व में छह सदस्यीय टीम ने भाग लिया। बैठक में भारतीय पक्ष ने यह विचार प्रस्तुत किया कि तीसरे देशों के नागरिकों की पहचान की समस्या के कारण आपसी सहयोग आवश्यक है। इसी तरह, भारत ने कहा है कि चूंकि नेपाल के रास्ते तीसरे देशों से भारत में सोने की तस्करी हो रही है, इसलिए इसे नियंत्रित करने के लिए सहयोग जरूरी है।

पाकिस्तान: आतंकियों ने 7 पुलिसकर्मियों का अपहरण किया

एजेंसी

लक्की मारवत। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बन्नू जिले के वजीर उपखंड में अज्ञात हथियारबंद आतंकवादियों ने रोचा चेक पोस्ट से 7 पुलिसकर्मियों का अपहरण कर लिया। जिला पुलिस अधीक्षक जियाउद्दीन अहमद ने इसकी पुष्टि की। डॉन अखबार की खबर के मुताबिक, यह वाकया सोमवार रात का है। हथियारबंद आतंकवादी चेक पोस्ट को घेरने के बाद जबरन उसमें घुस गए और वहां तैनात पुलिसकर्मियों को बंदूक के दम पर बंधक बना लिया। इसके बाद उनकी राइफलें भी छीन लीं।

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस की बड़ी टुकड़ी इलाके में पहुंची और सुदूर और पहाड़ी इलाके में अपहृत पुलिस कर्मचारियों की तलाश में चप्पा-चप्पा छाना। रोचा चेक पोस्ट उत्तरी वजीरिस्तान की सीमा पर बन्नू जिले के ओटमानजई पुलिस स्टेशन की सीमा में स्थित है।

यूक्रेन कभी भी दाग सकता है रूस पर लंबी दूरी की अमेरिकी मिसाइलें

एजेंसी

यूक्रेन। यूक्रेन कभी भी रूस पर अमेरिकी मिसाइलें दाग सकता है। अमेरिका से हाल ही में मिली लंबी दूरी की मिसाइलों के प्रयोग की राष्ट्रपति जो बाइडेन से अनुमति मिलने के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोदिमिर जेलेंस्की ने राष्ट्र के नाम अपने रात्रिकालीन संबोधन में कहा कि इस बार आक्रमण को लेकर चेतावनी भी नहीं दी जाएगी। अमेरिकी समाचार पत्र द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, बाइडेन प्रशासन के रूस के अंदर लंबी दूरी के हमलों में उसकी मिसाइलों के प्रयोग की अनुमति मिलने से यूक्रेन का हौसला बढ़ गया है। राष्ट्रपति बाइडेन के नरम रुख का मकसद रूस की सेनाओं को अधिक प्रभावी ढंग से कमजोर करना है। बाइडेन की सहमति के बाद यूक्रेन ने कहा कि रूस के खिलाफ अमेरिकी मिसाइलों से पहला हमला

जल्द ही बिना किसी चेतावनी के किया जाएगा। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने रविवार को राष्ट्र के नाम अपने रात्रिकालीन संबोधन में साफ कर दिया है कि पहले हमले के बारे में कोई चेतावनी नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा, शब्दों से वार नहीं किया जाता। अब मिसाइलें गरजेंगी। वे निश्चित रूप से ऐसा करेंगे। इस पर रूस ने प्रतिक्रिया दी है। मॉस्को में क्रेमलिन ने कहा कि बाइडेन प्रशासन का फैसला रूस और उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के बीच सीधे टकराव की दिशा में एक बड़ा कदम है।

प्रधानमंत्री मोदी का रियो डी जेनेरियो में खाद्य सुरक्षा पर बड़ा वादा

एजेंसी

रियो डी जेनेरियो। भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ब्राजील के शहर रियो डी जेनेरियो में दुनिया भर के प्रमुख राष्ट्राध्यक्षों से भेंट के दौरान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की (प्रथम) उप प्रबंध निदेशक गीता गोपीनाथ से भी मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी यहां जी-20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने पहुंचे हैं। 51 वर्षीय भारतवंशी गीता गोपीनाथ ने एक्स हैंडल पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ मुलाकात पर खुशी का इजहार करते हुए सेल्फी पोस्ट की। गीता ने लिखा, रियो में जी20 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलना बहुत अच्छा लगा। उन्होंने भूख और गरीबी कम करने में भारत की कई सफलताओं से अवगत कराया। विश्व को भारत की इस रचनात्मक पहल से सीख लेनी चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गीता गोपीनाथ की एक्स पोस्ट को साझा करते हुए लिखा, भारत खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देने और गरीबी उन्मूलन के लिए प्रतिबद्ध है। हम अपनी सफलताओं को आगे बढ़ाएंगे और सभी के लिए उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करने के लिए अपनी सामूहिक शक्ति और संसाधनों का उपयोग करेंगे।

पूर्वी लंदन में कार में मृत पाई गई महिला के भारतीय मूल के पति की तलाश

एजेंसी

लंदन। नॉर्थ हेम्पटनशायर पुलिस ने कॉर्बी में रहने वाली 24 वर्षीय हर्षिता ब्रेला की हत्या के आरोप में मुख्य संदिग्ध के रूप में उसके पति पंकज लांबा को नामित किया। भारतीय मूल के पंकज लांबा की पुलिस अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तलाश कर रही है। हर्षिता का शव पूर्वी लंदन में कार की डिग्गी में मिला था। द गार्जियन समाचार पत्र के अनुसार सीएच इंस्पेक्टर पॉल कैश ने केटरिंग में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि जांच के दौरान पूछताछ से यह संदेह और मजबूत हुआ कि हर्षिता की इस महीने की शुरुआत में नॉर्थम्पटनशायर में उसके पति पंकज लांबा ने ही हत्या की। संदेह है कि लांबा ने कार से हर्षिता के शव को नॉर्थम्पटनशायर से इलफोर्ड पहुंचाया। इसके बाद वह देश छोड़कर भाग गया। गुरुवार तड़के ब्रिस्बेन रोड, इलफर्ड पर एक कार की डिग्गी के अंदर ब्रेला का शव पाए जाने के बाद हत्या की जांच शुरू की गई थी।

कैश ने कहा कि अगर किसी ने संदिग्ध को देखा है या उसके पास कोई जानकारी है तो वह पुलिस को सूचना दे। यह सूचना हर्षिता को न्याय दिलाने में मदद कर सकती है। उन्होंने अपराध संख्या ऑपरेशन वेस्टकॉट का हवाला देते हुए 101 पर कॉल करके घटना कक्ष से संपर्क करने का आग्रह किया है। ईस्ट मिडलैंड्स स्पेशल ऑपरेशंस मेजर क्राइम यूनिट के डीसीआई जॉनी कैंपबेल ने रविवार को कहा कि उनकी यूनिट और नॉर्थम्प्टनशायर पुलिस के जासूस ब्रेला की मौत की परिस्थितियों को जानने के लिए कई दिनों तक लगातार चौबीस घंटे काम किया।

श्रीलंका में नए मंत्रिमंडल का गठन, राष्ट्रपति दिसानायके ने रक्षा और वित्त विभाग अपने पास रखे

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका में राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के गठबंधन नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) की संसदीय चुनाव में हुई प्रचंड जीत के बाद आज सुबह मंत्रिमंडल का गठन किया गया। राष्ट्रपति सचिवालय में हुए समारोह में प्रधानमंत्री सहित 21 मंत्रियों की नियुक्ति हुई। सभी ने राष्ट्रपति के समक्ष शपथ ली। राष्ट्रपति ने रक्षा और वित्त विभाग जैसे कुछ मंत्रालय अपने पास रखे हैं। डेली मिरर समाचार पत्र के अनुसार 22 मंत्रियों की नई कैबिनेट ने आज सुबह राष्ट्रपति सचिवालय में शपथ ली। राष्ट्रपति दिसानायके के पास रक्षा, वित्त, आर्थिक विकास और डिजिटल अर्थव्यवस्था, प्रधानमंत्री डॉ. हरिनी अमरसूर्या के पास शिक्षा, उच्च शिक्षा और व्यावसायिक शिक्षा और विजेता हेराथ के पास विदेश मामले, विदेशी रोजगार और पर्यटन विभाग होंगे। अन्य मंत्रियों में प्रो. चंदना अबेरत्ना (राज्य प्रशासन, प्रांतीय परिषद और स्थानीय सरकार विभाग), हर्षना नानायक्कारा (न्याय

और राष्ट्रीय एकता विभाग), सरोजा सवित्री पॉलराज (महिला एवं बाल मामलों के विभाग), केडी लालकंठ (कृषि, पशुधन, भूमि और सिंचाई विभाग), अनुरा करुणाथिलके (शहरी विकास, निर्माण और आवास विभाग), रामलिंगम चन्द्रशेखर (मत्स्य पालन विभाग), उपाली पन्निलेज (ग्रामीण विकास, सामाजिक सुरक्षा और सामुदायिक अधिकारिता विभाग), सुनील हाडुनेटी (उद्योग और उद्यमिता विकास विभाग), आनंद विजेपाला (सार्वजनिक सुरक्षा और संसदीय मामलों के विभाग), बिमल रथनायके (परिवहन, राजमार्ग, बंदरगाह और नागरिक उड्डयन विभाग), हिनिदुमा सुनील सेनेवी (बुद्ध सासना, धार्मिक और सांस्कृतिक मामलों के विभाग), डॉ. नलिंदा जयतिस्सा (स्वास्थ्य और मास मीडिया विभाग), सामंथा विद्यारत्न (पौधरोपण और सामुदायिक बुनियादी ढांचे विभाग), सुनील कुमारा गमागे (खेल और युवा मामले विभाग), वासंथा समरसिंघे (व्यापार, वाणिज्य, खाद्य सुरक्षा और सहकारी विकास विभाग), प्रो. क्रिसांथा अबेसेना (विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग), प्रोफेसर अनिल जयंती फर्नांडो (श्रम विभाग), कुमारा जयकोडी (ऊर्जा विभाग) और डॉ. दम्मिका पटाबेंडी (पर्यावरण विभाग)।

भारतीय प्रधानमंत्री मोदी की रियो डी जेनेरियो में दुनिया के प्रमुख राष्ट्राध्यक्षों से भेंट

एजेंसी

रियो डी जेनेरियो। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ब्राजील के शहर रियो डी जेनेरियो में दुनिया के प्रमुख राष्ट्राध्यक्षों से मुलाकात हुई है। इनमें दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यूं सुक येओल, मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फत्ताह अल-सिसी, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर प्रमुख हैं। प्रधानमंत्री ने एक्स हैंडल पर मुलाकात की तस्वीरें साझा कर खुशी जताई है। प्रधानमंत्री मोदी से भेंट के बाद फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने एक्स पर वीडियो साझा करते हुए लिखा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलना हमेशा खुशी की बात होती है, क्योंकि भारत के साथ हमारी साझेदारी समृद्ध और बहुआयामी है। हमने पिछली जनवरी में मेरी राजकीय यात्रा के दौरान शुरू

की गई पहलों की प्रगति की समीक्षा की। साथ ही प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी चर्चा की। भारत के प्रधानमंत्री मोदी ने रियो डी जनेरियो में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के साथ हुई मुलाकात पर एक्स हैंडल में लिखा, अत्यंत सार्थक बैठक हुई। भारत के लिए, यूके के साथ व्यापक रणनीतिक साझेदारी अत्यंत प्राथमिकता है। आने वाले वर्षों में, हम प्रौद्योगिकी, हरित ऊर्जा, सुरक्षा, नवाचार और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में मिलकर काम करने के इच्छुक हैं। हम व्यापार के साथ-साथ सांस्कृतिक संबंधों को भी मजबूती देना चाहते हैं। भारत के प्रधानमंत्री मोदी तीन देशों की यात्रा के दूसरे चरण में जी-20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने ब्राजील पहुंचे हैं। इससे पहले उन्होंने यात्रा का प्रथम चरण नाइजीरिया में पूरा किया। प्रधानमंत्री की तीन देशों की यात्रा का तीसरा चरण 21 नवंबर को पूरा होगा। प्रधानमंत्री मोदी नई दिल्ली से 16 नवंबर को नाइजीरिया पहुंचे। वहां 17 नवंबर को उनका राष्ट्रपति विला में स्वागत किया गया। उन्होंने राष्ट्रपति टीनूबू के साथ बैठक भी की। प्रधानमंत्री मोदी रियो डी जनेरियो से गुयाना रवाना होंगे। वो वहां के जॉर्जटाउन में दूसरे कैरिकॉम-भारत शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। गुयाना की यात्रा इस मायने में खास है क्योंकि किसी भारतीय प्रधानमंत्री की 1968 के बाद यह पहली यात्रा है। ब्राजील में प्रधानमंत्री मोदी की चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से दोबारा मुलाकात हो सकती है।

इक्वाडोर ने जंगल की आग और सूखे से निपटने के लिए राष्ट्रीय आपातकाल घोषित किया

एजेंसी

क्विटो । इक्वाडोर ने दक्षिण अमेरिकी देश में जंगल की आग, पानी की कमी और सूखे से निपटने के लिए 60 दिवसीय राष्ट्रीय आपातकाल घोषित किया है।ऊर्जा मंत्री इनेस मंज़ानो ने यह जानकारी दी। श्री मंजानो ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों में सत्रह सक्रिय आग और पांच नियंत्रित आग की सूचना मिली है जिसमें दक्षिणी प्रांत अजुए और लोजा सबसे ज़्यादा प्रभावित प्रांत हैं।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि राष्ट्रीय जोखिम प्रबंधन सचिवालय 'दोनों प्रांतों में अग्निशामकों के काम का समर्थन करने के लिए संसाधनों के समन्वय का नेतृत्व कर रहा है।' उन्होंने कहा कि अत्यधिक सूखे ने इक्वाडोर को अभूतपूर्व ऊर्जा संकट में डाल दिया है जिससे सरकार को सितंबर से बड़े पैमाने पर बिजली कटौती की घोषणा करने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

नाइजर में सशस्त्र हमले में दो नागरिकों की मौत

एजेंसी

नियामी। पश्चिमी नाइजर के गया शहर में रक्षा एवं सुरक्षा बलों की एक चौकी पर एक संदिग्ध आतंकवादी हमले में दो नागरिकों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए।सेना की ओर से जारी एक बुलेटिन में बताया गया कि नागरिक सड़क के रखरखाव का काम कर रहे थे, तभी करीब 15 लोगों के एक सशस्त्र समूह ने उन पर हमला कर दिया।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

दो साल बाद भारत-बंगलादेश चावल व्यापार शुरू

एजेंसी

ढाका। भारत ने दो साल के अंतराल के बाद एक बार फिर बेनापोल-पेट्रापोल लैंड पोर्ट के माध्यम से बंगलादेश को चावल का निर्यात शुरू कर दिया है।ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार जेसोर से महबूबुल आलम फूड प्रोडक्ट्स द्वारा आयातित 105 टन गैर-बासमती चावल से लदे तीन से अधिक ट्रक रविवार रात बेनापोल बंदरगाह के ट्रांसशिपमेंट यार्ड में प्रवेश कर गए। सीमा शुल्क अधिकारियों को सभी आवश्यक दस्तावेजों की जांच के बाद निकासी में तेजी लाने का निर्देश दिया गया है।ढाका ट्रिब्यून ने आधिकारिक सूत्रों के हवाले से अपनी रिपोर्ट में बताया है कि जल्द ही उसी आयातक द्वारा 100 टन चावल और आने की उम्मीद है। एक अधिकारी जियाउर रहमान ने कहा कि शिपमेंट की कुल आयात लागत 45,150 डॉलर है, जो बंगलादेशी टका 54.18 लाख के बराबर है। आयातकों को 10 दिसंबर तक स्थानीय बाजारों में चावल वितरित करना आवश्यक है और उन्हें आयातित माल की मात्रा, भंडारण और विपणन की रिपोर्ट जिला खाद्य नियंत्रक को देनी होगी। बंगलादेश की सरकार ने जेसोर के 12 आयातकों सहित 24 आयातकों को 73,000 टन उबले चावल और 19,000 टन अताप चावल लाने के लिए अधिकृत किया है। व्यापारियों को हालांकि सभी अधिकृत आयात 10 दिसंबर की समय सीमा से पहले पूरे हो पाने में संदेह है।

नाइजीरियाई हवाई हमलों में कई डकैत गये

एजेंसी

अबुजा। नाइजीरिया के उत्तर-पश्चिमी राज्य जम्फारा में हवाई हमलों में कई डकैत मारे गए हैं। नाइजीरियाई वायु सेना के प्रवक्ता ओलुसोल अकिनबोयेवा ने बताया कि हवाई हमले जम्फारा के त्सफे स्थानीय सरकारी क्षेत्र के बब्बन कौये गांव में हुए, जहां संदिग्ध डकैत मौजूद थे। उन्होंने कहा कि सेना की ओर से किए गए हवाई हमलों का उद्देश्य नाइजीरिया के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में डाकू खतरों को खत्म करना था।उन्होंने बताया कि खुफिया सूत्रों से पता चला है कि अपराधियों ने सैन्य कर्मियों या नागरिकों पर हमला करने की योजना बनाई है। उन्होंने कहा कि इस

अभियान से 'डाकुओं की संचालन क्षमता को गहरा झटका लगा है।'

फरवरी 2025 तक एमसीडी और दिल्ली सरकार के ऑफिस में कामकाज का होगा नया टाइम शेड्यूल

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए उपराज्यपाल ने फरवरी, 2025 तक राजधानी दिल्ली में नगर निगम और दिल्ली सरकार के कार्यालयों में कामकाज के समय में बदलाव के निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत नगर निगम के कार्यालयों में अब सुबह 8:30 से शाम 5:00 बजे तक और दिल्ली सरकार के कार्यालयों में सुबह 10:00 बजे से शाम 6:30 बजे तक कामकाज होगा। उल्लेखनीय है कि दिल्ली में प्रदूषण का स्तर यानी एक्यूआई 500 तक पहुंच गया है और 'ग्रेडिड रिस्पांस एक्शन प्लान' (ग्रैप) के चौथे चरण की पाबंदियां लागू कर दी गई है। इससे पहले दिल्ली सरकार ने भी कुछ ऐसे ही दिशा निर्देश जारी किए थे।

पेट्रोल पंप पर गोलीबारी के मामले में एक गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी जिले के गोकुलपुरी पेट्रोल पंप पर गोलीबारी के मामले में दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने अंकित उर्फ टेडी नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि वह राहुल उर्फ बाबा गैंग से जुड़ा हुआ है। जांच में पता चला है कि वह पहले से हत्या और हत्या के प्रयास सहित तीन मामलों में शामिल रहा है। पुलिस के मुताबिक 15 नवंबर को गोकुलपुरी इलाके में रात को बाइक सवार चार लोगों द्वारा गोलीबारी करने की घटना हुई थी। स्थानीय पुलिस ने पेट्रोल पंप के कर्मचारी के बयान पर मामला दर्ज किया था। स्थानीय पुलिस के अलावा क्राइम ब्रांच भी मामले की जांच कर रही थी। जांच के दौरान क्राइम ब्रांच पुलिस को अंकित के बारे में पता चला। पुलिस टीम ने एक गुप्त सूचना के आधार पर आरोपित को गिरफ्तार किया। फिलहाल पुलिस आरोपित के अन्य साथियों के बारे में पूछताछ कर रही है।

कार्यभार संभालने के बाद मेयर की अधिकारियों के साथ पहली बैठक

नई दिल्ली। मेयर महेश कुमार और डिप्टी मेयर रवींद्र भारद्वाज ने सोमवार को निगम अधिकारियों के साथ एमएलए-एलएडी फंड के तहत किए जा रहे कार्यों व परियोजनाओं में तेजी लाने के लिए समीक्षा बैठक की। कार्यभार संभालने के बाद मेयर की अधिकारियों के साथ यह पहली बैठक है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि पूरी ईमानदारी व निष्ठा से कार्य करें और सभी कार्य पारदर्शिता व जवाबदेही के साथ पूरे करें। बैठक में मेयर ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी 12 जोन में एमएलए फंड द्वारा किए जा रहे सभी कार्यों व परियोजनाओं को दिसंबर 2024 के पहले हफ्ते तक पूरा किया जाए। सभी कार्यों की प्रतिदिन मॉनिटरिंग हो और स्टेटस रिपोर्ट आज ही दी जाए। समीक्षा बैठक में निगम के 12 जोन में एमएलए फंड से चल रहे विकास कार्यों की प्रगति का आकलन किया गया है। विभिन्न मुख्य कार्य जैसे की सड़कों व गलियों का निर्माण व मरम्मत, नालों को ढकना, स्ट्रीट लाइट,पार्कों की बाउंड्री वॉल आदि कार्यों के बारे में विस्तृत चर्चा की गई। मेयर को निगम अधिकारियों ने प्रत्येक जोन के कार्यों की विस्तृत स्टेटस रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें पूरे किए गए कार्य और लंबित परियोजनाओं के बारे में बताया। मेयर ने शेष परियोजनाओं के लिए वर्क ऑर्डर जारी करने के निर्देश दिए और कहा कि कार्यों में किसी भी प्रकार की देरी ना हो और दिसंबर महीने से पहले ही सभी रुके हुए कार्य शुरू हो जाए। डिप्टी मेयर रवींद्र भारद्वाज ने कहा कि निगम में आम आदमी पार्टी की सरकार दिल्ली के लोगों को को बेहतर नागरिक सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में हर संभव प्रयास किया जा रहा है। दिल्ली शहर को स्वच्छ, सुंदर व प्रदूषण मुक्त बनाना आप सरकार की पहली प्राथमिकता है। बैठक में इंजीनियर इन चीफ़ और इंजीनियरिंग विभाग(जोन) के अधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा नेताओं ने मेट्रो स्टेशन पर बांटा मास्क

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने केंद्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशन पर जनता को मास्क वितरित किए। इस मौके पर इन नेताओं ने कहा कि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार दिल्ली में हवा की गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में बनी हुई है। इसके कारण से लोगों को सांस लेने में दिक्कत हो रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि ये वायु प्रदूषण दो महीने तक सीमित नहीं हैं, इसे हल करने के लिए पूरे साल काम करने की जरूरत है।

वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि दिल्ली में हालात बदतर होते जा रहे हैं। दिल्ली सरकार जिस तरह का शासन चला रही है, उससे दिल्ली के लोग परेशान हैं। धूल पर नियंत्रण करना होगा और पंजाब में पराली जलाना बंद करना होगा। वायु प्रदूषण की समस्या दिल्ली सरकार के खराब काम के कारण है, जिसका परिणाम दिल्ली की जनता को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि भाजपा लगभग एक महीने से लगातार कह रही है कि प्रदूषण कोई मुद्दा नहीं है, हमें इस मुद्दे को हल करने के लिए पूरे साल काम करना होगा। वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि ग्रैप - 4 लागू हो गया है, एक्यू 475 से ऊपर है, लोग बीमार पड़ रहे हैं। हर कोई खांस रहा है। पिछले 10 वर्षों में आम आदमी पार्टी के कुशासन से लोग त्रस्त हैं। यदि ये उपाय किए जा रहे हैं और इसके बावजूद प्रदूषण नियंत्रित नहीं हो रहा है तो उन्हें धूल पर नियंत्रण करना होगा और पंजाब में पराली जलाने पर रोक लगानी होगी, जिसके बारे में वे बात नहीं कर रहे हैं।

अबू आजमी-सलमान अजहरी की मुलाकात पर बवाल: सोमैया

मुंबई, 19 नवंबर। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता अबू आजमी ने सोमवार को विवादित इस्लामी उपदेशक मुफ्ती सलमान अजहरी से मुलाकात की। बैठक के दौरान सपा की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख से अजहरी ने मांग की कि पैगंबर मोहम्मद का अपमान करने वालों को सजा देने के लिए सख्त कानून बनाया जाना चाहिए। मनखुर्द शिवाजी नगर से सपा के उम्मीदवार आजमी ने अजहरी को बताया कि उनके चुनावी घोषणा पत्र में वादा किया है कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आई तो जो लोग पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ अपशब्द (ईशनिंदा) कहेंगे, उन पर यूएपीए जैसे सख्त कानून लागू किए जाएंगे। इसके अलावा, दोनों ने इस बात पर चर्चा की कि किस तरह से मुसलमानों के वोट न बंटें, जिससे भाजपा को फायदा हो सकता है। अजहरी ने यह भी कहा

राजस्थान रत्नाकर ने दिल्ली पुलिस के आला अफसरों और दिवाली मेला में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की प्रमुख समाज सेवी संस्था राजस्थान रत्नाकर ने नई दिल्ली के एक पांच सितारा होटल में आयोजित सम्मान समारोह में दिल्ली के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और दिवाली मेला के लिए उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया। संस्था के अध्यक्ष राजेन्द्र गुप्ता और अन्य पदाधिकारियों ने दिल्ली पुलिस के स्पेशल पुलिस कमिश्नर लॉ एंड ऑर्डर मधुप कुमार तिवारी, स्पेशल पुलिस कमिश्नर ट्रैफिक अजय चौधरी, ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर वेस्टर्न रेंज जतिन नारवाल, ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर सेन्टर रेंज परमादित्य, ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर डीसीपी वेस्ट डिस्ट्रिक्ट अभिषेक धानिया, डीसीपी वेस्ट नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट राज भाटिया, एसीपी ट्रैफिक धीरज

नारंग एसएचओ नेताजी प्लेस और मोती नगर महेश कुमार और वरुण दलाल को गुलदस्ता शाल और स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया।इस मौके पर दिवाली मेला के लिए उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को भी सम्मानित किया गया । सम्मानित होने वालों में संस्था के संस्थापक अध्यक्ष ओ पी बागला, रमेश जैना, चेयरमेन राजेंद्र गुप्ता, प्रधान शंकर जयपुरिया, उपाध्यक्ष ललित पोद्दार, महा सचिव सुमित गुप्ता, कोषाध्यक्ष प्रवीण जालान, सचिव मुकेश गुप्ता, संयुक्त सचिव अमित गोयल, संरक्षक सुभाष गोयल, अखिल सिंघल, अशोक बंसल एवं राजीव लोहिया, लव कुश रामलीला कमेटी के अध्यक्ष अर्जुन गुप्ता, सत्य भूषण जैन, संस्था के पूर्व प्रधान राम अवतार शाह, श्याम सुंदर गुप्ता, पुष्पेन्द्र गोयल, के बी हरलालका तथा प्रबंध कार्यकारिणी के सदस्य के सी लाठ, अनिल गुप्ता, रतीश मित्तल, कमल साबू, राजेश बंसल, सुरेन्द्र अग्रवाल, संजय गुप्ता, विकास सिंघल, सुशील बंसल, मीडिया संयोजक राजेश गुप्ता मेरी दिल्ली और गोपेन्द्र नाथ भट्ट तथा दानदाता रामानंद गुप्ता एवं गौरव गुप्ता के नाम विशेष रूप से शामिल थे।

कांग्रेस के पूर्व विधायक सुमेश शौकीन आआपा में शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के पूर्व विधायक सुमेश शौकीन आम आदमी पार्टी (आआपा) में शामिल हो गए हैं। आआपा के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पार्टी मुख्यालय पर सुमेश शौकीन को टोपी और पटका पहनाकर पार्टी की सदस्यता दिलाई। आआपा में शामिल होने के बाद सुमेश शौकीन ने कहा कि दिल्ली देहात का जितना भी विकास का कार्य चाहे वो रोड का हो या बसें, सीवर लाइन देना हो सब आम आदमी पार्टी के 10 साल के कार्यकाल और अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में हुआ है। इसलिए आआपा से प्रभावित होकर वह पार्टी में शामिल हुए हैं। वहीं पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज दिल्ली देहात और दिल्ली के बहुत बड़े नेता सुमेश शौकीन कांग्रेस छोड़कर आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए हैं। मैं उनका स्वागत करता हूं।

इसरो के सैटेलाइट जीसैट-एन2 का सफल प्रक्षेपण, जितेंद्र सिंह ने टीम को दी बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली। एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो के सैटेलाइट जीसैट-एन2 को सफलतापूर्वक पृथ्वी की कक्षा में पहुंचा दिया। स्पेसएक्स के रॉकेट फाल्कन 9 ने फ्लोरिडा के कानावेरल स्पेस स्टेशन से भारतीय सैटेलाइट को लॉन्च किया। इसरो की इस उपलब्धि पर केंद्रीयमंत्री जितेंद्र सिंह ने पूरी टीम को बधाई दी। जितेन्द्र सिंह ने आज जीसैट-एन2 प्रक्षेपण का वीडियो जारी करते हुए जीसैट एन 2 के सफल प्रक्षेपण के लिए टीम इसरो और स्पेस एक्स को बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इसरो और स्पेस एक्स के बीच सहयोग का उद्देश्य 14 साल के मिशन जीवनकाल के साथ, दूरदराज के क्षेत्रों के साथ-साथ इन-फ़्लाइट कनेक्टिविटी सहित इंटरनेट सेवाओं को बढ़ाना है।

जीसैट-एन2 सैटेलाइट से देश में ब्रॉडबैंड सेवाएं और बेहतर होंगी। इसके साथ इन-फ्लाइट कनेक्टिविटी सहित इंटरनेट सेवाएं बेहतर होगी। यह पहली बार है कि इसरो ने अपने सैटेलाइट को अंतरिक्ष में लॉन्च करने के लिए स्पेसएक्स की सुविधाएं लीं। उल्लेखनीय है कि इसरो ने 4700 किलोग्राम वजन वाले जीसैट-एन2 का निर्माण किया है। इसका मिशन जीवन 14 वर्ष है। यह विशुद्ध रूप से व्यावसायिक प्रक्षेपण है। इसका संचालन एनएसआईएल कर रहा है।

राजनाथ आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लेने 20-22 नवंबर तक लाओस दौरे पर जाएंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक प्लस (एडीएमएम-प्लस) में भाग लेने के लिए 20-22 नवंबर तक लाओस की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। वे बैठक के दौरान क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मुद्दों पर मंच को संबोधित करेंगे। दक्षिण-पूर्व एशिया में स्थित लाओ पीडीआर देश 11वें एडीएमएम प्लस का अध्यक्ष और मेजबान है। इसके उत्तर में चीन और म्यांमार, दक्षिण में कंबोडिया, पूर्व में वियतनाम और पश्चिम में थाईलैंड है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार 11वीं एडीएमएम-प्लस बैठक से इतर राजनाथ सिंह की ऑस्ट्रेलिया, चीन, जापान, लाओ पीडीआर, मलेशिया, न्यूजीलैंड, फिलीपींस, कोरिया गणराज्य और अमेरिका के भाग लेने वाले समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें होने की उम्मीद है। बैठकों का उद्देश्य इन

देशों के साथ द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को और बढ़ाना है। एडीएमएम आसियान में सर्वोच्च रक्षा परामर्शदात्री और सहयोग तंत्र है। एडीएमएम प्लस आसियान सदस्य देशों में ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओ पीडीआर, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, वियतनाम हैं। मंत्रालय के अनुसार आठ संवाद साझेदारों में भारत, अमेरिका, चीन, रूस, जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के लिए सुरक्षा और रक्षा सहयोग को मजबूत करने का एक मंच है। भारत 1992 में आसियान का वार्ता साझेदार बना और पहला एडीएमएम प्लस 12 अक्टूबर, 2010 को हनोई, वियतनाम में आयोजित किया गया था। इसके बाद 2017 से एडीएमएम प्लस मंत्री आसियान और प्लस देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए सालाना बैठक कर रहे हैं।

फंदे पर लटक कर आत्महत्या की

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिमी जिले के किशनगढ़ इलाके में दोपहर एक व्यक्ति ने पंखे से फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। पुलिस को मौके पर से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पुलिस इस मामले में उसकी पत्नी से पूछताछ कर रही है। जानकारी के मुताबिक मरने वाले की पहचान सम्राट के रूप में हुई। वह पत्नी के साथ किशनगढ़ इलाके में किराये के मकान पर रहता था। पत्नी

भारत राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा अभ्यास 2024 का उद्घाटन, अगले 12 दिन होगा उभरते खतरों से निपटने पर मंथन

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की साइबर सुरक्षा क्षमता को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल, भारत राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा अभ्यास (भारत एनसीएक्स 2024) का एक उच्च-स्तरीय समारोह में आज उद्घाटन किया गया । इसे राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय (एनएससीएस) द्वारा राष्ट्रीय रक्षा लिए तैयार करने में एक महत्वपूर्ण कदम है।राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा समन्वयक, लेफ्टिनेंट जनरल एमयू

नायर, पीवीएसएम, एवीएसएम, स्तरों पर संकटों का प्रबंधन करने के लिए हमारी तैयारी सुनिश्चित करती है। आरआरयू के कुलपति प्रो. (डॉ.) बिमल एन. पटेल ने अपने मुख्य भाषण में साइबर सुरक्षा चुनौतियों से निपटने में शिक्षा, अनुसंधान और

NAME CHANGE
I, SRISTHA DEVI Mother of No. 4003702H Rank- HAV Name-KULBHUSHAN SINGH Residing at VPO-PARMANAND, TEH & DIST-PATHANKOT, PUNJAB-143534, have changed my name from SRISTHA DEVI to SARISHTA for all future purposes vide Affidavit dated 19/11/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, KINSHUK SINGH S/o RAMESHWAR SINGH, R/o 17/502, Eastend Apartments, New Ashok Nagar Metro Station, Mayur Vihar Phase – 1, Vasundhra Enclave, East Delhi, Delhi - 110096 , have changed the name of my minor son RAGHAVENDRA SINGH, aged 7 years and he shall hereafter be known as RAAGHAV VATSA.

NAME CHANGE
I, RACHNA SANDIP PAWAR Wife of No-15443474P L/NK STWD PAWAR SANDIP MADUKARRAO Presently residing at VILL-POKHARNI DEVI, POST-SIRSAM, TEH-PALAM, DIST-PARBHANI MAHARASHTRA, PIN-431536 have changed my name from RACHNA SANDIP PAWAR to RACHANA SANDIP PAWAR for all future purposes vide Affidavit dated 19/11/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, BRIJESH KUMAR BHARDWAJ S/o BABU LAL SHARMA, R/o 27 3rd Floor, West Guru Angad Nagar Extension, Laxmi Nagar, East Delhi, Delhi - 110092 , have changed the name of my minor son MANNANT SHARMA, aged 12 years and he shall hereafter be known as MAANVIK BHARDWAJ.

NAME CHANGE
I, GAYA BAI Mother of No. 4581298N Rank-HAV Name-JAGTAP DIPAK RAJENDRA Residing at AT PO-HISWAL B.K, TEH-NANDGAON, DIST-NASIK, MAHARASHTRA-423106, have changed my name from GAYA BAI to GAYA BAI RAJENDRA JAGTAP for all future purposes vide Affidavit dated 19/11/2024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
I hitherto known as BHOORI SINGH alias JAGADISH S/O SAHAB SINGH R/o Village Nigoh, Khatauta, Etah, Uttar Pradesh - 207301 have changed my name and shall hereafter be known as JAGADISH

NAME CHANGE
I, BRIJESH KUMAR BHARDWAJ S/o BABU LAL SHARMA, R/o 27, 3rd Floor, West Guru Angad Nagar Extension, Laxmi Nagar, East Delhi, Delhi - 110092 , have changed the name of my minor son NIVAAN SHARMA, aged 9 years and he shall hereafter be known as NAVAL BHARDWAJ.

NAME CHANGE
It is for general information that I JOGDENDRE KUMAR S/O BAIJNATH R/O 408-A, Arya Nagar, Railway Colony Ghaziabad Uttar Pradesh-201001, declare that name of mine has been wrongly written as JOGINDER KUMAR in my service record. The actual name of mine is JOGDENDRE KUMAR which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Afsha Parveen W/O Azizu Rehman R/O A-961 Gali no -19, Shri Ram Colony , Rajiv Nagar , Karawal Nagar , PO: Karawal Nagar,Dist: North East Delhi, Delhi -110094, declare that name my husband has been wrongly written as Azizur Rehman Khan in my minor daughter namely Tuba Khanam aged 16 years in her 10th class educational documents, the actual name of my husband is Azizu Rehman

NAME CHANGE
I, MANISHABEN wife of NO-4585357M, Rank-L/NK, Name-KARENA NITESH ANAND Presently residing at VPO-HATHLA, TEHSIL-BHANVAD, DISTT-DEVBHUMI DWARKA, GUJARAT-360590 have changed my name from MANISHABEN to KARENA MANISHABEN NITESHBHAI for all future purposes vide Affidavit dated 19/11/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JC-573076L Rank- NB/SUB Name-DEVENDRA SINGH Father of ANUVESHA Residing at 14, SUKHTOLI, KOLI DUNGARI, KOLADUNGRI, CHAMOLI, UTTARAKHAND-246474, have changed my minor daughter's name from ANUVESHA to ANUVESHA TOPAL for all future purposes vide Affidavit dated 19/11/2024 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as SUMITRA W/o DEVENDER SINGH RANA R/o H.No. - 238, LAMBI GALI, KHERA KALAN, NORTH WEST DELHI, DELHI - 110082 have changed my name and shall hereafter be known as SUMITRA DEVI.

NAME CHANGE
It is for general information that I, YOGESH RAIZADA S/O INDERJIT R/O TILANG PUR KOTLA, PO TILANGPUR, KOTLA DIST WEST DELHI, DELHI-110043 declare that name of mine has been wrongly written as YOGESH in my 10th and 12th class educational documents. The actual name of mine is YOGESH RAIZADA which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It,is for general information that I Veena Kumari Sahi W/O Late Sh. R. N. Sahi R/O H. No F-23/89, Sector -3, Rohini, Rohini, Sector -7 , North West Delhi, Delhi -110085, declare that name of mine has been wrongly written as Veena Sahi in my husband PPO book no 814200400511 the actual name of mine is Veena Kumari Sahi

Religion Change
I, KM. Manvinder Kaur alias Manvinder Kaur Chadha D/O Gursaran Singh Chadha R/O 3/137, Subhash Nagar, Block -3, Tagore Garden PO: Tagore Garden, Distt: West Delhi, Delhi - 110027, have changed my Religion Sikh to Muslim from dated 29/08/2022 and Changed my name to Alisha

NAME CHANGE
I, Runumani Rabha Spouse of Army No. 14833155L Rank - NK(MT) Name - Sidhartha Rabha Presently Posted at Unit 571, ASC BN, No.2 Gate, Missamari Military Cantt Tezpur, Assam, Pin - 784506 & Permanent Resident of Village - Tilapara, Post - Chotomatia, Dist - Goalpara, State - Assam, Pin - 783126 have changed my Date of Birth from 12/12/1989 to 07/05/1984 for all future purposes. Vide Affidavit Dated 19th Nov. 2024 before The Notary Public at Delhi in presence of Advocate Sunita Papneja.

NAME CHANGE
It is for general information that I HIMANSHU PRAJAPATI S/O KRIPAL SINGH R/O 34, Bonjha Patel Marg, Near Rohan Motors, Patel Nagar Ghaziabad Uttar Pradesh-201001, declare that name of my father and mother has been wrongly written as KIRPAL SINGH PRAJAPATI and SAROJ KUMARI in my 12th class educational documents.The actual name of my father and mother are KRIPAL SINGH and SAROJ respectively which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
I MEENU TAUNK W/O KETAN TAUNK R/O Flat no-1205, Tower- Fuschia Paramount Floraville, Near S K S World School, Sector -137 Noida, Nsez Block A, PO: Nepz Post Office, DIST: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201305 have changed the name of my minor son RAGHAV KETAN TAUNK aged 15 years and he shall hereafter be known as RAGHAV TAUNK.

PUBLIC NOTICE
The Citizen Co-operative Bank Ltd 4/3 (8750) Ist Floor, D.B. Gupta Road, Pahar Ganj, (Near Jindal Hotel) New Delhi-110055

e-Auction Notice

This is bring in to notice of General Public that The Citizen Co-operative Bank Ltd, New Delhi (Secured Creditor) will going to conduct E-Auction of Shop Bearing No 24 on Ground Floor, South Patel Nagar Market, New Delhi-110008, Measuring 16.94 Sq. Mtrs. Date & Time of E-auction - 27/12/2024 & 11 AM

For More information kindly contact bank web site www.citizenbankdelhi.com/visit bank during business hours 10 AM to 4 PM.

NAME CHANGE
I, CHORGE SHAKUNTHALA RAGHUNATH Mother of No. 14848870M Rank- NK Name-PRADIP RAGHUNATH CHORGE Residing at VILL-KHINDWADI, PO-KHINDWADI, PS-SATARA, TEH-SATARA, DIST-SATARA, MAHARASHTRA-415004, have changed my name from CHORGE SHAKUNTHALA RAGHUNATH to SHAKUNTALA RAGHUNATH CHORAGE for all future purposes vide Affidavit Dated 19/11/2024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Rajesh Kumar Singh S/O Ram Bali Singh,R/O T.C-167,T.C.Camp, Pandav Nagar, Patel Nagar S.O, Central Delhi, Delhi-110008, declare that name of mine and my wife has been wrongly written as Rajesh Singh and Gudiya in my minor son Shivam Kumar aged 14 years in his birth certificate no-MMM1405120842530/2015/2,The actual name of mine and my wife are Rajesh Kumar Singh and Kamini Singh, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, hitherto known as NEHA MALHOTRA alias HIMANSHI ADVANI D/o SUBHASH CHANDER MALHOTRA W/o VIJAY KUMAR residing at H. No. CC - 124C, Near Police Station, Shalimar Bagh, North West, Delhi - 110088 have changed my name and shall hereafter be known as HIMANSHI ADVANI.

NAME CHANGE
I, NIDHI JINDAL W/O SH. PRAVEEN KUMAR R/O D-28, Budh Vihar Phase-1 NEW DELHI-110086 have changed my name from MANJU GARG to NIDHI JINDAL for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Vinod Kumar S/o Puran Chand Jain R/o D-1/74, New Kondli, Mayur Vihar Phase-III, Delhi - 110096 have changed my name from Vinod Kumar to Vinod Kumar Jain for all purpose.

NAME CHANGE
I, Saloony Kapoor W/o Manpreet Nagpal R/o ED-128, Tagore Garden, West Delhi, Delhi-110027 have changed my name from Saloony Kapoor to Saloony Nagpal for all future purposes.

PUBLIC NOTICE
I Vinay Kumar and Sarika Ranjan Owner of the Property of Residential Flat no. 405, on 4th Floor, Tower-H-2, area measuring 610 sq. feet at "GOLDEN I," built on Plot no. 11, Sector-Techzone-IV, Greater Noida, West, U.P I have lost Original Allotment letter dated 12.11.2022 issued by M/s Ocean Infraheights Pvt. Ltd In favour of Vinay Kumar and Sarika Ranjan, for which complaint lodged to the police. That any person(s)/Appropriate authority etc. if finds the misplaced Allotment Letter aforesaid owners may come forward and inform the undersigned within 15 days from the date of Publication. If any claim of anyone against this property then he/she is free to contact the undersigned within 15 days from today. After the expiry of 15 days, the subject property shall be deemed to be free from any kind of encumbrances, claim, right, mortgage

RAHUL KUMAR GUPTA
(ADVOCATE)
M-NO- 7252922875

NAME CHANGE
I, hitherto known as RAJIV KUMAR alias RAJIV BHARDWAJ S/o TARSEM LAL residing at Flat No. -5 , Sukhvir Nagar, Karala, North West Delhi, Delhi - 110081 have changed my name and shall hereafter be known as RAJIV BHARDWAJ.

NAME CHANGE
I hitherto known as Sk Asik Rahaman D/O OSIYAR R /O Parmanent adress PadampurVTC: Padampur, PO: Sagarbarh ,Sub District: Panskura- District: Purba Medinipur, State: West Bengal-721151,Present adress..Hno 93 ,Kiahan Ganj market old Rohtak Road delhi 110007, have changed my name and shall hereafter be known as Zoya khan.

NAME CHANGE
I, KINSHUK SINGH S/o RAMESHWAR SINGH, R/o 17/502, Eastend Apartments, New Ashok Nagar Metro Station, Mayur Vihar Phase – 1, Vasundhra Enclave, East Delhi, Delhi - 110096 , have changed the name of my minor son RIDDHIMAN SINGH, aged 9 years and he shall hereafter be known as RIDHIMAN VATSAA.

NAME CHANGE
It is for general information that I, GULSHAN TYAGI S/o BABU RAM TYAGI, R/o WZ-34, Budhela, Vikas Puri, Tilak Nagar, West Delhi, Delhi-110018, declare that name of mine and my Father have been wrongly written as GULSHAN and BABU RAM in my 10th Class Educational Documents. The actual name of mine and my Father are GULSHAN TYAGI and BABU RAM TYAGI which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I hitherto known as Roji Kaur W/O Harminder Singh, R/O F-10/110, SECTOR-15, Rohini, Rohini Sector 15, North West Delhi, Delhi - 110089,have changed my name and shall hereafter be known as ROZY KAUR NARANG.

सार्वजनिक सूचना
यह सामान्य जानकारी के लिए है कि मैं हंसीरा डी/ओ आश मोहम्मद निवासी ग्राम मुरादबास तह. नूंह, जिला. नूंह, हरियाणा 122107। घोषणा करें कि मेरे आधार कार्ड (7430 9416 4104) में मेरा नाम, मेरे पिता का नाम और मेरी जन्म तिथि (01/01/2007) को गलत तरीके से तसलीमा पुत्री आश मो. लिखा गया है। वास्तविक मेरा नाम मेरी 10वीं की मार्कशीट और मेरे जन्मतिथि प्रमाण पत्र के अनुसार है। मेरा नाम हंसीरा और मेरे पिता का नाम आश मोहम्मद है। और मेरी जन्म तिथि 11/04/2006 है। जिसमें तदनुसार संशोधन किया जा सकता है।

PUBLIC NOTICE
This is to inform that Sh. Salman Khan has agreed to create mortgage the described property in favour of my client Aadhar Housing Finance Limited, Delhi Uttam Nagar Branch, after execution of sale deed in her favour. Seller(s) Namely Sh. Harbir Singh Dahiya have agreed to sell their property "Portion of Plot No. 14 and 15, Area Measuring 50 Sq. Yds., Out of Khasra No. 60/19, Situated in the area of Village Hastsal Colony Known as Mohan Garden, Block-R, Uttam Nagar, New Delhi-110059". Hence any other co-sharer(s)/or any other legal heir(s) of namely Sh. Sertej Pal Singh, Sh. Kanwal Kumar, Sh. Anurag Sharma, Sh. Manoj Kumar, Sh. Tika Ram, Sh. Rajeev Kumar or any previous owner(s) of the above- mentioned property or any other concerned parties (including but not limited to Banks, Financial institutions, NBFCs, HFCs, Govt. Authorities or Semi-Govt. Authorities/bodies) having any claim against or in respect of the said property or any part thereof by way of sale, exchange, mortgage (equitable or deposit of title deed otherwise) gift, trust, inheritance, family arrangement, maintenance, bequest, partnership, possession, lease, Sub-lease, tenancy, license, lien, charge, pledge, easement or otherwise, how/who-soever are hereby requested to notify the same in writing to the Undersigned with supporting documentary evidence at the address mentioned herein below within 7 days, from the date hereof, failing which the claim or claims, if any, of such person(s) shall be considered to have been waived and/or abandoned any my client AHFL shall proceed with the disbursement of loan and creation of mortgage on the above-mentioned property.

Dated : 19.11.2024
Place : Delhi

Advocate Ghanshyam Singh,
Ch. E-713 Karkardooma Courts,
Delhi-110032; Ph-8810212071

NAME CHANGE
It is for general information that I, NARESH KUMAR S/o MITER PAL, R/o J-3/178, J.J Colony, Wazirpur, Ashok Vihar, North West Delhi, Delhi -110052 declare that name of my minor son has been wrongly written as NALIN in my minor Son namely NALIN KUMAR aged 16 years in his 10th class Educational Documents. The actual name of my minor Son is NALIN KUMAR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, V.M GEORGE S/o V.M MATHAI, Permanent Address: Vettikkattil House, Alacode, Idukki, Kerala - 685588, Presently Residing at 25, Type 3, North West Moti Bagh 1, New Delhi, Chanakya Puri, NCT of Delhi – 110021, declare that name of mine and my Father has been wrongly written as GEORGE V.M. and MATHAI V.M. in my Service Record. The actual name of mine and my Father are V.M GEORGE and V.M MATHAI respectively, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
Public notice is hereby given that my client Mr. Ramjeet Singh S/o Mr. Gareeb Ram, R/o Village Pali, Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh 203207, is owner of Residential Plot No. 58, area measuring 70 Square Yards, out of Khasra No. 135-Mi, situated at Dwarka City-II, in the Village Banhota, Sector-17, Pargana Dadri, Tehsil Dadri, District Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh, vide Khatauni/Jamabandi/Fard Fasli Year 1430-1435. On date, being the absolute owner of the said property, my client, Mr. Ramjeet Singh, going to sell to Mrs. Neha Singh W/o Mr. Baijnath Singh. The same is to be financed by Aadhar Housing Finance Ltd., branch Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh. If any person(s) has/have any objection regarding the above said property, then kindly may submit his/her objection within 7 days from the date of the Notice in writing to undersigned or the said Bank/FI. The said objection may be kindly sent to the undersigned/bank by way of the Registered Post on the address given below and by E-mail. Failing which, the claim as per aforesaid shall be treated as null and void in respect of the subject property.

[RUPESH KUMAR ROUSHAN]
Advocate
D-803, Nandgram,
Ghaziabad, Uttar Pradesh 201003
roushan.rupesh@gmail.com

PUBLIC NOTICE
This is to inform the general public that **Sh. Hari Chand** is the owner of Property Bearing No. 457-C-1 area measuring 100 Sq. Yds., Out of Khasra No. 305/212/2/3/2 Situated in Un-Authorized Colony South Ganesh Nagar, Delhi- 110092 through Conveyance Deed 04.06.2024 doc. No. 2024/5/I/4426 executed by POI Through DDA (Pm- Unauthorized Colonies in Delhi) in favour of Sh. Hari Chand in respect of the said Property. **Sh. Hari Chand** is in the process of mortgaging the said property with **Tata Capital Ltd.** Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 07 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 07-day period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client. If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 07-days period by contacting.

Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at
Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301; Landline(s): +910120-3101683,
E-mail: accounts@lvnorth.in

रेवाड़ी में कूड़ा जलाने पर 56 लोगों के कटे चालान

एजेंसी

रेवाड़ी। रेवाड़ी में कूड़ा जलाने वाले लोगों के 56 चालान किए गए हैं और उन पर 50000 के लगभग जुर्माना किया गया है। 42 कंस्ट्रक्शन साइट पर काम को रोका गया है। यह जानकारी अतिरिक्त उपायुक्त एवं जिला नगर आयुक्त अनुपमा अंजलि ने दी। उन्होंने बताया कि ग्रेप प्रावधानों के तहत शहरी क्षेत्र में विशेष अभियान चलाया गया है। दो स्प्रिंकलर वाहनों के साथ निरंतर व्यस्त मार्गों पर पानी का छिड़काव किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त

रोड स्वॅपिंग मशीन से सड़कों की धूल को साफ किया जा रहा है। कूड़ा जलाने वाले लोगों के 56 चालान किए गए हैं और उन पर 50000 के लगभग जुर्माना किया गया है। 42 कंस्ट्रक्शन साइट पर काम को रोका गया है। मंगलवार से होटल/ढाबों पर लकड़ी व कोयला जलाने वालों के विरुद्ध सघनता से अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने आमजन से अपील की है कि वह खुले में कचरा ना जलाएं, खुले में कचरा जलाने पर 5 हज़ार रुपए तक का चालान किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में लापरवाही को सहन नहीं किया जाएगा।

केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने सोनीपत में टेक्सटाइल इंडस्ट्री का किया दौरा

सोनीपत। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह बड़ी औद्योगिक क्षेत्र गन्नौर में टेक्स्टाइल इंडस्ट्री महाजन ओवरसीज में पहुंचे। यहां उन्होंने टैक्स्टाइल से जुड़े उद्यमियों के साथ बातचीत की। उन्होंने कहा कि हरियाणा सबसे बड़ा रोजगार देने वाला राज्य है। केंद्रीय कपड़ा मंत्री ने कहा कि सोनीपत से सटा पानीपत जिला टेक्सटाइल क्षेत्र में लगभग 8 से 10 लाख लोगों को रोजगार दे रहाहै। जबकि भारत में करीब साढ़े चार करोड़ लोग इस फील्ड में हैं। केंद्र सरकार न 2030 तक इसे बढ़ा कर छह करोड़ तक ले जाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने महाजन ओवरसीज की कार्य प्रणाली के बारे में बारीकी से जानकारी ली। मंत्री गिरिराज सिंह ने उद्यमियोंको इस क्षेत्र में हर संभव मदद करने का आश्वासन भी दिया।

हरियाणा में कम हुए डेंगू के मरीज, विपक्ष ने सरकार दावे पर किया हंगामा

चंडीगढ़। हरियाणा में बढ़ रहे डेंगू केसों पर सरकार ने दावा किया है कि राज्य में डेंगू रोगियों की संख्या पिछले सालों के मुकाबले कम है। स्वास्थ्य मंत्री द्वारा सोमवार को विधानसभा में जब यह दावा किया गया तो विपक्ष इस पर भड़क गया। रानियां से इनेलो विधायक अर्जुन चौटाला ने सदन में इस मुद्दे पर ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पेश किया। जिसके जवाब में स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि प्रदेश में अभी तक डेंगू के कुल 4 हजार 634 मामले सामने आए हैं। वहीं तीन लोगों की मौत हुई है। मरने वाले तीनों ही मरीज पंचकूला के हैं। अर्जुन चौटाला ने आरोप लगाया कि विभाग द्वारा आंकड़े छुपाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनके एक कर्मचारी की बेटी की मौत डेंगू से हुई है। सरकारी रिकार्ड में इसका जिक्र तक नहीं है। पिछले वर्ष की तुलना में इस बार अधिक मौत होने का दावा अर्जुन चौटाला ने किया। आरती सिंह राव ने कहा कि 2021 में डेंगू के 11 हजार 835 मरीज सामने आए थे और 13 लोगों की मौत हुई थी। 2022 में 8 हजार 996 मरीज सामने आए और 18 की जान गई। 2023 में इनकी संख्या घटकर 8 हजार 81 रह गई और 11 मरीजों की जान गई। इस साल 4 हजार 634 मरीज अभी तक रिपोर्ट हुए हैं।

विपक्ष का प्रदेश में डीएपी संकट का आरोप, सरकार ने किया स्टॉक पूरा होने का दावा

चंडीगढ़। हरियाणा में आए दिन आ रही डीएपी खाद के संकट की खबरों के बीच सरकार ने दावा किया है कि प्रदेश में डीएपी कोई संकट नहीं है। सरकार के इस दावे को खारिज करते हुए विधानसभा में विपक्ष ने जमकर हंगामा किया। ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर डबवाली विधायक आदित्य देवीलाल चौटाला ने कहा कि खाद एजेंसियां मिलीभगत करके डीएपी की कालाबाजारी कर रही हैं। उन्होंने कहा कि प्लाईवुड इंडस्ट्री में डीएपी का इस्तेमाल होता है। ऐसे में किसानों के हिस्से का डीएपी अधिकारियों व एजेंसियों की मिलीभगत ने फैक्टरियों में भेजा जा रहा है। नूंह विधायक आफताब अहमद ने कहा कि मेवात जिला में सरसों व गेहूं की अगेती बुआई होती है। ऐसे में सरकार को वहां समय से पहले डीएपी की आपूर्ति करनी चाहिए। नारनौंद विधायक जस्सी पेटवाड़ और कालांवाली विधायक शीशपाल केहरवाला ने कहा कि उनके एरिया में भी डिमांड के हिसाब से डीएपी की आपूर्ति नहीं की गई। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने खाद संकट पर सरकार को घेरते हुए कहा कि 12 नवंबर के स्टॉक के बारे में मुख्यमंत्री जवाब दें।

हकेवि के दसवें दीक्षांत समारोह में 46 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक व 65 को मिली पीएचडी की उपाधि

एजेंसी

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय हकेवि, महेंद्रगढ़ के दसवें दीक्षांत समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हरियाणा के राज्यपाल माननीय बंडारु दत्तात्रेय रहे जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो राघवेंद्र प्रसाद तिवारी दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। हकेवि के दसवें दीक्षांत समारोह में कुल 1338 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएचडी, एमफिल, स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियाँ प्रदान की गई। साथ 46 विद्यार्थियों को उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया गया। दीक्षांत समारोह में स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बीटेक में 192 तथा बीवॉक में 83 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 990 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई।

65 शोधार्थियों को पीएचडी एवं आठ को एमफिल की उपाधि प्रदान की गई। 1338 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 803 छात्र और 535 छात्राएं शामिल हैं। राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय ने डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थी जीवन का सबसे यादगार अवसर होता है। आप देश का वर्तमान और भविष्य है। दीक्षांत समारोह में विशिष्ट अतिथि प्रो राघवेंद्र प्रसाद तिवारी ने सभी डिग्रीधारकों को बधाई देते हुए कहा कि आज का दिन सपनों को पूर्ण करने के संकल्प का दिन है। विद्यार्थी नए, समृद्ध और महत्वाकांक्षी भारत के निर्माण हेतु अपने योगदान का संकल्प लें। आज का दिन विद्यार्थियों के लिए ज्ञानयोग से कर्मयोग की ओर अग्रसर होने का दिन है। विद्यार्थियों को केवल विचारक ही नहीं बल्कि कर्मयोगी बनते हुए नए भारत के निर्माण में योगदान देते हुए अमृतकाल की परिकल्पना को साकार करने में सक्रिया भूमिका निभानी होगी। प्रो तिवारी ने विश्वविद्यालय की प्रगति का उल्लेख करते हुए कुलपति प्रो टंकेश्वर कुमार व उनकी टीम की भी सराहना की।

गुरुग्राम विवि में सुनील सैनी कराटे के तकनीकी विशेषज्ञ नियुक्त

एजेंसी

गुरुग्राम। गुरुग्राम विश्वविद्यालय की विभागाध्यक्ष प्रसिद्ध सुनीता कोक ने साई कराटे अकादमी के प्रतिष्ठित कराटे कोच व जनरल सेक्रेटरी सुनील सैनी को आगामी कराटे इंटर-कॉलेज ट्रायल (पुरुष एवं महिला) के लिए तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त किया है।

यह कार्यक्रम 18 नवंबर को सेक्टर-66 में स्पोर्ट्स प्लैनेट जिम्नास्टिक अकादमी में आयोजित किया गया है। सिहान सुनील सैनी का व्यापक अनुभव और विशेषज्ञता परीक्षण के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने और प्रतिस्पर्धा के उच्चतम मानकों को बनाए रखने में सहायक होगी। उनकी नियुक्ति खेलों को बढ़ावा देने और इच्छुक एथलीटों के लिए असाधारण अवसर प्रदान करने के लिए गुरुग्राम विश्वविद्यालय के समर्पण को रेखांकित करती है। इंटर-कॉलेज ट्रायल गुरुग्राम के

विभिन्न कॉलेजों से बड़ी संख्या में प्रतिभाशाली कराटेका को आकर्षित करने के लिए तैयार है। इस कार्क्रम का उद्देश्य युवा प्रतिभाओं की पहचान करना और उनका पोषण करना है, जो अंतत- क्षेत्र में कराटे के विकास में योगदान देगा।

सीएम नायब सैनी 21 को सिरसा में, डीसी व एसपी ने लिया तैयारियों का जायजा

एजेंसी

सिरसा। मुख्यमंत्री नायब सैनी 21 नवंबर को सिरसा में बाबा सरसाई नाथ मेडिकल कॉलेज का भूमि पूजन करेंगे। सीएम के कार्यक्रम को देखते हुए जिला प्रशासन की तरफ से तैयारियां तेज कर दी गई हैं। जिला उपायुक्त शांतनु शर्मा व एसपी विक्रांत भूषण ने मेडिकल कॉलेज ग्राउंड में चल रही तैयारियों का जायजा लिया।

डीसी शांतनु शर्मा ने बताया कि मेडिकल कॉलेज 22 एकड़ जमीन में बनेगा और इस पर एक हजार करोड़ के आसपास लागत आएगी। मुख्यमंत्री मंत्री नायब सैनी 21 नवंबर को वायु मार्ग से सिरसा पहुंचेंगे। सुबह 10 बजे भूमि पूजन कार्यक्रम शुरू होगा। इसके बाद मुख्यमंत्री जनता को भी संबोधित करेंगे। मेडिकल कॉलेज का निर्माण दो वर्ष में पूरा हो जाएगा। वहीं, मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर बीजेपी नेताओं का भी मेडिकल कॉलेज ग्राउंड में आना जाना लगा हुआ है। पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण का कहना है कि मुख्यमंत्री के सिरसा आगमन को लेकर सुरक्षा से जुड़ी तमाम तैयारियां की जा रही हैं। बता दें कि 500 बेड के मेडिकल

कॉलेज से सिरसा के साथ साथ 100 किलोमीटर के दायरे में आम जन लाभान्वित होगा। सिरसा के मेडिकल कॉलेज में एनाटॉमी, फिजियोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, पैथोलॉजी, माइक्रोबायोलाजी, फार्माकोलॉजी, फोरेंसिक मेडिसिन एवं टॉक्सिकोलॉजी और कम्युनिटी मेडिसिन जैसे विभाग शामिल होंगे। इसके साथ-साथ आपातकालीन चिकित्सा, हड्डी रोग, बाल रोग, मनोचिकित्सक, सामान्य शल्य चिकित्सा, श्वसन चिकित्सा, नेत्र विज्ञान, ओटोरहिनालरिंजोलाजी, सामान्य चिकित्सा, त्वचा विज्ञान, प्रसूति एवं स्त्री रोग, बर्न यूनिट, आईसीयू, पीआईसीयू, आईसीसी एनआईसीयू, जेल वार्ड, एआरटी वार्ड और निजी वार्ड भी होंगे।सकता है। उन्होंने कहा कि आप किसी देश का एंबेसडर बने, ऊंचा पद ग्रहण करे ऐसी मेरी कामना है। कृतज्ञता विनम्रता की नींव है और विनम्रता सच्चे नेतृत्व की पहचान है।

देश का युवा अपनी क्षमताओं से भविष्य की ओर अग्रसर: हितेश कुमार मीणा

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा कौशल विकास एवं औधोगिक प्रशिक्षण विभाग की ओर से जिला प्रशासन के सहयोग व मार्गदर्शन में राजकीय कन्या महाविद्यालय सेक्टर-14 में दो दिवसीय जिला स्तरीय युवा उत्सव शुरू हो गया। मुख्य अतिथि के रूप में एडीसी हितेश कुमार मीणा ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर आयोजन के नोडल अधिकारी एवं गुरुग्राम के एसडीएम रविंद्र कुमार भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम के आयोजन में नेहरू युवा केंद्र संगठन व राष्ट्रीय सेवा योजना का भी विशेष योगदान रहा। दो दिवसीय युवा उत्सव के शुभारंभ सत्र को संबोधित करते हुए एडीसी हितेश कुमार मीणा ने कहा कि जब युवा उच्च आदर्शों, उद्देश्य की भावना और व्यापक ज्ञान से परिपूर्ण होते हैं, तो वे देश को विकास देने की गति में एक अजेय शक्ति बन जाते हैं। चूंकि आज भारत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी, सशक्त एवं कुशल नेतृत्व में अपने इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है, इसलिए युवाओं को एक महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी भारत की सदी होगी क्योंकि देश का युवा अपनी क्षमताओं के प्रति आश्वस्त होकर भविष्य की ओर तीव्रता से अग्रसर है।

उन्होंने युवा महोत्सव के संदर्भ में कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थी जीवन में उनकी छुपी हुई प्रतिभाओं को आगे आने में मदद करते हैं। एडीसी ने कहा कि युवा एक लक्ष्य निर्धारित कर पूरी मेहनत के साथ तैयारी करें, सफलता अवश्य मिलेगी। अगर लक्ष्य के अनुरूप चलता है तो जीवन में कभी असफल नहीं हो सकते।जिन युवाओं की सीखने की ललक होती है वही युवा कुछ कर गुजरने की क्षमता रखता है। इसलिए युवा अपने जीवन में सकारात्मक सोच के साथ जिए और कभी भी निराशा का भाव ना पैदा होने दें। उन्होंने कहा कि जीवन मे उतार चढ़ाव एक सामान्य प्रक्रिया है। इसलिए ऐसी परिस्थितियों में अपने हुनर को बेहतर करने का प्रयास करें। उन्होंने सभी प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि प्रतियोगिताओं के माध्यम से युवा, चयनित होते हुए राष्ट्रीय युवा महोत्सव में भाग लेकर जिला व देश का नाम रोशन करें। इस अवसर पर आईटीआई गुरुग्राम के प्रिंसिपल जयदीप कादियान, राजकीय कन्या महाविद्यालय के प्रिंसिपल डॉ. जितेंद्र मलिक, महिला आईटीआई गुरुग्राम के प्रिंसिपल जगमिंदर, आईटीआई सोहना की प्रिंसिपल सोनिया तक्षक सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

समस्याओं के साथ-साथ उनके समाधान को जानना जरूरी : धीरेंद्र खडगटा

एजेंसी

रोहतक। उपायुक्त धीरेंद्र खडगटा ने कहा कि देश व प्रदेश की अधिकांश आबादी गांव में रहती हैं। ऐसे में ग्रामीण आंचल से जुड़ी योजनाओं और समस्याओं के साथ-साथ उनके समाधान को जानना जरूरी है।

एक विद्यार्थी के रूप में इनके अध्ययन का और महत्व और भी बढ़ जाता हैं। यह बात उन्होंने रूरल एंगेजमेंट प्रोग्राम के तहत जिला के विभिन्न गांव व सरकारी संस्थाओं का दौरा करने वाले आईआईएम रोहतक के विद्यार्थियों के दल को स्थानीय कॉन्फ्रेंस हॉल में संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण आंचल के लोगों के जीवन उत्थान के लिए अनेक प्रकार की योजनाएं क्रियान्वित

की जा रही हैं। गांव में विशेषकर विकास एवं पंचायत विभाग, जिला परिषद, मनरेगा योजना आदि के तहत विकास कार्य करवाएं जाते हैं। इसी तरह से महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा महिलाओं के साथ छोटे बच्चों के सर्वांगीण विकास पर जोर दिया जाता है। छोटे बच्चों को खेल-खेल में शिक्षा उपलब्ध करवाई जाती हैं। महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए प्रेरित किया जाता हैं, जिसके लिए स्वयं सहायता समूह बनवाएं जाते हैं।

विद्यार्थियों द्वारा ड्रग्स एडिक्शन और महिला सशक्तिकरण पर पूछे गए सवाल पर उपायुक्त ने कहा कि वर्तमान समय में ये दोनों विषय कानूनी रूप के साथ-साथ सामाजिक मुद्दें भी हैं। उन्होंने कहा कि अधिकांश तौर पर युवा अवस्था में ड्रग्स का प्रयोग शुरू कर दिया जाता है, जो बाद में एक आदत बन जाती हैं और जिसको छोडना बहुत मुश्किल हो जाता है, इसलिए युवाओं को नशे से दूर रहना चाहिए।

झज्जर में गीता जयंती महोत्सव 9 से 11 दिसंबर तक

एजेंसी

झज्जर। शहर के महर्षि दयानंद सरस्वती स्टेडियम में आगामी 9 दिसंबर से 11 दिसंबर तक जिला स्तरीय गीता जयंती महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। उत्सव में आमजन की सक्रिय भागीदारी रहेगी। उपायुक्त प्रदीप दहिया ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को तैयारियों को लेकर जरूरी निर्देश दिए। वह लघु सचिवालय सभागार में मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर की वीसी उपरांत संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक में गीता जयंती महोत्सव की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। डीसी भैया ने कहा कि गीता का दर्शन सार्वभौमिक है। ग्लोबल श्लोकोच्चारण के दौरान अधिक से अधिक बच्चे शामिल हों। स्टॉल व शोभा यात्रा में स्कूली बच्चों द्वारा आकर्षक प्रदर्शन किया जाए। तीनों दिन सेमिनार में प्रबुद्ध वक्ताओं को आमंत्रित किया जाए ताकि लोग उनके संदेश को सुन सकें। उन्होंने कहा कि गीता जयंती महोत्सव में समाज के हर वर्ग के लोग शामिल हों। तीन दिन तक चलने वाले कार्यक्रमों में श्रीमद्भगवद्गीता पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम, सेमिनार, दीपोत्सव व शोभा यात्रा का आयोजन होगा,जिसके लिए अभी से तैयारियां शुरू की जाएं। उन्होंने कहा कि गीता जयंती महोत्सव में आमजन की अधिक से अधिक भागीदारी जरूरी है ताकि लोग गीता के संदेश को जीवन में धारण कर सकें। उन्होंने सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों से गीता जयंती महोत्सव में अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

मातृशक्ति उद्यमिता योजना: सशक्त नारी, आत्मनिर्भर समाज

एजेंसी

जींद। हरियाणा सरकार ने महिलाओं के सशक्तिकरण और उनकी आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए एक अनूठी योजना मातृशक्ति उद्यमिता योजना की शुरुआत की है। इस योजना के तहत राज्य की महिलाओं को तीन लाख रुपये तक का ऋण प्रदान किया जाएगा। जिससे वे अपने व्यवसाय शुरू कर सकें और आत्मनिर्भर बन सकें। इस योजना का संचालन हरियाणा महिला विकास निगम के माध्यम से किया जा रहा है।

जानकारी देते हुए उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा ने बताया कि इस योजना को महिलाओं के जीवन में बदलाव लाने वाला कदम बताया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष 40 महिलाओं को इस योजना का लाभ देने का लक्ष्य रखा गया है। यह योजना विशेष रूप से उन महिलाओं के लिए है, जिनकी वार्षिक आय पांच लाख रुपये से कम है और जो हरियाणा की स्थाई निवासी हैं। योजना का लाभ उठाने के लिए महिला की आयु 18 से 60 वर्ष के बीच होनी चाहिए और उसे किसी भी पूर्व ऋण की डिफाल्टर नही होना चाहिए। ऋण लेने वाली महिलाओं

को सरकार की और से तीन वर्षों तक समय पर किस्त चुकाने पर सात प्रतिशत ब्याज अनुदान दिया जाएगा। योजना के तहत महिलाएं विभिन्न व्यवसायों के लिए ऋण प्राप्त कर सकती हैं। जिनमें ऑटो रिक्शा, ई-रिक्शा, टैक्सी, ब्यूटी पार्लर, बुटीक, फूड स्टॉल, पापड़, अचार बनाने जैसे कार्य शामिल हैं।

इसके अलावा हलवाई की दुकान, टिफिन, सर्विस, मिट्टी के बर्तन बनाने और फोटोस्टेट की दुकान जैसे विकल्प भी उपलब्ध हैं। इस योजना के लिए आवेदन करने के इच्छुक लाभार्थियों को अपने आवेदन पत्र के साथ आधार कार्ड, परिवार पहचान पत्र, राशन कार्ड, रिहायशी प्रमाण पत्र, पासपोर्ट साइज फोटो, प्रोजेक्ट रिपोर्ट और ट्रेनिंग प्रमाण पत्र जमा करना होगा। सभी दस्तावेजों की दो.दो प्रतियां अनिवार्य हैं। यह योजना महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने और समाज में उनकी भूमिका को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इच्छुक महिलाएं अपने नजदीकी हरियाणा महिला विकास निगम के कार्यालय से संपर्क कर इस योजना का लाभ उठा सकती हैं।

अवैध पीवीसी मार्केट की रोकथाम के लिए लगाई धारा 163

एजेंसी

झज्जर। जिलाधीश एवं उपायुक्त प्रदीप दहिया ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के सेक्शन 163 में

निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए बहादुरगढ़ क्षेत्र में अवैध पीवीसी मार्केट पनपने से रोकने के लिए जनहित में तुरंत प्रभाव से आगामी 17 जनवरी, 2025 तक अवधि के लिए आदेश जारी किए हैं। बहादुरगढ़ क्षेत्र में अवैध रूप से प्लास्टिक स्क्रैप मैटेरियल डम्प करने से जलवायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए, शांति व्यवस्था बनाए रखने और वन्य जीव के गुणवत्तापूर्वक जीवन के लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं।जिलाधीश प्रदीप दहिया ने जारी अपने आदेशों में कहा कि जनहित में बहादुरगढ़ में अवैध रूप से अनाधिकृत जमीन / स्थानों पर प्लास्टिक डम्प करना, प्लास्टिक वेस्ट को अनलोड करना आदि पर तुरंत प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है। उन्होंने कहा कि जिला झज्जर की राजस्व सीमा में प्लास्टिक लोड गाड़ियों पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस उपायुक्त, सचिव आरटीए व कार्यकारी अधिकारी नगर परिषद बहादुरगढ़ उक्त आदेशों की अनुपालना करवाने के लिए जिम्मेदार होंगे। उपरोक्त आदेशों की अवहेलना करने पर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

बाल संरक्षण पर सरकार का विशेष फोकस: आनंद शर्मा

एजेंसी

नारनौल। झुग्गी-झोपड़ियों में रह रहे बच्चों के उत्थान के लिए जिला प्रशासन विशेष कैंप लगाया जाएगा। इन पुनरुत्थान कैंप के दौरान उन बच्चों के विभिन्न प्रकार के सर्टिफिकेट सहित उनके भविष्य की योजना तैयार की जाएगी। इसी कार्ययोजना को सिरे चढ़ाने के लिए अतिरिक्त उपायुक्त आनंद कुमार शर्मा आईएएस ने अपने कार्यालय में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक ली।

एडीसी ने कहा कि इस वंचित वर्ग को सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के अनुसार सभी प्रकार की मूलभूत सुविधाएं देना हम सब का कर्तव्य है। इस कार्य को अधिकारी केवल ड्यूटी के तौर पर न लेते हुए बल्कि इसे भावनात्मक तौर पर करें। इनमें जो बच्चे आंगनबाड़ी में दाखिल करने के लायक है उन्हें वहां पर एडमिशन दिलाया जाएगा तथा जो बच्चे स्कूल की उम्र के हैं उन्हें स्कूलों में एडमिशन दिलाया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के अनुसार इन सभी बच्चों के उत्थान करने की सोच के साथ कैंप

आयोजित किए जाने हैं। सरकार का भी बाल संरक्षण पर विशेष फोकस है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस दौरान जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, परिवार पहचान पत्र, मेडिकल सर्टिफिकेट तथा अन्य प्रकार के सर्टिफिकेट सहित कागजात तैयार करवाने में मिलने पर यह अधिकारी की जिम्मेदारी है कि वे कागजात को पूरे करवाएं। उन्होंने कहा कि एक सप्ताह बाद लगने वाले इन सभी कैंप का वे खुद दौरा करेंगे। इसमें विभिन्न विभागों की सीधी भागीदारी रहेगी। एडीसी ने बताया कि जिला महेंद्रगढ़ में लगभग 150 बच्चे हैं जो इस श्रेणी में आते हैं।

महिला के गले से चेन झपटमार को काबू करने वाले होमगार्ड जवान को एसपी ने किया सम्मानित

एजेंसी

हिसार। कुछ दिन पहले पारिजात चौक के पास महिला के गले से चैन छीनकर भाग रहे युवक को पकड़ने वाले होमगार्ड जवान राजेश को पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने सम्मानित किया है। पुलिस अधीक्षक ने होमगार्ड जवान को नकद इनाम व प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया और उसी पीठ थपथपाई।पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने उसे सम्मानित करते हुए कहा कि होमगार्ड के जवान हमारे प्रतिनिधि के तौर पर पुलिस थानों, चौकियों और ट्रैफिक पुलिस में चोक चोराहों पर पुलिस के जवानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर ड्यूटी करते है। त्योहारी समय हो या वीआईपी का आगमन, शहर में यातायात का अत्यधिक दबाव रहता है। ऐसे में ट्रैफिक को सुचारू रूप से चलाने और कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए पुलिस कर्मचारियों और होमगार्ड के

जवानों को बहुत अधिक मेहनत करनी पड़ती है। होमगार्ड के जवान राजेश ने अपनी ड्यूटी लगन, ईमानदारी और बहादुरी से करते हुए चेन झपटमार को काबू किया। अपना दायित्व ईमानदारी से निभाने के लिए होमगार्ड जवान राजेश बधाई का पात्र है और अन्य जवानों के लिए प्रेरणा स्त्रोत है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गत 14 नवंबर को देर शाम मोटरसाइकिल सवार दो युवक महिला के गले से सोने की चेन झपट कर भाग गए थे। महिला के शोर मचाने पर, पारिजात चौक पर तैनात होमगार्ड राजेश ने आरोपियों का बीकानेर चौक तक पीछा किया और एक आरोपी को पकड़ लिया।

NAME CHANGE

I, hitherto known as URMILA D/o TIRKHA SINGH W/o BHOJ RAJ SINGH residing at 5-6, Durga Nagar, Ambala Cantt, Ambala, Haryana - 133001 have changed my name and shall hereafter be known as KASHMIRI DEVI.

पीएम गतिशक्ति के तहत एनपीजी ने सड़क, रेल सहित 8 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का मूल्यांकन किया

एजेंसी

नई दिल्ली। पीएम गतिशक्ति पहल के तहत नेटवर्क प्लानिंग ग्रुप (एनपीजी) ने सड़क और रेल परियोजनाओं सहित आठ बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का मूल्यांकन किया है। इन परियोजनाओं से भारत के बुनियादी ढांचे के परिदृश्य में महत्वपूर्ण योगदान मिलने की उम्मीद है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के अतिरिक्त सचिव राजीव सिंह ठाकुर की अध्यक्षता में नेटवर्क प्लानिंग ग्रुप (एनपीजी) की 83वीं बैठक हुई, जिसमें देशभर में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का मूल्यांकन किया गया। राजीव सिंह ठाकुर की अध्यक्षता में संपन्न हुई इस बैठक में रेलवे मंत्रालय (एमओआर) की साल परियोजनाओं और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच) की एक परियोजना पर चर्चा की गई। बैठक में परियोजना प्रस्तावकों, भास्कराचार्य राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुप्रयोग एवं भूसूचना विज्ञान संस्थान (बीआईएसएजी-एन) के प्रतिनिधियों और संबंधित राज्यों के नोडल अधिकारियों ने भाग लिया।

सीबीआईसी ने महाराष्ट्र, झारखंड में अक्टूबर महीने के जीएसटीआर-3बी दाखिल करने की तिथि 21 नवंबर तक बढ़ाई

नई दिल्ली। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने महाराष्ट्र और झारखंड के जीएसटी करदाताओं को विधान सभा चुनावों के मद्देनजर बड़ी राहत दी है। सीबीआईसी ने अक्टूबर महीने के जीएसटीआर-3बी दाखिल करने की अंतिम तिथि एक दिन बढ़ाकर 21 नवंबर कर दी है, जो पहले 20 नवंबर थी। सीबीआईसी ने एक्स पोस्ट पर जारी एक बयान में कहा कि महाराष्ट्र और झारखंड राज्यों में विधान सभा चुनावों के लिए मतदान 20 नवंबर को होना है, जो अक्टूबर, 2024 के लिए जीएसटीआर-3बी रिटर्न दाखिल करने की अंतिम समय-सीमा भी है। इन राज्यों के करदाताओं को चुनाव के लिए अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए समय निकालने में कठिनाई हो सकती है। इसलिए जीएसटीआर-3बी रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 नवंबर कर दी गई है। सीबीआईसी ने कहा कि सरकार ने जीएसटी कार्यान्वयन समिति (जीआईसी) की मंजूरी से उक्त राज्यों में अपने मुख्य व्यवसाय स्थान वाले पंजीकृत व्यक्तियों के लिए अक्टूबर, 2024 महीने के लिए फॉर्म जीएसटीआर-3बी दाखिल करने की तय तारीख को 20 नवंबर से बढ़ाकर 21 नवंबर करने का फैसला किया है। इस आशय की अधिसूचना यथासमय जारी की जाएगी। गौरतलब है कि महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान 20 नवंबर को होना है।

जेईएम ने भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में विक्रेता ऑनबोर्डिंग अभियान चलाया

नई दिल्ली। सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जेईएम) नई दिल्ली में 43वें भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ) में भाग लेने वाले भारतीय विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं को सक्रिय रूप से पंजीकृत और शामिल कर रहा है। यह आयोजन 14 से 27 नवंबर, 2024 तक भारत मंडपम कॉम्प्लेक्स में हो रहा है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि जेईएम इस वर्ष की थीम विकसित भारत@2047' के अनुरूप 43वें आईआईटीएफ 2024 के दौरान अपने मंडप (हॉल नंबर 4, स्टॉल नंबर 4F-6A, पहली मंजिल) में व्यापक पंजीकरण अभियान चलाया है। इसके तहत जेईएम भारतीय विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं को सक्रिय रूप से पंजीकृत और शामिल कर रहा है। मंत्रालय ने कहा कि समावेशी आर्थिक विकास को गति देने में पोर्टल की भूमिका पर जोर देते हुए जेईएम भारत सरकार की 'एक जिला, एक उत्पाद' (ओडीओपी) योजना के तहत भाग लेने वाले छोटे पैमाने के विक्रेताओं, विशेष रूप से कारीगरों, बुनकरों और शिल्पकारों को अंत-से-अंत सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि सार्वजनिक खरीद परिदृश्य में उनकी भागीदारी को प्रोत्साहित किया जा सके।

वित्त वर्ष 2025 में 500 नई शाखाएं खोलेगा एसबीआई : सीतारमण

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र का स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) वित्त वर्ष 2024-25 में 500 नई शाखाएं खोलेगा। वित्त मंत्री ने यहां एसबीआई मुंबई मुख्य शाखा भवन के शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए यह जानकारी दी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बैंकिंग पीएसयू के प्रभावशाली विकास और बैंकिंग पारिस्थितिकी तंत्र में इसके योगदान की सराहना की। उन?होंने कहा कि एसबीआई की 22,500 शाखाएं हैं। इस वित?त वर्ष में 500 और शाखाएं जुड़ने की उम्मीद है। एसबीआई के पास 65 हजार एटीएम हैं, जो देश के सभी एटीएम का 29 फीसदी है।

सबीआई मुंबई मुख्य शाखा भवन के शताब्दी समारोह में सीतारमण ने कहा कि इसके पास 85 हजार बैंकिंग संवाददाता हैं, इसकी जमाराशि कुल जमाराशि का 22.4 फीसदी है। इसके 50 करोड़ से ज?यादा ग्राहक हैं, जबकि कुल डेबिट कार्ड व्यय का 25 फीसदी हिस्सा इसका है। देश के कुल मोबाइल बैंकिंग लेन-देन की इसकी 22 फीसदी हिस्सेदारी है, जबकि यूपीआई प्रेषक बैंक लेन-देन का 25 फीसदी हिस्सा भी इसका है। वित्त मंत्री ने कहा कि एसबीआई फॉर्च्यून 500 सूचीबद्ध बैंकों में सूचीबद्ध होने वाला एकमात्र भारतीय बैंक भी है।

एनटीपीसी ग्रीन का आईपीओ खुला, ग्रे मार्केट में इश्यू का फीका स्वागत

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एनटीपीसी की सहायक कंपनी एनटीपीसी ग्रीन का 10 हजार करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए खुल गया। हालांकि ग्रे मार्केट में इस शेयर को लेकर ज्यादा उत्साह नजर नहीं आ रहा है। आज ग्रे मार्केट में इस आईपीओ के अपर प्राइस बैंड पर 0.70 रुपये का प्रीमियम मिल रहा है। एनटीपीसी ग्रीन का 10 हजार करोड़ रुपये का ये आईपीओ इस साल लॉन्च होने वाला तीसरा सबसे बड़ा इश्यू है। इसके पहले हुंडई मोटर में भारतीय स्टॉक मार्केट के इतिहास का सबसे बड़ा 27,870 करोड़ रुपये का आईपीओ लॉन्च किया था, जबकि ऑनलाइन फूड डिलीवरी कंपनी स्विगी 11,300 करोड़ रुपये का पब्लिक इश्यू लेकर आई थी। एनटीपीसी ग्रीन के आईपीओ में 22

नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ के तहत 102 से 108 रुपये का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 138 शेयर का है। इस आईपीओ का 75 प्रतिशत हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व है, जबकि 15 प्रतिशत नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए और 10 प्रतिशत हिस्सा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व किया गया है। 22 नवंबर को क्लोजिंग होने के बाद 25 नवंबर को शेयरों का एलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 27 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग होगी। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 92,59,25,926 नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसमें 200 करोड़ रुपये के शेयर कंपनी के कर्मचारियों के लिए रिजर्व किए गए हैं, जबकि 1,000 करोड़ रुपये के शेयर एनटीपीसी के मौजूदा शेयर होल्डर्स के लिए रिजर्व है। कंपनी द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक इस आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसों में से 7,500 करोड़ रुपये का इस्तेमाल एनटीपीसी ग्रीन की सब्सिडियरी एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी के कर्ज भार को काम करने में किया जाएगा, जबकि शेष 2,500 करोड़ रुपये का इस्तेमाल सामान्य कॉर्पोरेट जरूरतों में किया जाएगा। आईपीओ की लॉन्चिंग के बाद आज ग्रे मार्केट ने इस इश्यू का फीका स्वागत किया है। आज सिर्फ 70 पैसे के प्रीमियम पर इस शेयर का कारोबार हो रहा है। लेकिन मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि निवेशकों के लिए इस कंपनी में निवेश करना लॉन्ग टर्म में फायदेमंद हो सकता है। कंपनी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 2025 में इसकी ऑपरेशनल कैपेसिटी मौजूदा 3.3 गीगावॉट से बढ़ कर 6 गीगावॉट हो जाएगी।

दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण बढ़ने से एयर प्यूरीफायर और मास्क की बिक्री बढ़ी

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की राजधानी नई दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (दिल्ली-एनसीआर) में वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर तक बढ़ने के साथ ही एयर प्यूरीफायर और मास्क की बिक्री में काफी बढ़ गई है। कारोबारियों ने इसकी जानकारी दी। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक दिल्ली की वायु गुणवत्ता 'अति गंभीर' श्रेणी में पहुंच गई है। वहीं, वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 484 तक पहुंच गया है, जो इस मौसम का सबसे खराब स्तर है। व्यापारियों का कहना है कि एयर प्यूरीफायर और मास्क की मांग बढ़ गई है, क्योंकि कई निवासी इन उपकरणों को अपने स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए आवश्यक मानते हैं। ऐसे में दिल्लीवासियों को सांस लेने में कठिनाई हो रही है, जिससे एयर

प्यूरीफायर और मास्क की बिक्री में इजाफा हुआ है। लोगों का कहना है कि वायु प्रदूषण के 'गंभीर' स्तर को पार करने के बाद मास्क लगाना जरूरी है।

सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोना महंगा हुआ है। इस चमकीली धातु की कीमत में आज 620 रुपये से लेकर 680 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी दर्ज की गई है। इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 76,470 रुपये से लेकर 76,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 70,110 रुपये से लेकर 69,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं होने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 89,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है।देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 76,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 70,110 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 76,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 69,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 76,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 70,010 रुपये प्रति 10 ग्राम

दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 76,320 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 69,960 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 76,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 69,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 76,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 70,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 76,370 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 70,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 76,470 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 76,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 69,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

सीसीआई ने मेटा कंपनी पर 213 करोड़ रुपये का लगाया जुर्माना

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने सोशल मीडिया कंपनी मेटा पर 213.14 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया। ये जुर्माना 2021 में व्हॉट्सएप की निजता नीति अद्यतन के संबंध में अनुचित व्यावसायिक तरीकों को अपनाने के लिए लगाया गया।

सीसीआई ने एक्स पोस्ट पर जारी एक बयान में कहा कि एक आदेश में भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने मेटा पर अपने प्रमुख स्थान का दुरुपयोग करने के लिए 213.14 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। सीसीआई ने 2021 गोपनीयता नीति अद्यतन के लिए मेटा कंपनी पर 213.14 करोड़ रुपये का मौद्रिक जुर्माना लगाया है। नियामक ने इसे रोकने का निर्देश और विशिष्ट व्यवहार संबंधी उपाय भी दिए हैं। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने मेटा को प्रतिस्पर्धा-रोधी व्यवहार को बंद करने और उनसे दूर रहने का निर्देश दिए है। सीसीआई ने प्रभुत्व का दुरुपयोग करने के खिलाफ आदेश पारित करते हुए कहा कि यह जुर्माना इस बात से जुड़ा है कि व्हॉट्सएप की 2021 की निजता नीति को कैसे लागू किया गया है, राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा नियामक है। यह कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के अंतर्गत एक वैधानिक निकाय है। ये प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने तथा भारत

उपयोगकर्ता डेटा कैसे जमा किया गया और इसे मेटा की अन्य कंपनियों के साथ साझा किया गया है। उल्लेखनीय है कि भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग भारत में मुख्य में प्रतिस्पर्धा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली गतिविधियों को रोकने के लिए प्रतिस्पर्धा अधिनियम, 2002 को लागू करने के लिए जिम्मेदार है।

मनबा फाइनेंस ने पियाजियो व्हीकल्स के साथ एक एमओयू पर साइन किया

नयी दिल्ली

मुंबई/नई दिल्ली। लीडिंग नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनी मनबा फाइनेंस लिमिटेड ने पियाजियो व्हीकल्स प्राइवेट लिमिटेड (पीवीपीएल) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। दोनों कंपनियों के बीच इस समझौते का मकसद ग्राहकों को कम डाउन पेमेंट ऑप्शन, कंपटीटिव ब्याज दरें और अधिकतम चार साल के लिए फाइनेंसिंग सॉल्यूशन उपलब्ध कराना है। कंपनी ने जारी एक बयान में बताया कि पियाजियो व्हीकल्स प्राइवेट लिमिटेड के सीएमडी डिएगो ग्राफी और मनबा फाइनेंस लिमिटेड कंपनी के सीबीओ और डायरेक्टर मोनिल शाह ने इस एमओयू पर हस?ताक्षर किए हैं। इस अवसर पर सेल्स और रिटेल फाइनेंस के ईवीपी अमित सागर, रिटेल फाइनेंस के प्रमुख नीलेश आर्य भी मौजूद थे। इस समझौते के तहत मनबा फाइनेंस और पियाजियो व्हीकल्स पार्टनरशिप के इंप्लिमेंटेशन की देखरेख के लिए एक डेडिकेटेड सेंट्रल कोऑर्डिनेशन टीम का गठन करेंगे। इस समझौते के तहत मनबा फाइनेंस और पियाजियो व्हीकल्स पार्टनरशिप के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए एक डेडिकेटेड कोऑर्डिनेशन टीम बनाएंगे जाएंगे। कंपनी ने कहा कि टाई-अप के एफिशिएंट एग्जिक्यूशन और मॉनिटरिंग को सुनिश्चित करने के लिए टीम प्रोडक्ट स्ट्रक्चरिंग, इंटरेस्ट रेट ऑप्टिमाइजेशन, रेस्क्यू अलोकेशन, सेंट्रलाइज्ड कम्युनिकेशन और ट्रेनिंग जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेगी।

अनैतिक व्यवहार पर अंकुश लगाने के लिए ढांचा मजबूत करें बैंक बोर्ड: शक्तिकांत दास

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर शिक्तकांत दास ने बैंकों के बोर्ड से अनैतिक व्यवहार पर अंकुश लगाने के लिए आंतरिक कामकाज के ढांचे को मजबूत करने को कहा। आरबीआई गवर्नर ने यह भी कहा कि बैंक कर्मचारियों के लिए प्रोत्साहनों को सावधानीपूर्वक तय करना चाहिए, ताकि उन्हें अनैतिक व्यवहार में शामिल होने के लिए प्रोत्साहन न मिले।आरबीआई गवर्नर ने मुंबई आयोजित निजी क्षेत्र के बैंकों के निदेशक मंडल के सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। शक्तिकांत दास ने बैंकों के निदेशक मंडल के सदस्यों से अनैतिक गतिविधियों जैसे उत्पादों की गलत बिक्री या उचित केवाईसी (अपने ग्राहक को जानिए)

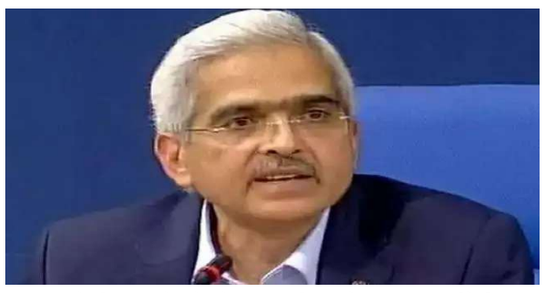

सत्यापन के बिना खाते खोलने पर अंकुश लगाने के लिए आंतरिक संचालन ढांचे को मजबूत करने को कहा। शक्तिकांत दास ने निजी क्षेत्र के बैंकों के निदेशकों के सम्मेलन में कहा कि ऐसी प्रथाओं से अल्पकालिक लाभ हो सकता है लेकिन आखिर में इनसे बैंकों के प्रतिष्ठा को नुकसान, पर्यवेक्षी जांच और वित्तीय दंड जैसे महत्वपूर्ण दीर्घकालिक जोखिमों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय बैंकिंग क्षेत्र ऐसे दौर में है, जो अवसरों के साथ ही जोखिमों और चुनौतियों से भरा है। दास ने कहा कि पिछले साल मई में हमारी बैठक के बाद से सभी वित्तीय संकेतकों में सुधार हुआ है, जो बैंकिंग क्षेत्र के विभिन्न प्रतिभागियों के प्रयासों को दर्शाता है। दास ने कहा कि प्रौद्योगिकी के बढ़ते चलन के साथ ही संगठनों को उल्लेखनीय चुनौतियों और जोखिमों से जूझना पड़ रहा है। आरबीआई गवर्नर ने बैंकिंग प्रणाली की जुझारू क्षमता को बरकरार रखने के लिए मजबूत बुनियादी बातों का लाभ उठाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आखिरकार अच्छा समय जुझारू क्षमता को मजबूत करने और स्थायी रूप से बढ़ने का सबसे बेहतर समय होता है।

लोगों को जागरूक करने को सीबीआईसी ने अपनाया अनोखा अंदाज

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के भारत मंडपम में आयोजित 43वें भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) का पवेलियन आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। वित्त मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले सीबीआईसी ने आगंतुकों को आकर्षित करने और उन्हें वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) और सीमा शुल्क के बारे में जागरूक करने के लिए अनोखे तरीके अपनाए हैं। हॉल नंबर तीन में आयोजित बोर्ड के पवेलियन में जादूगर के करतब और नुकड़ नाटक देखने को मिले। बोर्ड के पवेलियन में सोमवार को एक जादूगर जब अपना करतब दिखा रहा था, तो उस समय दर्शकों की काफी भीड़ देखने को मिली। नुकड़ नाटक में भाग लेने वाले कलाकार बेहद ही सरल तरीके से लोगों को जीएसटी के बारे में जानकारी दे रहे।

शेयर बाजार के मार्केट कैप में 11 महीने के निचले स्तर पर आई पीएसयू की हिस्सेदारी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में अक्टूबर के महीने से ही जारी बिकवाली के कारण सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के मार्केट कैप में जबरदस्त गिरावट आ गई है। इस गिरावट की वजह से शेयर बाजार के टोटल मार्केट कैप में सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों की हिस्सेदारी घटकर पिछले 11 महीने के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। फिलहाल, शेयर बाजार में लिस्टेड कंपनियों के टोटल मार्केट कैप में सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों की हिस्सेदारी घट कर 15.34 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई है, जो पिछले साल दिसंबर के बाद से अभी तक का सबसे निचला स्तर है। इस साल मई के महीने में शेयर बाजार के टोटल मार्केट कैप में सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों की हिस्सेदारी बढ़ कर 17.77 प्रतिशत हो गई थी, जो पिछले 7 साल का सबसे ऊंचा स्तर था। फिलहाल शेयर मार्केट में लिस्टेड 103 सार्वजनिक

क्षेत्र की कंपनियों का टोटल मार्केट कैप 66.06 लाख करोड़ रुपये है। रुपये के संदर्भ में इन पीएसयू कंपनियों का सबसे अधिक मार्केट कैप इस साल जुलाई के महीने में था, जब इन सभी कंपनियों का कुल मार्केट कैप 81.38 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया था। लेकिन अक्टूबर के महीने में हुई जोरदार गिरावट के कारण सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां के टोटल मार्केट कैप में ऑल टाइम हाई लेवल से 15.32 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आ चुकी है। बीएसई के पीएसयू इंडेक्स की अगर बात करें तो ये सूचकांक रिकॉर्ड हाई लेवल से 17.54 प्रतिशत गिर चुका है। ये स्थिति तब है, जब सेंसेक्स और निफ्टी रिकॉर्ड हाई से 10 प्रतिशत से थोड़ा अधिक टूटे हैं। सार्वजनिक क्षेत्र की 103 लिस्टेड कंपनियां में से 5 कंपनियों के शेयर अपने सर्वोच्च स्तर से 50 प्रतिशत से अधिक लुढ़क चुके हैं। इन कंपनियों में महानगर टेलीफोन निगम (सर्वोच्च स्तर से 57 प्रतिशत की गिरावट), कोचीन शिपयार्ड (सर्वोच्च स्तर से 56 प्रतिशत की गिरावट), चेन्नई पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (सर्वोच्च स्तर से 55 प्रतिशत की गिरावट) गार्डन रीच शिप बिल्डर्स और इंडसइंड बैंक हाउसिंग (सर्वोच्च स्तर से 50-50 प्रतिशत की गिरावट) के नाम शामिल हैं।

इन कंपनियों के अलावा सार्वजनिक क्षेत्र की 21 कंपनियों के शेयर सर्वोच्च स्तर से 40 से 49 प्रतिशत तक टूट चुके हैं, जबकि सार्वजनिक क्षेत्र की 40 कंपनियों के शेयर में 30 से 40 प्रतिशत और 24 कंपनियों के शेयर में 20 से 30 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। 13 कंपनियों के शेयर में सर्वोच्च स्तर से 5 से 20 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई है।

जीएसटी परिषद की 55वीं बैठक 21 दिसंबर को राजस्थान के जैसलमेर में होगी

एजेंसी

नई दिल्ली। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की 55वीं बैठक 21 दिसंबर को राजस्थान के जैसलमेर में आयोजित होगी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में होने वाली जीएसटी परिषद की बैठक में कई वस्तुओं के टैक्स स्लैब में बदलाव होने की उम्मीद है। जीएसटी परिषद ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी परिषद की 55वीं बैठक 21 दिसंबर को राजस्थान के जैसलमेर में होगी। इस बैठक में सीतारमण के साथ राज्यों के वित्त मंत्री भी शामिल होंगे। दरअसल, पहले यह बैठक नवंबर के पहले हफ्ते में होने वाली थी, जो दिसंबर में होने जा रही है। इस बैठक में राज्यों के वित्त मंत्री अगले वित्त वर्ष 2025-26 के बजट से जुड़े अपने सुझाव भी पेश करेंगे, जो कि 1 फरवरी, 2025 को संसद में प्रस्तुत किया जाएगा। जानकारों के मुताबिक जीएसटी परिषद की 21 दिसंबर को

GOODS AND SERVICES TAX COUNCIL

आयोजित होने वाली 55वीं बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसले हो सकते हैं, जिनमें सबसे प्रमुख टर्म लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी के प्रीमियम पर जीएसटी से छूट का प्रस्ताव है। इस पर राज्यों के मंत्रियों की एक समिति अपनी रिपोर्ट पेश कर चुकी है। अक्टूबर, 2024 में हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस पर गठित मंत्रियों के समूह (जीओएम) ने टर्म लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी के प्रीमियम को जीएसटी से बाहर करने पर अपनी सहमति जताई थी। इसके अलावा वरिष्ठ नागरिकों के हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम पर भी जीएसटी से छूट देने का प्रस्ताव भी पारित हो सकता है।

जीएसटी परिषद की इस बैठक में यह संभावना है कि 5 लाख रुपये तक के हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम को जीएसटी से छूट दी जा सकती है। हालांकि, 5 लाख रुपये से अधिक कवर वाली पॉलिसी के प्रीमियम पर जीएसटी जारी रहेगा। इससे हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस के बाजार को प्रोत्साहन मिल सकता है, खासकर उन लोगों के लिए जिनके पास कम से कम स्वास्थ्य जीवन बीमा कवर है।

शेयर बाजार में गिरावट का दौर जारी, लाल निशान में बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में गिरावट का दौर आज भी जारी रहा। कारोबारी सप्ताह के पहले दिन शेयर बाजार मजबूती के साथ खुलने में सफल रहा, लेकिन कुछ मिनट बाद ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने सारी बढ़त गंवा कर लाल निशान में गोता लगा दिया। आज दोपहर 11 बजे तक लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना कर स्टॉक मार्केट को संभालने की कोशिश भी की, लेकिन बिकवाली के दबाव की वजह से दोनों सूचकांक लगातार लाल निशान में ही कारोबार करते रहे। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.31 प्रतिशत और निफ्टी 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए।आज दिनभर के कारोबार के दौरान मेटल, ऑटोमोबाइल और रियल्टी सेक्टर में खरीदारी होती रही। इसके अलावा बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल और एफएमसीजी इंडेक्स बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर आईटी, ऑयल एंड गैस, हेल्थ केयर, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.17 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.69 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब डेढ़ लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 429.13 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 430.60 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.47 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,224 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,613 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,484 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 127 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,504 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 941 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,563 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 13 शेयर बढ़त के साथ और 17 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 21 शेयर हरे निशान में और 29 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 283.23 अंक की मजबूती के साथ 77,863.54 अंक के स्तर पर खुला। बाजार खुलते ही ये सूचकांक उछल कर 77,886.97 अंक तक पहुंच गया, लेकिन इसके बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के दबाव की वजह से ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 900 अंक से अधिक लुढ़क कर 615.25 अंक की कमजोरी के साथ 76,965.06 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की स्थिति में सुधार होने लगा। हालांकि बाजार में पूरे दिन बिकवाल हावी बने रहे, जिसके कारण ये सूचकांक ज्यादातर समय लाल निशान में ही कारोबार करता रहा। पूरे दिन हुई खरीद बिक्री के बाद सेंसेक्स 241.30 अंक की कमजोरी के साथ 77,339.01 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 72.60 अंक की बढ़त के साथ 23,605.30 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के कुछ मिनट बाद ही बिकवाली के दबाव में ये सूचकांक लाल निशान में गिर गया।

सर्दी की डाइट में शामिल करें ये चीजें, शरीर रहेगा अंदर से गर्म

सर्दी के दिनों में जितना जरूरी है कि बाहरी ठंड से बचने के लिए गर्म कपड़े पहने जाएं, उतना ही जरूरी है कि हेल्दी रहने के लिए शरीर को अंदर से गर्म रखा जाए. इसके लिए गर्म तासीर वाले इन फूड्स को अपनी डाइट में शामिल करें.

सर्दियों में धूप कम निकलने और टेम्पेचर काफी कम हो जाने की वजह से जुकाम, बदन दर्द, खांसी, खराश जैसी दिक्कत होना काफी सामान्य होता है. इससे बचने के लिए न सिर्फ गर्म कपड़े पहनना जरूरी है, बल्कि ऐसी चीजों का सेवन करना चाहिए जो ठंड से आपका बचाव करें. गर्म तासीर के कुछ ऐसे फूड्स हैं जो न सिर्फ आपके शरीर को अंदर से गर्म रखने में मदद करेंगे, बल्कि ये पोषक तत्वों से भरपूर होने की वजह से इम्यूनिटी को बूस्ट करने में सहायक हैं, जिससे वायरल समस्याओं से बचाव होता है.

मौसम कोई भी हो अगर डाइट न्यूट्रिशन से भरपूर हो तो हेल्दी और फिट रहा जा सकता है. हालांकि बस मौसम का तापमान ध्यान में रखते हुए गर्म या ठंडी तासीर की चीजें डाइट में शामिल करने की जरूरत होती है. तो चलिए जान लेते हैं ऐसे कौन से फूड्स हैं जो आपको सर्दी में गर्म रखने में मदद करेंगे.

नट्स और ड्राई फ्रूट्स

सर्दी के दिनों में अपनी डाइट में बादाम और अंजीर को शामिल करें. ये दोनों ही चीजें न्यूट्रिएंट्स का बढ़िया सोर्स हैं और इनकी तासीर भी गर्म है. इससे इम्यूनिटी बूस्ट होने के साथ ही शरीर को अंदर से गर्माहट मिलेगी. इसके अलावा मसल्स के दर्द से राहत के साथ ही पाचन का सही रहना, वेट मेंटेन रहना जैसे कई फायदे भी मिलेंगे.

अलसी के बीज का करें सेवन

सर्दी के दिनों में अपनी डाइट में अलसी के बीजों को शामिल करें. रोजाना रोस्ट किए हुए आधा या एक चम्मच अलसी के बीज खाए जा सकते है या फिर अलसी के लड्डू बनाकर रख लें और रोजाना एक लड्डू का सेवन करें. प्रेग्नेंट महिलाओं को इसे खाने से बचना चाहिए.

सर्दी में गुड़ है बढ़िया

शरीर को अंदर से गर्म रखने के लिए अपनी डाइट में चीनी को कम करें और उसकी जगह गुड़ को सीमित मात्रा में अपनी डाइट में शामिल करें. रोजाना अगर थोड़ा सा गुड़ खाया जाए तो इससे जुकाम-खांसी से बचाव होने के साथ ही पाचन को काफी फायदा मिलता है और शरीर में खून बनाने में भी मदद मिलती है. इसमें विटामिन सी भी थोड़ी होता है जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है.

तिल का करें सेवन

सर्दी के दिनों में लोग तिल की गजक, लड्डू खूब खाते हैं और ये काफी फायदेमंद भी है. आप तिल को रोस्ट करके भी खा सकते हैं. ये कैल्शियम प्रोटीन का अच्छा सोर्स है. हालांकि जिन लोगों को यूरिक एसिड की समस्या है, उन्हें तिल को सीमित मात्रा में खाना चाहिए और रोस्ट करने की बजाय भिगोकर खाना ज्यादा सही माना जाता है.

ये साग करें डाइट में शामिल

सर्दी के दिनों में मेथी, चौलाई और सरसों का साग अपनी डाइट में शामिल करें. ये तीनों साग खाने में तो स्वादिष्ट लगते ही हैं, इसके अलावा इनकी गर्म तासीर शरीर को अंदर से गर्माहट देती है और न्यूट्रिशनल वैल्यू इम्यूनिटी बूस्ट करके हेल्दी रखती है. साग में ज्यादा तेल मसाले का यूज भी नहीं होता है, इसलिए फिटनेस के लिहाज से भी ये फायदेमंद है.

भारत की पारंपरिक चिकित्सा को प्रोत्साहन देने की मांग

भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धति जैसे कि आयुर्वेद और योग दूसरी पद्धतियों के मुकाबले सस्ती एवं सुगम हैं। इसके लिए ज्यादा इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरूरत नहीं पड़ती। मौजूदा स्वास्थ्य ढांचे के जरिये ही इन्हें भी लागू किया जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा हाल ही में पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में शामिल करने की मांग वाली एक याचिका पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा गया था। यह मांग बिल्कुल प्रासंगिक एवं भारत के पारंपरिक चिकित्सा को प्रोत्साहन देने का सराहनीय प्रयास है। ऐसा करने से एक बड़ी आबादी को सस्ती एवं अचूक स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा। आज जबकि देश में लाइफ़स्टाइल से जुड़ी बीमारियां तेज़ी से बढ़ रही हैं, जैसे-जैसे चिकित्सा-विज्ञान का विकास हो रहा है, नयी-नयी बीमारियां एवं उनका महंगा इलाज बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। इसलिये पारंपरिक चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद पर भरोसा और दुनिया में इसकी मांग, दोनों में इज़ाफ़ा हुआ है। सरकार को पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को पूरी दुनिया में ज्यादा स्वीकार्य बनाने के लिए काम करते हुए एक अभिनव स्वास्थ्य क्रांति का सूत्रपात करना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत की समृद्ध एवं शक्तिशाली परम्पराओं यानी योग, आयुर्वेद आदि को बल दे रहे हैं। वे आधुनिक चिकित्सा को सस्ता एवं जनसुलभ बनाने के लिये भी योजनाएं ला रहे हैं। इन्हीं सन्दर्भों में सुप्रीम कोर्ट में पिछले दिनों दायर इस याचिका में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को शामिल करने की मांग समयोचित एवं सूझबूझभरा प्रयास है। ऐसा करने से जहां एक बड़ी आबादी को सस्ती स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सकेगी, वहीं पारंपरिक चिकित्सा को भी बढ़ावा मिलेगा।भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धति जैसे कि आयुर्वेद और योग दूसरी पद्धतियों के मुकाबले सस्ती एवं सुगम हैं। इसके लिए ज्यादा इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरूरत नहीं पड़ती। मौजूदा स्वास्थ्य ढांचे के जरिये ही इन्हें भी लागू किया जा सकता है। इससे न सरकार पर ज्यादा बोझ आएगा और न जनता पर, बल्कि स्वास्थ्य बीमा का विस्तार होने से देश की कुल चिकित्सा लागत में कमी ही आएगी। हालांकि यह मामला ऐसा नहीं है, जिस पर सरकार को फैसला लेने में बहुत दिक्कत हो। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना या आयुष्मान भारत दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना है। लगभग 55 करोड़ लोग इसके दायरे में आते हैं। लेकिन एक बड़ी आबादी अब भी इसके लाभ से छूटी हुई है। पारंपरिक चिकित्सा और भी लोगों को जोड़ सकती है। इसको तेजी से विकसित कर व्यक्ति-व्यक्ति एवं घर-घर पहुंचाया जा सकता है। पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को पूरी दुनिया में ज्यादा स्वीकार्य बनाने के लिए सरकार ने काम शुरु कर दिया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ मिलकर यह भी देखा जा रहा है कि किस तरह से भारत का पारंपरिक ज्ञान दुनिया को सेहतमंद रखने में योगदान दे सकता है। इस दिशा में रिसर्च और इनोवेशन पर ध्यान दिया जा रहा है। याचिका में उठाई गई मांग को पूरा करके सरकार अपने काम को ही आगे बढ़ाएगी एवं दुनिया के लिये एक स्वास्थ्य उजाला करेगी।दुनिया में आयुर्वेद एवं योग दोनों की मांग बढ़ रही है। बाजार की दृष्टि से देखें, तो इसकी ग्रोथ रेट 15 प्रतिशत से अधिक है। साल 2014 में आयुष का मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर 2.85 बिलियन अमेरिकी डॉलर था, जो 2020 में बढ़कर 18 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। अमेरिका और यूरोप समेत 100 से अधिक देशों में भारत के हर्बल प्रॉडक्ट एवं आयुर्वेद इलाज पहुंच रहा है। आयुष्मान भारत के तहत इसे लाने से इसमें और तेजी आएगी। मांग बढ़ेगी तो जाहिर है कि उत्पादन भी बढ़ाना होगा। इससे इस क्षेत्र में रोजगार के मौके बनेंगे, आर्थिक प्रगति होगी। भारत के आयुर्वेद का दुनिया बाजार बनेगी। इससे निश्चित ही भारत के दुनिया की तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने को बल मिलेगा। आयुर्वेद को दुनिया भर में स्वीकृत सबसे पुरानी पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों में से एक माना जाता है। आयुर्वेद में, पौधों, खनिजों, पशुओं से प्राप्त उत्पादों, आहार, व्यायाम, संयमित जीवनशैली और प्राकृतिक जीवन को शामिल किया जाता है। आयुर्वेद की शुरुआती अवधारणाएं अथर्ववेद में बताई गई हैं। इस पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली में प्राचीन ज्ञान का अभी भी पूरी तरह से पता नहीं लगाया गया है। विभिन्न पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों के समृद्ध ज्ञान के संगम से हर्बल दवा खोज प्रक्रिया में नए रास्ते खुल सकते हैं। इन प्रणालियों के सैद्धांतिक सिद्धांतों के बीच अंतर और समानता की समझ की कमी, पौधों पर आधारित दवाओं की खोज में अन्य बाधाओं के अलावा उनके अभिसरण की दिशा में सबसे बड़ी बाधा है। इस समीक्षा का उद्देश्य आयुर्वेद के सदियों पुराने इतिहास और बुनियादी सिद्धांतों को सामने लाना है। इससे नवोदित विद्वानों, शोधकर्ताओं और चिकित्सकों को पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों की गहरी समझ हासिल करने, समानताओं को मजबूत करने और ऐसी औषधीय प्रणालियों की वैश्विक स्वीकृति और सामंजस्य की चुनौतियों को दूर करने में मदद मिलेगी।

आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति सदियों से आज तक जीवित और समृद्ध रही है। इस प्रकृति आधारित चिकित्सा के विशाल ज्ञान, मानव शरीर की संरचना और प्रकृति के साथ कार्य करने के संबंध और ब्रह्मांड के तत्व में समन्वय में कार्य करते हैं और जीवित प्राणियों को प्रभावित करते हैं, के साथ यह प्रणाली आने वाले युगों में भी समृद्ध होने की संभावनाओं को ही उजागर कर रही है। शोधकर्ताओं, चिकित्सकों और क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा अभी भी कई रास्ते तलाशे जाने बाकी हैं ताकि इस ज्यादा सुरक्षित, कारगर एवं कम खर्चीली पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली को जीवंत बनाकर स्वास्थ्य की चुनौतियों को कमतर किया जा सके। फोर्ब्स की एक रिपोर्ट कहती है कि भारत में से हर साल लगभग 58 लाख लोगों की मौत होती है। इनसे बचाव में पारंपरिक चिकित्सा पद्धति कारगर साबित हो सकती है। केंद्र ने कुछ अरसा पहले ही प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में 70 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों को भी शामिल करने की मंजूरी दी थी। पारंपरिक चिकित्सा बढ़ती बुजुर्ग आबादी की जरूरतों को भी बेहतर तरीके से पूरा कर सकती है। आयुर्वेद दवाओं के साथ-साथ असाध्य बीमारियों को दूर करने में सहज, प्रकृतिमय और चिन्तामुक्त जीवन, शुद्ध वातावरण, शुद्ध हवा-पानी, सात्विक-संतुलित आहार और भरपूर मेहनत को बल दिया जाता है। महानगरों की भाग-दौड़ भरी जिन्दगी में आदमी मात्र मशीन बनकर रह गया है। अपने स्वास्थ्य के बारे सोचने एवं समझने का समय भी उसके पास नहीं है। विकास की तीव्र गति से उपजी अति तनावपूर्ण जीवनशैली एवं प्रतिस्पर्धाओं ने चिन्ता एवं तनावों को जन्म दिया है, जो आधुनिक बीमारियों को बढ़ाते हैं।

अनेक अनुसंधान एवं शोध में बताया गया है कि ध्यान एवं योग करने वाले व्यक्तियों की मनोविज्ञान में असाधारण रूप से परिवर्तन होता है। ऐसे व्यक्तियों में घबराहट, उत्तेजना, मानसिक तनाव, उग्रता, मनोकायिक बीमारियां, स्वार्थपरता और विकारों में कमी पाई गयी हैं तथा आत्मविश्वास, सहनशक्ति, स्थिरता, कार्यदक्षता, विनोदप्रियता, एकाग्रता आदि गुणों में वृद्धि देखी गयी है। ये ध्यान-साधना एवं योग में प्रत्यक्ष लाभ अनुभूत किये गये हैं जो तरह-तरह की बीमारियों पर नियंत्रण का सशक्त माध्यम है। इसीलिये आधुनिक बीमारियों को परास्त करने के लिये इन गुणों युक्त जीवनशैली को अपनाया जाना चाहिए। सम्पूर्ण आस्था एवं विश्वास के साथ जीवनरूपी प्रयोगशाला में इसे प्रायोगिक रूप देकर जीवन में तरह-तरह की बीमारी रूपी-राक्षस को निस्तेज करके जीवन में आनन्द का अवतरण किया जा सकता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि शारीरिक निष्क्रियता भी बीमारियों की जड़ है। शारीरिक गतिविधि जैसे नियमित रूप से योग-व्यायाम और खेलकूद से वजन को नियंत्रित किया जा सकता है और इससे ब्लड शुगर के स्तर को कंट्रोल में रखा जा सकता है। योग एवं आयुर्वेद में आशावादी दृष्टिकोण एवं आहार संयम को अपनाने की बात की जाती है। किसी भी बीमारी से लड़ने के लिये संकल्प जगाने एवं प्रमाद त्यागने पर बल दिया जाता है। संतुलित जीवन जीने एवं तनावों-दबावों को अपने पर हावी न होने देने के साथ आयुर्वेद दवाओं को उपयोग में लाया जाता है, जिससे बीमारी पर नियंत्रण करने का प्रभावी असर देखने को मिलता है। सोचो, जिन्दगी मात्र जीने के लिये नहीं, स्वस्थता एवं सरसता से जीने के लिये हैं और योग-आयुर्वेद उसका अचूक उपाय है। आयुर्वेद एवं योग रूपी जीवनशैली, इच्छाशक्ति, योग-साधना और स्वस्थ आहार आदतों से तरह-तरह की बीमारियों को रोका जा सकता है।

संपादकीय

सुलगता मणिपुर, बेपरवाह सरकार

पिछले तकरीबन दो वर्षों से जातीय संघर्षों एवं उसके कारण उपजी हिंसा से मणिपुर धधक रहा है। भारतीय जनता पार्टी की केन्द्र एवं राज्य की सरकारों की लापरवाही और कुप्रशासन से हालात ठीक होने का नाम ही नहीं ले रहे हैं। वहां दिन ब दिन स्थिति नाजुक हो रही है। दो समुदायों (कुकी व मैतेई) के बीच तकरीबन रोज कहीं न कहीं सशस्त्र मुठभेड़ों के समाचार मिल रहे हैं। अब तो केन्द्रीय आरक्षित पुलिस बल (सीआरपीएफ) के कैंपों पर भी हमले हो रहे हैं जो अधिक चिंताजनक हैं। हालत की गम्भीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मौजूदा हिंसा के बाद केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह विदर्भ की अपनी चुनावी रैलियां छोड़कर दिल्ली लौट गये।उन्होंने सीआरपीएफ के महानिदेशक अनीश दयाल को मणिपुर की राजधानी इम्फाल रवाना किया है ताकि वे मौके पर बैठकर हिंसा पर अंकुश लगाने सम्बन्धी कार्रवाइयों को निर्देशित कर सकें। हिंसा की नयी वारदात के मद्देनज़र राज्य के छह जिलों में कर्फ्यू लगा दिया गया है। इंटरनेट भी बन्द है। इसे देखते हुए इम्फाल में सेना तथा असम राइफल्स की ज्यादा टुकड़ियां तैनात कर दी गयी हैं। इम्फाल पूर्व, इम्फाल पश्चिम, बिष्णुपुर, थौबल और कचिंग जिलों में प्रतिबन्ध लगाये गये हैं क्योंकि उनमें हिंसा का उद्रेक ज्यादा है।

मणिपुर के जिरीबाम जिले में बहने वाली बारक नदी में शनिवार को 6 शव मिले। इनमें दो महिलाओं और एक बच्चे के मृत शरीर हैं। ये सोमवार से लापता थे। माना जाता है कि इनकी हत्या हुई है। इसके कारण राज्य में तनाव बढ़ गया है। शवों को पोस्ट मार्टम के लिये असम के सिलचर के शासकीय अस्पताल में भेजा गया है। शनिवार को ही राजधानी में तीन मंत्रियों एवं 6 विधायकों के घरों में उपद्रवकारियों ने तोड़-फोड़ की। स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्री सापम रंजन (पश्चिम इम्फाल का लम्पेल संकेइथेल क्षेत्र), पीडीएस मंत्री एल. सुसींद्रो सिंह (इम्फाल पूर्व), शहरी विकास मंत्री वाई खेमचंद (इम्फाल पश्चिम के सिंगजमई) आदि के मकान हिंसक भीड़ के निशाने बने। इनमें मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के दामाद आर के इमो का भी आवास शामिल है। एक बड़ी भीड़ सचिवालय की ओर भी बढ़ रही थी जिसे तितर-बितर करने के लिये सुरक्षा बलों ने आंसू गैस के गोले छोड़े।विधानसभा के निकट थंगमेईबंद में प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर टायर जलाये। प्रदेश सरकार के निकम्मेपन और नाकामी का आलम यह है कि खुद उनके मंत्री व्यथित हो चले हैं। सापम रंजन ने प्रदर्शनकारियों से कहा कि वे छह लोगों की हत्या का मामला केबिनेट में उठायेंगे और यदि सरकार ने लोगों की भावनाओं का सम्मान नहीं किया तो वे मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे देंगे। मानवाधिकार संगठनों की समन्वय समिति ने राज्य में उग्रवाद को नेस्तनाबूद करने के लिये 24 घंटों के भीतर सैन्य कार्रवाई की मांग की तो वहीं दूसरी ओर सशस्त्र बल विशेष शक्तियां अधिनियम (अफ्सा) को तत्काल रद्द करने की भी मांग दोहराई।राज्य में हिंसा इस कदर बढ़ गयी है कि सीआरपीएफ कैंपों पर भी हमले हो रहे हैं। उल्लेखनीय है

कि 11 नवम्बर को सीआरपीएफ ने एक मुठभेड़ में 11 कुकी उग्रवादियों को मार गिराया था। इसकी नाराजगी के चलते भी उग्रवादी संगठन पुलिस एवं सुरक्षा बलों, खासकर सीआरपीएफ को निशाना बना रहे हैं। केन्द्र-राज्य सरकार दरअसल अब भी इस क्षेत्र में कुकी एवं मैतेई समुदायों के बीच सुलह कराने और उनसे संवाद करने में कोई रुचि नहीं दिखा रही है। सच तो यह है कि अपने राजनीतिक फायदे के लिये भाजपा इस संघर्षों को न केवल चलने देने में दिलचस्पी रखती है बल्कि उसे हवा भी दे रही है। कुकी ईसाइयत में तो वहीं मैतेई समुदाय हिन्दू मान्यताओं में यकीन रखता है। याद हो कि 2023 की मई में मणिपुर के एक इलाके में दो कुकी युवतियों को नग्न कर परेड के वीडियो सामने आये थे। इससे भारत समेत दुनिया भर में नाराज़गी फैली थी। कई देशों में यह मामला उठा था लेकिन मोदी, शाह या भाजपा के किसी नेता ने इस पर एक लफ्ज़ तक नहीं कहा था। न ही संसद में इस पर चर्चा की गयी। देश की धर्मनिरपेक्ष छवि की कीमत पर भी मोदी-शाह चुप्पी साधे रहे और इसे अपनी ध्रुवीकरण की राजनीति का उपकरण बनाया था। इसी के चलते हालात यहां तक पहुंचे हैं।

श्रीलंका में वामपंथी गठबंधन की शानदार जीत दक्षिण एशिया में एक बड़ी घटना

दिसानायके, जिनकी जेवीपी ने 1970 और 1980 के दशक में सत्तारूढ़ श्रीलंका सरकार के खिलाफ खूनी सशस्त्र विद्रोह का नेतृत्व किया था, ने भ्रष्टाचार से लड़ने और दक्षिण एशियाई राष्ट्र के वित्त को मजबूत करने के लिए%वैकल्पिक साधनों% की तलाश करने का संकल्प लिया है, जो गरीबों पर कम बोझ डालते हैं। उन्होंने श्रीलंका में मितव्ययिता उपायों और आवश्यक वस्तुओं की भारी कमी के खिलाफ 2022 के बड़े पैमाने पर विद्रोह में प्रमुख भूमिका निभाई।श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा दिसानायके ने रविवार, 14 नवंबर को संसद के लिए हुए चुनावों में भारी जीत के साथ 21 दलों के अपने वामपंथी गठबंधन नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) को द्वीप राष्ट्र में सत्ता में ला खड़ा किया है।एनपीपी की जीत मार्क्सवादी राष्ट्रपति अनुरा दिसानायके के लिए व्यक्तिगत जीत है, जिन्होंने इस साल सितंबर में ऐतिहासिक राष्ट्रपति चुनाव में राष्ट्रपति के रूप में अपने चुनाव के तुरंत बाद संसद को भंग करने और 14 नवंबर को नये चुनाव कराने की घोषणा की थी। 55 वर्षीय दिसानायके श्रीलंकाई लोगों के चुनावी व्यवहार में बदलाव के मूड का सही आकलन कर सकते थे, क्योंकि वे दशकों से देश पर शासन करने वाले वंशवादी राजनीतिक दलों से थक चुके थे। निवर्तमान संसद में, एनपीपी के पास कुल 225 में से केवल तीन सीटें थीं, लेकिन फिर भी, राष्ट्रपति अनुरा दिसानायके ने एक नया जनादेश मांगने का जोखिम उठाया।

दिसानायके, जिनकी जेवीपी ने 1970 और 1980 के दशक में सत्तारूढ़ श्रीलंका सरकार के खिलाफ खूनी सशस्त्र विद्रोह का नेतृत्व किया था, ने भ्रष्टाचार से लड़ने और दक्षिण एशियाई राष्ट्र के वित्त को मजबूत करने के लिए%वैकल्पिक साधनों' की तलाश करने का संकल्प लिया है, जो गरीबों पर कम बोझ डालते हैं। उन्होंने श्रीलंका में मितव्ययिता उपायों और आवश्यक वस्तुओं की भारी कमी के खिलाफ 2022 के बड़े पैमाने पर विद्रोह में प्रमुख भूमिका निभाई। इसके कारण तत्कालीन राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे को इस्तीफा देना पड़ा। उनकी जगह रानिल विक्रमसिंघे को नियुक्त किया गया, जो बीमार अर्थव्यवस्था की देखभाल करने में अपनी विफलता के कारण अलोकप्रिय रहे।दिसानायके की पार्टी जेवीपी ने तत्कालीन श्रीलंकाई सरकारों के खिलाफ दो बार हथियार संघर्ष का सहारा लिया था, लेकिन पिछले दशक में इसने अपना रुख बदल लिया और संसदीय लोकतंत्र के माध्यम से काम करने वाले राजनीतिक गठबंधन में तब्दील हो गई। संसद में आरामदायक बहुमत राष्ट्रपति दिसानायके को बिना किसी बाधा के अपने प्रस्तावित कार्यक्रमों को लागू करने में आगे बढ़ने का मौका देगा।श्रीलंका के लोगों का मूड बदलाव के लिए है और वे राष्ट्रपति और उनके गठबंधन एनपीपी को उस बदलाव का अगुआ मानते हैं। राष्ट्रपति दिसानायके यह जानते हैं। श्रीलंका के लोगों को उनके प्रशासन से बहुत उम्मीदें हैं। अब उनके पास बहुमत है, वे अपनी मर्जी से सुधारों को लागू कर सकते हैं, बहानेबाजी की कोई गुंजाइश नहीं है। विपक्ष के नेता के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान अनुरा दिसानायके ने स्थिरता के लिए आईएमएफ की नीतियों की कड़ी आलोचना की थी। लेकिन राष्ट्रपति बनने के बाद उन्होंने कार्यक्रम को स्वीकार कर लिया है। हालांकि वे आबादी के सबसे गरीब तबके पर इसके प्रतिकूल प्रभाव को कम करने की संभावनाओं पर विचार कर रहे हैं। एनपीपी कार्यक्रम में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योगों को पुनर्गठित करने और कुछ निजी क्षेत्र की कंपनियों के संचालन की निगरानी करने की बड़ी योजनाएं हैं, जो पहले जांच के दायरे में थीं।श्रीलंका भले ही आर्थिक संकट में हो, लेकिन लोगों का जीवन स्तर भारत और अन्य दक्षिण एशियाई देशों की तुलना में बहुत ऊंचा है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा कई रिपोर्टों में शिक्षा के स्तर और महिला सशक्तिकरण की प्रशंसा की गई है। मुद्दे हैं प्रशासन के उच्च स्तर पर भ्रष्टाचार, जिसमें पहले के शासक परिवार शामिल हैं, और कुछ आवश्यक वस्तुओं के वितरण में समस्याएं।हाल के वर्षों में श्रमिकों और कम वेतन वाले श्रीलंकाई लोगों की वास्तविक आय में गिरावट आई है। बेरोजगारी भी अचानक बढ़ गई है जबकि अन्य दक्षिण एशियाई देशों की तरह श्रीलंका में भी आर्थिक वृद्धि हुई है। यदि एनपीपी अध्यक्ष एनपीपी कार्यक्रम के अनुसार अर्थव्यवस्था और सामाजिक जीवन में बुनियादी बदलाव लाना चाहते हैं, तो दिसानायके सरकार को अगले एक साल में श्रीलंकाई नागरिकों की संतुष्टि के लिए इन ज्वलंत मुद्दों से निपटना होगा।

रास्ता कठिन है, लेकिन दिसानायके के पास बहुमत की सुविधा है।श्रीलंका को चीन और भारत दोनों की जरूरत है। हालांकि एक मार्क्सवादी के रूप में, दिसानायके अपनी विदेश नीति के दृष्टिकोण से भारत की तुलना में चीन के प्रति अधिक मैत्रीपूर्ण रहेंगे, लेकिन एक व्यावहारिक होने के नाते, उनसे चीनी दबाव के आगे बहुत अधिक झुकने की उम्मीद नहीं है। उम्मीद है कि वे वियतनाम के उदाहरण का अनुसरण करते हुए चीन और अमेरिका दोनों के साथ व्यापारिक संबंध बनाये रखते हुए केवल देश के हित में काम करेंगे। वियतनाम को दक्षिण चीन सागर के पानी में चीनी राष्ट्रवादी महत्वाकांक्षाओं को जानने का अच्छा अनुभव है, जिसमें आधिकारिक तौर पर वियतनाम के क्षेत्र शामिल हैं। इस तरह से दिसानायके से उम्मीद की जाती है कि वे खुद मार्क्सवादी होने के बावजूद शी जिनपिंग के नेतृत्व में चीन से निपटने में सतर्क रहेंगे।

भारत के संबंध में, यह सब इस बात पर निर्भर करता है कि भारत नई सरकार के साथ अपने संबंधों को कैसे आगे बढ़ाता है। भारत ने 2022 के संकट के दौरान और बाद में पिछले दो वर्षों में कोलंबो की बहुत मदद की है। वामपंथी राष्ट्रपति से भारत के लिए कोई समस्या पैदा करने की उम्मीद नहीं है क्योंकि भारत-श्रीलंका सहयोग कोलंबो को अधिक मदद करता है। लेकिन एक छोटी सी समस्या है। एनपीपी गठबंधन सहयोगियों और जेवीपी सदस्यों में भी भारत विरोधी भावना है। इसका कारण यह है कि प्रधानमंत्री मोदी दक्षिणपंथी पार्टी भाजपा के नेता हैं और वे सार्क सदस्यों में अमेरिका के सबसे करीब हैं। जेवीपी सदस्य आम तौर पर अमेरिका विरोधी हैं और वे भारत के हिंद महासागर में अमेरिकी रणनीति का हिस्सा बनने के खिलाफ हैं।नरेंद्र मोदी को नये श्रीलंकाई राष्ट्रपति से खुले दिमाग से बात करनी चाहिए, यह नहीं सोचना चाहिए कि दिसानायके चीन के प्रति नरम हैं।

चीन के प्रति घृणा को किसी भी दक्षिण एशियाई देश के साथ संबंधों के बारे में भारतीय प्रधानमंत्री के निर्णय को निर्धारित नहीं करना चाहिए। भारत आर्थिक सहयोग के क्षेत्रों का विस्तार करके और अधिक वित्तीय सहायता प्रदान करके श्रीलंका का एक महान मित्र बन सकता है।भारत और नरेंद्र मोदी के लिए, महत्वपूर्ण मुद्दा श्रीलंका में नये राष्ट्रपति के आने के बाद दक्षिण एशियाई देशों के बीच भारत का अलग-थलग पड़ना है। सार्क के आठ देशों - अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भारत, भूटान, पाकिस्तान, मालदीव, नेपाल और श्रीलंका - में से दो देशों का नेतृत्व अब वामपंथी कर रहे हैं- नेपाल और श्रीलंका। बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के साथ भारत के संबंध खराब स्थिति में हैं - सामान्य नहीं। भूटान, नेपाल और मालदीव के साथ संबंध अब पहले के तनाव से मुक्त हैं, लेकिन पूरी तरह से सामान्य नहीं हैं। अब देखना यह है कि कोलंबो में राष्ट्रपति अनुरा दिसानायके और उनकी एनपीपी के सत्ता में आने के बाद आने वाले महीनों में श्रीलंका के साथ संबंध किस तरह से आकार लेते हैं।

हेल्थ का आईना पैर

अगर चेहरा मनुष्य के चरित्र का आईना है, तो आपके पैर स्वास्थ्य का आईना। अरे, यह हम नहीं, बल्कि मेडिकल साइंस कह रहा है। मेडिकल साइंस के अनुसार पैरों से व्यक्ति की सेहत की जानकारी ली जा सकती है।

पैरों से मिलने वाले संकेतों को पहचान कर समय रहते विभिन्न बीमारियों का पता लगाया जा सकता है, इसलिए अगर पैर स्वस्थ रहेंगे तो आप भी स्वस्थ रहेंगे। आइए जानते हैं पैरों के कुछ ऐसे लक्षण जो देते हैं संकेत-

पैरों का ठंडा पड़ना

पैरों का ठंडा पड़ना थॉयराइड के कारण हो सकता है। 40 साल से ज्यादा उम्र की महिलाओं के पैर ठंडे होने का मतलब थॉयराइड ग्लैंड का कम एक्टिव होना है। महिलाओं का बॉडी टेम्प्रेचर पुरुषों की तुलना में कम होता है।

पैरों का फटना

ज्यादातर प्रेग्नेंट महिलाओं को पैर फटने या जलन की शिकायत रहती है। सही तरीके की एक्सरसाइज न करने या शरीर में पानी की कमी से पैर फटते हैं। अगर ऐसा बार-बार होता है तो शरीर में कैल्शियम, पोटेशियम या मैग्नेशियम की कमी हो सकती है। इससे बचने के लिए बैलेंस डाइट लेनी जरूरी है। जहां तक हो सके आप ज्यादा से ज्यादा पानी पीएं।

पदार्थों की कमी बताए नाखून

पैरों के नाखूनों से शरीर में मौजूद पदार्थों की कमी का पता लगाया जा सकता है। कोई भी समस्या अकसर शरीर में किसी कमी की निशानी होती है। नाखूनों का सफेद होना शरीर में कैल्शियम की कमी की निशानी है। पीलापन हीमोग्लोबिन की कमी का संकेत है। ऐसे में नाखून टूटने भी लगते हैं।

सुन्न पड़ना

अगर पैर सुन्न पड़ते हों या सुई चुभने जैसा कुछ अहसास हो तो यह पैरीफेरल नर्वस सिस्टम डैमेज होने का संकेत हो सकता है। डायबिटीज के कारण या ज्यादा नशा करने से ऐसा हो सकता है। थोड़ी-सी लापरवाही भी बड़ा रूप ले सकती है। इसलिए समय रहते ही डॉक्टर से चेकअप करवाएं, ताकि आगे किसी भी परेशानी से बच सकें।

याद रखें

- पैरों को स्वस्थ रखने के लिए प्रॉपर एक्सरसाइज करें।
- ज्यादा से ज्यादा पानी या फ्रूट जूस लें।
- कैल्शियम की कमी होने पर कैल्शियम की गोलियां लें।
- पैरों को प्रॉपर ढंककर रखें।
- नंगे पैर कहीं भी न जाएं।
- पैरों की एड़ियां जैसे ही फटें, उन पर क्रेक क्रीम जरूर लगाएं।

आंख में कैमरा

अभी तक आपने फिल्मों में ऐसे हीरो देखे होंगे, लेकिन यह एक हकीकत है। गोलीकांड में अपनी एक आंख गंवा चुके ब्रिटिश फिल्म निर्माता रॉब स्पेंस ने आंख की जगह कैमरा फिट करा लिया है। इस कैमरे में वे सारी चीजें रिकॉर्ड होती हैं, जो वह देखते हैं।

स्काई न्यूज से बातचीत में रॉब ने कहा, यह उतना आसान नहीं, लेकिन इंजीनियरों को मेरी आंख के लिए कैमरा बनाने में काफी मजा आया होगा। रॉब की आंख में लगे कैमरे में ठीक उसी तरह की तकनीक का प्रयोग गया है, जिस तरह एक वायरलेस माइक्रोफोन ट्रांसमीटर होता है। यह यंत्र उनके दिमाग से नहीं जुड़ा है और सिर्फ रिकॉर्डिंग करता है। रॉब्स को ह्यूमन रिवोल्यूशन नामक वीडियो गेम बनाने वाली कंपनी ने एक वृत्तचित्र बनाने का जिम्मा सौंपा है। यह वृत्तचित्र वर्ष 2027 तक ऐसे मनुष्यों की कल्पना को चित्रित करेगा, जो आधे मानवीय गुणों से युक्त हैं और आधे मशीनी हैं। रॉब कहते हैं कि तकनीक तो विकसित है ही और भविष्य में इस क्षेत्र के लिए अनंत संभावनाएं हैं। लोग कहते हैं कि कोई स्वयं का हाथ काटकर उसे बदल नहीं सकता, लेकिन अगर तकनीक किसी को शानदार कृत्रिम हाथ देने में सफल रहती है तो लोग इसके बारे भी में सोचना शुरू कर देंगे।

कैंसर दूर भगाएगी फूलगोभी

फूलगोभी खाइए और कैंसर को दूर भगाइए। अरे भई यह हम नहीं, बल्कि ब्रिटिश वैज्ञानिकों का कहना है। उन्होंने पता लगाया है कि फूलगोभी की एक खास किस्म कैंसर और दूसरी जानलेवा बीमारियों को दूर भगाती है।

26 साल की कड़ी मेहनत के बाद इस नतीजे पर पहुंचे यूनिवर्सिटी ऑफ ईस्ट एंग्लिया के वैज्ञानिकों का दावा है कि इससे कैंसर पर काबू पाया जा सकेगा। वहां एक खास प्रजाति की फूलगोभी की खेती की जाती है। इटली से लाई गई कुछ फूलगोभियों से इनकी ब्रीडिंग शुरू की गई है और इससे आखिरकार फूलगोभी की नई वैरायटी विकसित की गई, जो दिल की बीमारी से भी लड़ सकती है। फूलगोभी में ग्लूकोरैफैनिन की प्रचुर मात्रा होती है, जो कई दवाओं से ज्यादा कारगर है।

कम खाओ ज्यादा जिओ

यह यकीन करने वाली बात नहीं है, लेकिन सच है। एक अध्ययन से पता चला है कि जहां औसत भोजन करने से शरीर सुडौल और स्वस्थ रहता है, वहीं जो कम खाते हैं, उनकी उम्र ज्यादा खाने वालों की अपेक्षाकृत अधिक होती है।

ब्रिटिश वैज्ञानिकों के अनुसार, जानवरों पर किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि जो जानवर सिर्फ जीने के लिए पर्याप्त आहार पर निर्भर रहते हैं, उनका जीवन चक्र काफी लंबा होता है। अध्ययन के लिए जानवरों को दो वर्गों में बांटा गया था। इसके बाद दिए गए अलग-अलग आहारों के आधार पर उनका अवलोकन किया गया। इस प्रक्रिया से वैज्ञानिकों ने पाया कि जिन जानवरों को लो-कैलोरी फूड दिया गया, उनकी जीवन अवधि ओवर इटिंग करने वाले जानवरों से ज्यादा रही। इस अनुसंधान के आधार पर माना गया कि यदि जानवरों में इस तरह के गुण पाए जा सकते हैं, तो इंसानों पर भी डाइट का असर अवश्य होगा।

हाई हील पहनकर ड्रिंक खतरनाक

वैसे तो महिलाओं को विशेषकर युवतियों को हाई हील पहनने का बड़ा शौक होता है। यह जहां आपके फैशन में चार-चांद लगाते हैं, वहीं आपके लिए मुसीबत का द्वार भी खोल देते हैं। विशेषज्ञों की मानें तो हाई हील पहनकर ड्रिंक करना बेहद खतरनाक हो सकता है।

आजकल मल्टीपल फ्रैक्चर के केस उन महिलाओं में ज्यादा देखे जा रहे हैं, जो हाई हील पहनकर ड्रिंक करती हैं। हाई हील से होने वाला यह फ्रैक्चर इतना खतरनाक होता है कि इलाज के बाद भी मरीज दौड़ने में असमर्थ होता है। विशेषज्ञों के मुताबिक हाई हील के कारण आपका पूरा शरीर जमीन से 8 इंच की दूरी पर हवा में रहता है। इससे बैक बोंस पर जोर पड़ता है और वह टेढ़ी हो जाती है। एक रिपोर्ट के अनुसार ज्यादातर महिलाओं को फ्रैक्चर हील पहनकर गिरने से होता है। यह घटना उन महिलाओं में ज्यादा देखी जा रही है, जो शराब का सेवन कर हाई हील पहनकर चलती हैं और वह ज्यादातर 20 साल से कम उम्र की पेशेंट होती हैं। चोट लगने के बाद ठीक होने में उन्हें छह महीने का समय लग जाता है। शौक के तौर पर हाई हील पहना जा सकता है, लेकिन ड्रिंक करने के बाद इसे पहनने से बचें। क्योंकि ड्रिंक करने के बाद शारीरिक संतुलन बिगड़ जाता है और गिरने की आशंका बढ़ जाती है।

भूलकर भी निमोनिया में न करें इन चीजों का सेवन, खतरे में पड़ जाएगी जान

क्या होता है निमोनिया

निमोनिया सांस से जुड़ी एक गंभीर बीमारी है, जिसमें फेफड़ों (लंग्स) में इन्फेक्शन हो जाता है। निमोनिया होने पर फेफड़ों में सूजन आ जाती है और कई बार पानी भी भर जाता है।

क्यों होता है निमोनिया

निमोनिया ज्यादातर बैक्टीरिया, वायरस या फंगल इन्फेक्शन की वजह से होता है। यह ज्यादातर मौसम बदलने, सर्दी लगने, फेफड़ों पर चोट लगने या फिर चिकनपॉक्स जैसी बीमारियों के बाद हो सकता है। कई बार निमोनिया प्रदूषण में अधिक रहने से भी हो सकता है।

निमोनिया होने पर इन चीजों से करें परहेज

- जिन चीजों से आपको एलर्जी है उन चीजों का सेवन करने से बचें।
- निमोनिया से पीड़ित व्यक्ति को अधिक मीठे का सेवन करने से बचना चाहिए।
- डाइट में खासतौर पर प्रोसेस्ड फूड और शीतल पेय शामिल करने से बचें।
- दूध और डेरी उत्पाद का सेवन न करें क्योंकि ये सभी चीजें शरीर में बलगम बढ़ाने का काम करती हैं।
- ऐसे आहार जिसमें आर्टिफिशियल कलर, स्वाद या फिर कैफिन मौजूद हो डाइट में शामिल नहीं करने चाहिए।

निमोनिया में सब्जियां फल खाएं

निमोनिया के दौरान आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है और इसे मजबूत बनाने के लिए आपको भरपूर मात्रा में पोषक तत्व और एंटीऑक्सिडेंट की आवश्यकता होती है। इसलिए इस बीमारी में आपको अधिक से अधिक सब्जियां खानी चाहिए। सब्जियों में आप हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे पत्ता गोभी और अजमोद आदि खाएं। इसके साथ ही साथ आप चुकंदर, खीरा और गाजर भी खा सकते हैं। इन सभी सब्जियों में भरपूर मात्रा में विटामिन ए, विटामिन सी, फोलिक एसिड और पौटैशियम जैसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं। यह पोषक तत्व बीमारी को ठीक करने में मदद करते हैं और संक्रमण से लड़ने के लिए आपके शरीर को मजबूत भी बनाते हैं।

ताजा फलों से आपको पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्व प्राप्त होते हैं। जब आपके शरीर को भरपूर मात्रा में पोषक तत्व मिलता है, तब आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होने लगती है। रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होने से आप निमोनिया से जल्द ठीक हो जाते हैं। इसलिए आलूबुखारा, नाशपाती, स्ट्राबेरी, जामुन जैसे मीठे फलों को खाएं, लेकिन ध्यान रहे इन्हें सीमित मात्रा में खाएं।

एचआईवी पॉजिटिव महिलाओं में घट जाती है मेनोपॉज की उम्र

एचआईवी से संक्रमित महिलाओं को औसतन 48 वर्ष की उम्र में मेनोपॉज होने की संभीवना अधिक होती है, जब कि सामान्य औरतों को ये करीब 50-52 की उम्र या उसके बाद होती है। कनाडा में एक अध्ययन के दौरान, नॉर्थ अमेरिकन मेनोपॉज सोसाइटी (NAMS) के शोधकर्ताओं ने इस बात का पता लगाया है। शोधकर्ताओं की मानें तो एक आम महिला में मेनॉपोज की आयु 50 से 52 वर्ष के बीच होती है, जबकि एचआईवी से संक्रमित महिलाओं को 48 वर्ष की उम्र तक पीरिएड्स आना बंद हो जाता है। हालांकि चिकित्सा क्षेत्र में जिस तरीके से उन्नति की है और अब एचआईवी पीड़ित महिलाओं की जीवन प्रत्याशा बढ़ी है, वहीं अब इस शोध से इन महिलाओं को मेनोपॉज और इसके संक्रमण से अवगत कराया है। बता दें कि 48 की उम्र में मेनोपॉज का बंद हो जाना, सामान्य आबादी के मेनोपॉज फेज की उम्र से तीन साल कम है।

बढ़ेगी स्वास्थ्य से जुड़ी अन्य परेशानियां

वहीं इस शोध से एक बात और पता चलती है कि जो एचआईवी पॉजिटिव मरीज नवीनतम चिकित्सा प्रोटोकॉल का पालन करते हैं, वे लगभग 70 या इससे अधिक आयु तक जीवित रह सकते हैं। इसका मतलब है कि इन रोगियों को अब एचआईवी एक जानलेवा बीमारी नहीं है और सही वक्त से इलाज करवाने पर ये मरीज एक आम जीवन जी सकते हैं। साथ ही अब इस रिपोर्ट के अनुसार एचआईवी से संक्रमित महिलाओं के लिए मेनोपॉज की उम्र का घट जाना उनके यौन और प्रजनन स्वास्थ्य को प्रभावित करेगी। अब ऐसे में पीड़ित महिलाओं के पास मां बनने की उम्र में कटौती हो गई है।पिछले अध्ययनों से पता चला है कि एचआईवी पीड़ित महिलाओं में प्रारंभिक आयु 40 और 45 के बीच की है और समय से पहले मेनोपॉज को होना बाकी स्वास्थ्य परेशानियों को भी जन्म दे सकती है। हालांकि, कनाडा का यह अध्ययन एचआईवी रोगियों के लिए की औसत आयु, प्रारंभिक मेनोपॉज और अन्य सहसंबंधों के निर्धारण जैसे प्रजनन और गर्भावस्था से जुड़ा पहला अध्ययन है। अध्ययन के शोधकर्ताओं ने पुष्टि की कि एचआईवी के साथ रहने वाली महिलाओं को कम उम्र में पीरिएड्स बंद हो जाते हैं, विशेष रूप से 48 साल की उम्र में।

जागरूकता है जरूरी

इसके अलावा, प्रारंभिक शिक्षा और हेपेटाइटिस-सी का संक्रमण भी प्रारंभिक मेनोपॉज के जोखिम को प्रभावित कर सकती है। इसके अलावा इन महिलाओं की वैवाहिक स्थिति और जन्म क्षेत्र सहित अन्य संभावित संशोधन भी इस कम उम्र में मेनोपॉज के कारणों में शामिल है। रिपोर्ट की मानें तो पीरिएड्स के जल्दी बंद हो जाने के कारण एचआईवी से संक्रमित महिलाओं की मनोदशा में परिवर्तन, यौन कार्य, जीवन की गुणवत्ता में कमी और हृदय रोग का खतरा और बढ़ेगा। ऑस्टियोपोरोसिस जैसे अन्य हड्डियों से जुड़े विकार इनमें तेजी से बढ़ेंगे। ऐसे में अब इस बात की जरूरत है कि इन महिलाओं में इस लेकर जागरूकता फैलाई जाए। साथ ही उन्हें मानसिक रूप से इसके लिए तैयार किया जाए। अब इन महिलाओं को अपनी प्रेग्नेंसी को और बेहर तरीके और सावधानी के साथ प्लान करना होगा ताकि उनके और उनके बच्चों के जान का जोखिम कम हो सके। शोधकर्ताओं का कहना है कि अब हेल्थकेयर चिकित्सकों को भी एचआईवी से पीड़ित महिला रोगियों में समय से पहले और शुरुआती मेनोपॉज के लिए बढ़े हुए जोखिम के बारे में पता होना चाहिए, ताकि शुरुआती एस्ट्रोजेन की कमी से जुड़े संभावित दीर्घकालिक स्वास्थ्य परिणामों के इलाज देने के लिए वो तैयार रहें। साथ ही पीड़ित महिलाओं को उचित परामर्श और प्रबंधन प्रदान किया जा सके।

रेसिपी

वेज कीमा मटर

सामग्री

■ 2 कप सोया ग्रेन्युल्स ■ 1 कप हरी मटर ■ 1/2 कप दही ■ 1 प्याज ■ 4 टीस्पून तेल ■ 5 काली मिर्च ■ 4 लौंग ■ 1 बड़ी इलायची ■ 1/2 टीस्पून जीरा ■ 1/2 टीस्पून धनिया पाउडर ■ 1/2 टीस्पून हल्दी पाउडर ■ लाल मिर्च पाउडर ■ 1 टीस्पून अदरक का पेस्ट ■ 1 टीस्पून लहसुन का पेस्ट ■ गर्म मसाला ■ नमक स्वादानुसार।

विधि

सोया ग्रेन्युल्स को गर्म पानी में 15 मिनट के लिए भिगो दें और 15 मिनट बाद निचोड़कर अलग रख दें। गर्म तेल में जीरा और साबुत गर्म मसाला डालकर चटकाएं। बारीक कटा प्याज पारदर्शी होने तक भूनें और उसमें अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर भूनें। फिर इसमें धनिया, हल्दी, लाल मिर्च, दही और नमक डालें। जब मसाला तेल छोड़ने लगे तो उसमें सोया ग्रेन्युल्स और मटर डालकर 2 मिनट तक पकाएं। फिर 1 गिलास पानी डालकर उबाल आने तक पकाएं। गर्म मसाला डालें और बारीक कटे हरे धनिए से गार्निश कर सर्व करें।

चटपटा चीला

सामग्री

- कप सूजी
- 1 कप बेसन
- 100 ग्राम दही
- 1 बारीक कटी शिमला मिर्च
- 2 बारीक कटी हरी मिर्च
- कद्दूकस की हुई अदरक
- 1 कटोरी बारीक कटा हरा धनिया
- नमक स्वादानुसार

विधि

दही में दो कप पानी मिलाकर मट्ठा तैयार कर लें। एक बोल में सूजी और बेसन निकाल लें, उसमें मट्ठा और नमक मिलाने के बाद पंद्रह मिनट के लिए रख दें। अब इसमें शिमला मिर्च, हरी मिर्च, अदरक और हरा धनिया डालकर अच्छी तरह मिला लें। मिश्रण गाढ़ा लगे तो उसमें पानी मिला लें। नॉनस्टिक तवे पर थोड़ा तेल गर्म कर लें। चम्मच से मिश्रण को तवे पर गोल-गोल फैलाने के बाद गैस धीमी कर दें। एक छोटी चम्मच में तेल लेकर चीले के चारों ओर डालें, थोड़ा सा तेल चीले के ऊपर भी डालें। चीले की निचली सतह ब्राउन होने पर उसे कलछी की सहायता से पलटें और दूसरी तरफ भी ब्राउन होने तक सेंकें। चटनी या सॉस के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंग। मनोरथ सिद्धि का योग है। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुखदायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। शुभांक-2-4-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। स्थान परिर्वतन की संभावना हैं। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। यात्रा का योग है। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। परिवारजन का सहयोग काम को बनाना आसान करेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। शुभ कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। शुभांक-2-4-6

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। बौद्धिक उलझनें बनी रहेंगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। शुभांक-1-3-5

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। पारिवारिक विवाद टालें। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। शुभांक-2-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 2652

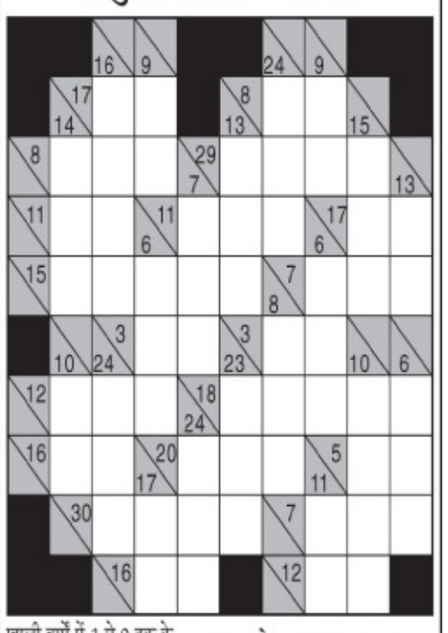

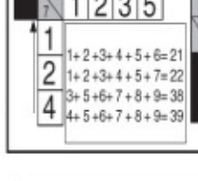

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

काकुरो - 2651 का हल

हंसी के फूव्वारें

एक अभिनेत्री ने ब्यूटी-क्लीनिक की मालकिन से अपने चेहरे के दाग को मिटाने का रेट पूछा.

'पांच सौ रुपये लगेंगे !'

'पांच सौ तो ज्यादा हैं !'

'फिर ?'

'कोई सस्ता तरीका बताइए !'

'सस्ता नहीं मुफ्त का तरीका है.'

'कृपया जल्दी बताइये !'

' घूंघट निकालना शुरू कर दीजिए! आपका काम मुफ्त में बन जायेगा.'

□ □ □

एक आंखों के डाक्टर ने अपने एक सर्जन मित्र को नजर का चश्मा बनाकर दिया. संयोग से उसी दिन आंखों के डाक्टर को उसी सर्जन से अपना ऑपरेशन करवाना पड़ा.

फिर जब वह ऑपरेशन टेबल पर लेट गया तो सर्जन चश्मा लगाकर बोला- 'रेडी ! मैं तैयार हो गया हूँ ! अब तुम बताओ कि तुम कहां हो?'

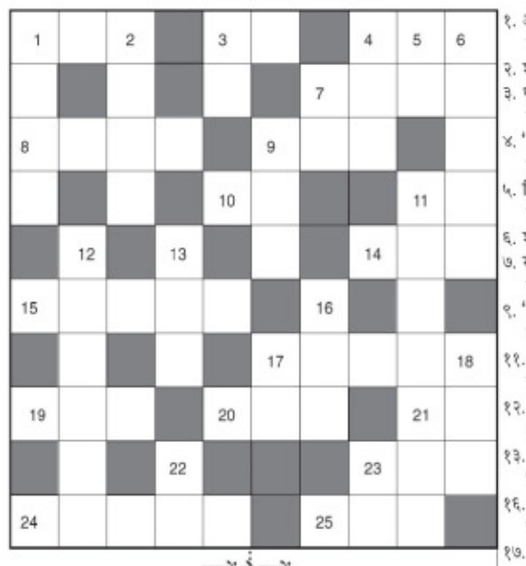

आंखों का डाक्टर तुरन्त मेज से कूद पड़ा.

□ □ □

प्रशंसिका: ''आपके उपन्यास का अंतिम सीन बहुत अच्छा है.''

उपन्यासकार: ''उपन्यास के आरंभ के विषय में आपका क्या विचार है?''

प्रशंसिका: ''मैं उसे अभी पढ़ना शुरू करने वाली हूँ.''

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2652

बायें से दायें:-

१. 'राह बनी खुद मंजिल' गीत वाली विस्वजीत, वहीदा की फिल्म-३
३. संजीवकुमार, सुचित्रासेन की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
४. 'मैं ने तेरे लिए ही' गीत वाली अमिताभ, राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
७. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-४
८. 'कितना मजा आ रहा है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२,२
९. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'ना जइयो परदेस' गीत वाली दिलीपकुमार, अनिलकपूर, जैकी श्रॉफ, श्रीदेवी, पुनम ढिल्लों की फिल्म-२
११. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की 'हर तरफ हर जगह' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'ऐ मेरे मेहरबां ऐ मेरे हमनशी' गीत वाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-३
१५. जीतेंद्र, रेखा की 'गोकुल की गलियों का' गीत वाली फिल्म-२,२,१
१७. 'जाओ जाओ हम से क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ, अमृता सिंह की फिल्म-२,३
१९. अरविंद, प्रभुदेवा, काजोल की 'चंदा रे चंदा रे कभी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'सिलसिला शुरू हुआ यहाँ से' गीत वाली फिल्म-३
२१. राजकपूर, नर्गिस की 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली फिल्म-२
२३. शशि, संजीवकुमार, वहीदा, पूनम की फिल्म-३
२४. राहुलराय, शीबा की 'तेरी दोस्ती में मिला है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
२५. 'देखो मेरा दिल मचल' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, नाना पाटेकर, तब्बू की 'हम हैं बनारस के भैया' गीत वाली फिल्म-४
२. शाहरुख, विवेक, जूही की फिल्म-४
३. धर्मेन्द्र, माला सिन्हा की 'गैरों पे करम अपनों पे सितम' गीत वाली फिल्म-२
४. 'कभी तो मिलेगी कहीं' गीत वाली अशोक, प्रदीप, मीना की फिल्म-३
५. फिल्म 'परिवार' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
६. शाहबाद, किरण, तब्बू, रीता की फिल्म-५
७. सनी, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा छुप छुप के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'तेरे चेहरे में वो' गीत वाली फिरोज खान, हेमा मालिनी, रेखा की फिल्म-३
११. जॉय, सायरा की 'दिल की महफिल सजी है' गीत वाली फिल्म-२,२,३
१२. 'इक तुम पास ना आना' गीत वाली अमिताभ, लक्ष्मी छाया की फिल्म-२,१,३
१३. अक्षयकुमार, माधुरी दीक्षित की 'दुनिया से दूर जा रहा हूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. राजकुमार, शत्रुघ्नसिन्हा, हेमा मालिनी, मिथुन चक्रवर्ती की फिल्म-३
१७. आमिर खान, फैजलखान, ट्विंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२२. 'आज सजन मोहे अंग लगालो' गीत वाली फिल्म-२
२३. नसीरुद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2651

सूडोकु -2652

8	5			3		6	1	
6	7		9		4		2	
2					1			4
	3	9			7			
	6	2		8		4	7	
			6			9	3	
3			5					7
	4		1		6		8	3
	8	5		7			9	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2651 का हल

6	3	7	2	1	5	4	8	9
9	8	4	3	7	6	5	2	1
2	5	1	9	4	8	7	3	6
3	6	8	5	9	7	1	4	2
7	2	9	4	8	1	6	5	3
4	1	5	6	3	2	8	9	7
5	7	6	8	2	9	3	1	4
8	4	2	1	6	3	9	7	5
1	9	3	7	5	4	2	6	8

शब्द पहेली - 2652

बाएँ से दाएँ

1.सरदार,अगुआ-4
5.जनमत,एक राय-4
9.पुराना जुकाम-3
10.चिंता,परवाह-3
12.पैंदा,तल्ला-2
14.ताल,सुर,आलाप-2
15.महोदय (अंग्रेजी-2)
16.लाडला,दुलारा-2
17.निवास करना-3
19.डोली उठाने वाले-3
21.नसीरुद्दीन शाह की फिल्म-3
22.तड़फाना-4
24.जल में रहनेवाला-4
25.दरियादिल,करुण-5
26.इराक की राजधानी-4
29.भेंट,पुरस्कार-4
33.पासों से भविष्य देखना-3
34.अश्ववाहक,घुड़सवार-3
36.चौकसी,रखवाली-3
37.हलक,कंठ-2
38.सदैव-2
39.लार -2
42.निश्चित-2
42.कालीन-3
43.बंदर,मर्कट-3
45.किसान-4
46.इस्लामी कैलेंडर का एक महीना -4

ऊपर से नीचे

2.क्रिकेट में बनते हैं-2
3.नगमा,गीत (उर्दू-3)
4.जो लायक न हो-4
5.अधिकारी,अफसर-4
6.राशिचक्र की एक राशि -3
7.झगड़ा,बैर-2
8.आदत,व्यवहार-4
11.शमशीर-4
13.तरंग,हिलोर-3
16.तृष्णा,लोभ-3
18.अमेरिका स्थित वेधशाला-2
20.जितेंद्र इस फिल्म में सात सवाल हल करते हैं -5
21.नीर,पानी-2
23.देवर्षि-3
24.ईर्ष्या,डाह-3
26.वटवृक्ष-4
27.जिसमें पौधे लगाते हैं-3
28.दलहन-2
30.मंत्र जाप-2
31.तसल्ली,आराम-3
32.भगवान विष्णु-4
34.धर्मशीलता-4
35.पैजामा-4
38.तमीज-3
40.साजन,प्रेमपात्र-3
42.पहरा,चौकसी-2
44.अवकाश-2

शब्द पहेली -2651 का हल

उद्धव ठाकरे ने ढाई साल में नौ लाख करोड़ का प्रोजेक्ट रोका था: मुख्यमंत्री शिंदे

एजेंसी

मुंबई। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे पर ढ़ाई साल में 8 लाख 89 हजार 105 लाख करोड़ रुपये के विकास प्रोजेक्ट को रोकने का सनसनीखेज आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि इसके परिणामस्वरूप लगभग 1.4 लाख नौकरियां चली गईं और देरी के कारण लागत बढ़ गई है। 18 नवंबर 2022 को जब उनके नेतृत्व में नई सरकार बनी तो विकास के सारे स्पीड ब्रेकर हटा दिया और राज्य का विकास शुरू किया। एकनाथ शिंदे मुंबई के बालासाहेब भवन में पत्रकारों को बताया कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में महाविकास अघाड़ी सरकार ने मुंबई अहमदाबाद बुलेट ट्रेन, जैतापुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र, बारसु रिफाइनरी, वाधवन बंदरगाह, धारावी पुनर्विकास, गर्गई बांध, मुंबई सेंट्रल पब्लिक पार्क को रोक दिया था, इसके परिणामस्वरूप लगभग 1.4 लाख नौकरियां चली गईं और देरी के कारण लागत बढ़ गई है। एकनाथ शिंदे ने कहा कि मुख्यमंत्री बनने के बाद यह सभी विकास योजनाएं शुरू की गई हैं। उन्होंने कि हमारी सरकार ने ढाई साल में मुंबई में कोस्टल रोड, अटल सेतु, मेट्रो 3, मेट्रो कारशेड, जलयुक्त शिवार योजना, मराठवाड़ा वॉटर ग्रिड, समृद्धि हाईवे जैसी परियोजनाएं शुरू कीं और रिकॉर्ड समय में पूरी कीं। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान राज्यभर में 75 प्रचार सभाओं को संबोधित किया। इसका फीडबैक बहुत ही अच्छा है और लोग विकास कार्यों को प्रतिसाद दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि राज्य में एनडीए गठबंधन भारी बहुमत से सत्ता में वापसी करेगी।

आईसीजी ने पाकिस्तान की समुद्री एजेंसी के चंगुल से सात भारतीय मछुआरों को बचाया

नई दिल्ली। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने पाकिस्तान समुद्री सुरक्षा एजेंसी (पीएमएसए) के चंगुल से सात भारतीय मछुआरों को बचाया है, जिन्हें भारत-पाकिस्तान समुद्री सीमा के पास पकड़ लिया गया था। आईसीजी का जहाज भारतीय मछुआरों के साथ ओखा हार्बर लौटा, जहां सभी की चिकित्सा जांच की गई। आईसीजी के मुताबिक 17 नवंबर को अपराह्न लगभग 3.30 बजे गश्त पर तैनात आईसीजी के जहाज को नो-फिशिंग ज़ोन के पास काम कर रही एक भारतीय मछली पकड़ने वाली नाव से संकट की सूचना मिली। कॉल में बताया गया कि एक अन्य भारतीय मछली पकड़ने वाली नाव काल भैरव को पाकिस्तान समुद्री सुरक्षा एजेंसी के पोत ने अपने कब्जे में लेकर भारतीय चालक दल के सात सदस्यों को पकड़ लिया है। इसके जवाब में आईसीजी के जहाज को तुरंत अधिकतम गति से बताए गए स्थान पर भेजा गया। पीएमएसए का जहाज भारतीयों को लेकर भारत-पाकिस्तान समुद्री सीमा के पीछे जाने का प्रयास कर रहा था, लेकिन इसके बावजूद आईसीजी के जहाज ने पीएमएसए जहाज को रोक लिया और उन्हें भारतीय मछुआरों को छुड़ाने के लिए दबाव बनाया। इसके बाद आईसीजी जहाज सात मछुआरों को सुरक्षित वापस लाने में सफल रहा, जिनकी चिकित्सा जांच की गई। इस घटना के दौरान दुर्भाग्य से मछली पकड़ने वाली भारतीय नाव काल भैरव क्षतिग्रस्त होकर समुद्र में डूब गई।

सीजीपीएससी घोटाले मामले में सीबीआई ने पीएससी के पूर्व चेयरमैन टामन सिंह सोनवानी को किया गिरफ्तार

रायपुर। सीजीपीएससी 2021 घोटाले मामले में पूर्व चेयरमैन टामन सिंह सोनवानी और बजरंग पावर के डायरेक्टर एसके गोयल को सीबीआई ने सोमवार को गिरफ्तार कर लिया है। यह पीएससी घोटाला वर्ष 2021 से जुड़ा है। सोनवानी पर चयन के एवज में अभ्यर्थियों से 45 लाख रुपये रिश्वत लेने का आरोप है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार सीबीई ने सीजीपीएससी में गड़बड़ी मामले में जिन लोगों पर एफआईआर दर्ज की है, उसमें तत्कालीन अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी, सचिव जेके ध्रुव और अन्य शामिल हैं। इनके खिलाफ कथित भाई-भतीजावाद और अपने अयोग्य बेटों, बेटी, रिश्तेदारों और परिचितों को जिला कलेक्टर, डिप्टी एसपी के बड़े पदों पर भर्ती सुनिश्चित करने के लिए मेरिट सूची में डालने का आरोप है। टामन सिंह सोनवानी पर राजभवन के तत्कालीन सेक्रेटरी अमृत खलको समेत कई अधिकारियों के बेटे-बेटियों और करीबी रिश्तेदारों को भी डिप्टी कलेक्टर और डीएसपी जैसे पदों पर नियुक्ति देने के आरोप हैं। उल्लेखनीय है भाजपा नेता व पूर्व गृहमंत्री नन्दकीराम कंवर ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर कार्रवाई की मांग की थी। हाई कोर्ट के निर्देश पर सरकार ने मामले की सीबीआई जांच की अनुमति दी थी। सीबीआई ने कुछ महीने पहले सोनवानी के घर छापेमारी भी की थी। सीजीपीएससी परीक्षा का नोटिफिकेशन साल 2021 में जारी किया था।

नेपाल के बाद अब पाकिस्तान से पप्पू यादव को जन्मदिन से पहले मारने की मिली धमकी

पूर्णिया। बिहार में पूर्णिया से लोकसभा सांसद पप्पू यादव को जान से मारने की धमकी अब पाकिस्तान से आई है। यह कॉल पाकिस्तान के 923360968377 और वॉट्सएप चैट नंबर 9450839850 से आयी है। झारखंड विधानसभा चुनाव में हेमंत सोरेन के लिए प्रचार कर रहे पूर्णिया सांसद पप्पू यादव को पाकिस्तान से जान से मारने की धमकी मिली है। धमकी भरा लगभग 4 मिनट का एक ऑडियो कॉल आया, जिसमें कथित रूप से गोल्डी भाई के कहने पर फोन किए जाने की बात कही गई है। धमकी भरे ऑडियो कॉलर ने कहा कि पहले नेपाल से भी फोन कर समझाने की कोशिश की गई थी। कॉलर ने सांसद पप्पू यादव को 24 दिसम्बर को उनके जन्मदिन से पूर्व निशाना बनाने की बात कही है। साथ ही कॉल में बार-बार माफी मांगने की बात भी दोहराई गई।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद बोले- धर्म और संस्कारों का पूरक है उत्तराखंड

एजेंसी

देहरादून। ज्योतिर्मठ शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने 20 नवंबर को केदारनाथ विधानसभा सीट पर होने वाले उप चुनाव पर बयान देकर माहौल गरमा दिया है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड धर्म और संस्कारों का पूरक है। केदारनाथ धाम किसी के राजनीतिक हार-जीत का विषय नहीं है बल्कि यह आत्म शांति का विषय है। केदारनाथ धाम का इस्तेमाल अगर राजनीतिक हितों को साधने में किया जाता है तो यह हाथी से हल जुतवाने जैसा काम है।

आयोजित धर्म सभा में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने केदारनाथ धाम, चारधाम यात्रा और लैंड जिहाद समेत कई मुद्दों पर बयान दिया। साथ ही गो हत्या रोकने व गाय को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने का संकल्प दोहराया। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने देश के तमाम धार्मिक और सामाजिक विषयों

पर बेबाक तरीके से अपनी बात रखी। साथ ही कई विवादित विषयों पर भी खुलकर बोले। शंकराचार्य ने कहा कि उत्तराखंड हमारे धर्म और संस्कारों का पूरक है। जब भी सनातनी धर्म या फिर संस्कार के बारे में सोचता है तो वो उत्तराखंड चला आता है। ऐसे में उत्तराखंड की अबोहवा और देवत्व को बनाए रखना धार्मिक रूप से उनकी जिम्मेदारी है तो वहीं राजनीतिक रूप से भी सरकारों की जिम्मेदारी बनती है। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने बताया कि आगामी 16 दिसंबर से वे शीतकालीन यात्रा शुरू करने जा रहे हैं। वे दूसरी बार शीतकालीन यात्रा करेंगे। उन्होंने कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य ये है कि लोगों में इस भ्रांति को खत्म करना है कि कपाट बंद होने के बाद यात्रा या फिर दर्शन नहीं किया जा सकता है। कपाट बंद होने के बाद शीतकालीन स्थल पर भगवन के दर्शन किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि शीतकालीन के लिए केवल कपाट बंद होते हैं, लेकिन डोली दूसरी जगह पर जाती है, वहां पर उनकी पूजा अर्चना की जाती है और आशीर्वाद लिया जाता है। ग्रीष्मकालीन स्थल पर दर्शन मौसम की वजह से रोक दिए जाते हैं। उनका सभी सनातन धर्मियों से अपील है कि वो इस भ्रांति में ना आए कि केवल गर्मियों में ही भगवान के दर्शन किए जा सकते हैं।

राहुल गांधी ने अमृतसर में दरबार साहिब में माथा टेका

एजेंसी

चंडीगढ़। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सोमवार देररात अमृतसर में दरबार साहिब में माथा टेकने पहुंचे। वह सुबह सूरज निकलने से पहले अमृतसर से वापस लौट गए। पंजाब के चार विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव के लिए 20 नवंबर को मतदान होना है। इससे पहले राहुल गांधी का दौरा कांग्रेसियों के लिए अहम माना जा रहा था, लेकिन वह यहां किसी से नहीं मिले।

राहुल गांधी रांची से अमृतसर देररात पहुंचे। सांसद गुरजीत सिंह औजला, पूर्व डिप्टी सीएम ओम प्रकाश सोनी समेत कई नेताओं ने उनका स्वागत किया। इसके बाद इन नेताओं के साथ वह दरबार साहिब पहुंचे। यहां माथा टेकने के बाद राहुल ने पानी पिलाने और बर्तन साफ करने की सेवा की। कुछ देर के लिए वह जोड़ा घर भी गए। जोड़ा घर में उन्होंने श्रद्धालुओं के जूते संभाले। इसके बाद राहुल गांधी एक अन्य कार्यक्रम में भी शामिल हुए। दरबार साहिब में उनके वीआईपी दर्शन कराए जाने को

लेकर एक महिला ने हंगामा भी किया। महिला ने आरोप लगाया कि लाइन में लगे लोगों को एक तरफ करके राहुल को आगे ले जाकर दर्शन कराए गए। गोल्डन टेंपल में इस तरह दर्शन की परंपरा नहीं है। इससे पहले राहुल गांधी पिछले साल 2 अक्टूबर को गोल्डन टेंपल आए थे। वह तीन दिन रुके थे।

भाजपा नेता गौरव वल्लभ ने राहुल गांधी से पूछे तीखे सवाल

एजेंसी

रांची। भाजपा के नेता डॉ. गौरव वल्लभ ने कहा कि राहुल गांधी सबसे पहले देश की जनता को ये बताएं कि उनकी जाति और धर्म क्या है? उन्होंने कहा कि देश को जातियों में बांटने वाले राहुल गांधी ने आज झारखंड की धरती पर एक भी ऐसा शब्द नहीं बोला, जिससे झारखंड राज्य विकसित राज्य बने। वल्लभ ने रांची स्थित भाजपा के मीडिया सेंटर में पत्रकार वार्ता के दौरान सवाल उठाते हुए कहा कि राहुल गांधी ने 4 दशकों से बाबा साहब अंबेडकर को भारत रत्न से क्यों नहीं नवाजा? क्यों आखिर कांग्रेस ने 1947 से लेकर 1989 तक बाबा साहब की अनदेखी की, इसका जवाब दे कांग्रेस उनके छाया चित्र को संसद में लगे भी नहीं दिया गया था, जिसे बाद में गैर कांग्रेसी सरकार ने लगवाया। कांग्रेस ने हमेशा दलित समाज के हर वर्ग का अपमान किया है। वल्लभ ने कहा कि जब संथाल समाज की आदिवासी बेटी राष्ट्रपति का चुनाव लड़ रही थी तब क्यों उनका विरोध किया गया? ये कांग्रेस और उनके सहयोगी दलों की अदिवासी विरोधी मानसिकता को दर्शाता है। उनके खिलाफ असंसदीय भाषा का प्रयोग किया गया। कांग्रेस की दलितों और आदिवासियों के प्रति जो मानसिकता है वो अब उजागर हो

चुकी है। डॉ. वल्लभ ने कहा, राहुल गांधी अमेरिका में जाकर आरक्षण के विरोध की बात करते हैं। राहुल गांधी ने कभी ये नहीं पूछा कि जिस हेमंत सोरेन ने युवा से प्रतिवर्ष पांच लाख नौकरियों का वादा किया था, बेरोजगारी भत्ता का वादा किया था। महिलाओं के खाते में प्रति माह 2000 भेजने का वादा किया था, इनके वादों के अनुसार 01 लाख 20 हजार रुपये हर महिला के खाते में जाने चाहिए थे लेकिन गए 2000 रुपये, वो 01 लाख 18 हजार रुपये कहां हैं? रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने झारखंड की जनता के प्रति के आभार माना है। उन्होंने कहा कि पहले चरण में हमें जनता ने मजबूत सरकार बनाने के लिये जनादेश दिया है। दूसरे चरण में भी हम विशाल विजय की ओर हैं। हमें प्रदेश की जनता ने दो तिहाई बहुमत के साथ जनादेश दे रही हैं। निश्चित ही भाजपा की झारखंड सरकार बनने जा रही है।

राहुल गांधी नहीं चाहते गरीब धारावीवासियों को पक्के मकान मिलें : विनोद तावड़े

एजेंसी

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े ने मुंबई में कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी नहीं चाहते कि धारावी के गरीब लोगों को पक्के घर मिले।

इसके विपरीत भाजपा नीत एनडीए गठबंधन सरकार ने गरीबों को पक्के घर दिलाने के लिए धारावी पुनर्विकास परियोजना को मंजूरी दी है। विनोद तावड़े ने पत्रकारों को बताया कि धारावी के पुनर्विकास की कार्यवाही महाविकास अघाड़ी सरकार के सत्ता में रहने के दौरान शुरू की गई थी और उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री थे।

उस समय अडाणी के साथ-साथ अबू धाबी के शेख से जुड़ी कंपनी सेकलिंक ने भी टेंडर दिया था। रेलवे के जमीन देने के बाद परियोजना की शर्तें बदल गईं। पुनर्विकास का काम बदली हुई शर्तों के अनुसार चल रहा है। धारावी में रहने वाले हर व्यक्ति को पक्के घर मिलेंगे। धारावी में छोटे और मध्यम उद्यमों को 225 वर्ग फुट के घर देकर उचित पुनर्वास किया जाएगा। विनोद तावड़े ने बताया कि राहुल गांधी ने आज

मुंबई में अडाणी के नाम का विरोध किया है, जबकि कांग्रेस शासित राज्यों में अडाणी को बहुत से काम दिए गए हैं । इनमें राजस्थान में अशोक गहलोत के मुख्यमंत्री रहते 46 हजार करोड़ का सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट, जयपुर एयरपोर्ट, तेलंगाना में रेवंता रेड्डी की सरकार में 12 हजार 400 करोड़ का ठेका शामिल हैं। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता विजय (भाई) गिरकर, भाजपा मीडिया विभाग के राष्ट्रीय सह प्रभारी संजय मयूख, राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम शुक्ला, प्रदेश मुख्य प्रवक्ता केशव उपाध्ये, प्रदेश मीडिया विभाग प्रमुख नवनाथ बन, प्रवक्ता ओमप्रकाश चौहान आदि उपस्थित थे।

महाराष्ट्र में थमा विधानसभा चुनाव के प्रचार का शोर, उम्मीदवारों का जनसंपर्क अभियान शुरू

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र में सोमवार शाम छह बजे विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार थम गया है। अब सभी उम्मीदवारों ने गोपनीय तरीके से जनसंपर्क अभियान शुरू कर दिया है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव मतदान 20 नवंबर को होगा और वोटों की गिनती 23 नवंबर को होगी। राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी ने बताया कि महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव की शुरुआत 15 अक्टूबर से शुरू की गई थी। इसमें 29 अक्टूबर तक नामांकन दाखिल करने और 4 नवंबर तक नामांकन वापसी की अंतिम तिथि थी। चार नवंबर को नामांकन वापस लेने के बाद चार हजार से अधिक उम्मीदवार विधानसभा चुनाव के लिए अपनी तकदीर आजमा रहे हैं। इनमें भाजपा के 152, शिवसेना शिंदे समूह के 85 और राकांपा अजीत पवार के 55

उम्मीदवार एनडीए गठबंधन के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेस के 102, शिवसेना यूबीटी के 95 और राकांपा शरद पवार के 87 उम्मीदवार मैदान में हैं। इनमें बारामती से अजीत पवार और उनके भतीजे युगेंद्र पवार दोनों पवार परिवार से चुनाव मैदान में हैं। महाराष्ट्र में एक महीने से ज्यादा चले चुनाव प्रचार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह , सुनील तटकरे, प्रफुल्ल पटेल सहित कई आला नेताओं ने एनडीए गठबंधन के लिए प्रचार किया। महाविकास आघाड़ी के लिए कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले, राकांपा एसपी अध्यक्ष शरद पवार, सांसद सुप्रिया सुले, अमोल कोल्हे, शिवसेना यूबीटी की ओर से पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, शिवसेना नेता संजय राऊत, आदित्य ठाकरे आदि ने जोरदार प्रचार किया है। आज शाम तक इन नेताओं ने अपने-अपने उम्मीदवारों के समर्थन में प्रचार किया है।

मणिपुर में संयुक्त बलों ने पांच उग्रवादी बंकरों को किया नष्ट

एजेंसी

इंफाल। मणिपुर में संयुक्त बलों ने उग्रवादियों के पांच बड़े बंकरों को आज नष्ट कर दिया है। इसके अलावा, राज्य में शांति और स्थिरता बहाल करने के लिए चल रहे प्रयासों के तहत, संयुक्त सुरक्षा बलों ने मणिपुर के पहाड़ी और घाटी जिलों के दूरदराज और संवेदनशील इलाकों में व्यापक तलाशी अभियान चलाया है। राज्य पुलिस मुख्यालय के अनुसार, संयुक्त सुरक्षा बलों ने कांगपोकपी जिले में एगेजांग और लोइचिंग के बीच पहाड़ियों में सशस्त्र उग्रवादियों द्वारा इस्तेमाल किए गए पांच बंकर, दो बैरक और एक स्नानघर को नष्ट कर दिया। बंकर और बैरक से इनसास का एक खाली केस, 12 बोर का एक खाली केस, 11 एसएलआर (7.62 मिमी) खाली केस और कई गोला-बारूद, कपड़े, जूते, छह सैन्य टी-शर्ट, शिकार के जूते की एक जोड़ी और नकदी बरामद की गई। इसके अलावा, सुरक्षा बलों ने एक पुल-थ्रू, कनवर्टर के साथ एक सोलर प्लेट, 28 कंबल, आठ मच्छरदानी, एक लकड़ी का बिस्तर और विभिन्न किराने का सामान और रसोई का सामान बरामद किया।

छत्तीसगढ़ में देश का 56वां टाइगर रिजर्व अधिसूचित

एजेंसी

रायपुर। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने छत्तीसगढ़ के गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व को देश के 56वें टाइगर रिजर्व के रूप में अधिसूचित किए जाने की जानकारी राष्ट्र को दी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में मंत्री ने कहा, भारत बाघ संरक्षण में नए मील के पत्थर स्थापित कर रहा है, इसी क्रम में हमने छत्तीसगढ़ के गुरु घासीदास-तमोर पिंगला को 56वें ??टाइगर रिजर्व के रूप में अधिसूचित किया है। गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व 2,829 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। छत्तीसगढ़ सरकार ने राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) की सलाह पर छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, कोरिया,

सूरजपुर और बलरामपुर जिलों में गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व को अधिसूचित किया। कुल 2829.38 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले इस बाघ अभयारण्य में 2049.2 वर्ग किलोमीटर का कोर/क्रिटिकल टाइगर हैबिटेट शामिल है, जिसमें गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान और तमोर पिंगला वन्यजीव अभयारण्य शामिल हैं। इसका बफर क्षेत्र 780.15 वर्ग किलोमीटर का है। यह इसे आंध्र प्रदेश के नागार्जुनसागर-श्रीशैलम टाइगर रिजर्व और असम के मानस टाइगर रिजर्व के बाद देश का तीसरा सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व बनाता है। गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व देश में अधिसूचित होने वाला 56वां टाइगर रिजर्व बन गया है।

इस अधिसूचना के साथ, छत्तीसगढ़ में अब 4 बाघ रिजर्व हो गए हैं, जिससे प्रोजेक्ट टाइगर के तहत राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण से मिल रही तकनीकी और वित्तीय सहायता से इस प्रजाति के संरक्षण को मजबूती मिलेगी।

मप्र में निवेश के लिए 24 नवंबर से यूके-जर्मनी की 06 दिनी विदेश यात्रा पर रहेंगे मुख्यमंत्री डॉ यादव

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश को औद्योगिक हब बनाने के संकल्प को लेकर आगे बढ़ रहे मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव 24 से 30 नवंबर तक यूके और जर्मनी प्रवास पर रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का यह छह दिवसीय विदेश दौरा मध्य प्रदेश में औद्योगिक विकास को नई ऊंचाई देने और वैश्विक निवेश आकर्षित करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। यह जानकारी देर शाम जनसम्पर्क अधिकारी बबीता मिश्रा ने दी उन्होंने बताया कि उज्जैन, जबलपुर, ग्वालियर, सागर और रीवा में आयोजित रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के साथ मुंबई, बैंगलुरु, कोयंबटूर और कोलकाता में 4 रोड-शो की अभूतपूर्व सफलता के बाद, यह दौरा अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के बीच मध्य प्रदेश में निवेश अवसरों को प्रभावी रूप से प्रस्तुत करने का एक अभूतपूर्व प्रयास है।

उद्योग वर्ष 2025 के प्रदेश में निवेश बढ़ाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री डॉ. यादव 6 दिवसीय इस विदेश यात्रा में यूके के लंदन, बर्मिंघम तथा जर्मनी के म्यूनिख और स्टटगार्ट का दौरा करेंगे। इन स्थानों पर वे प्रदेश में निवेश और औद्योगिक सहयोग के अवसरों को बढ़ाने के लिये औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधियों और उद्योगपतियों से चर्चा करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, मुख्यमंत्री डॉ. यादव 24 नवम्बर को भोपाल से मुम्बई होते हुए लंदन के लिए प्रस्थान करेंगे तथा रात 8 बजे लंदन पहुँचेंगे। वे 25 नवम्बर को वेस्टमिंस्टर स्थित ब्रिटिश संसद का दौरा करेंगे। मुख्यमंत्री किंग्स क्रॉस और पुनर्विकास स्थलों दौरा करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव लंदन में ÷फ्रेंड्स ऑफ़ मध्य प्रदेश'' प्रवासी भारतीयों द्वारा आयोजित रात्रि-भोज कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसमे 400 से अधिक प्रवासी भारतीय सम्मिलित होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 26 नवम्बर को ब्रेकफास्ट पर उद्योगपतियों एवं भारत के उच्चायुक्त विक्रम के दोरईस्वामी से संवाद करेंगे। इसके बाद इन्वेस्टमेंट अपॉर्चुनिटीज इन मध्य प्रदेश, इंटरैक्टिव सेशन में लगभग 120 प्रतिभागियों से चर्चा करेंगे। मुख्यमंत्री लंच ब्रेक के बाद राउण्ड टेबल मीटिंग्स में इलेक्ट्रिक व्हीकल एवं ऑटो, एजुकेशन, रिन्युएबल एनर्जी और फूड प्रोसेसिंग सेक्टर्स में निवेश पर चर्चा करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव उद्योगतियों के साथ वन-टू-वन मीटिंग करेंगे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव 27 नवंबर को वारविक यूनिवर्सिटी का भ्रमण करेंगे इसके बाद वारविक मैन्युफैक्चरिंग ग्रुप के डीन, फैकल्टी मेम्बर्स और शोधार्थियों से संवाद करेंगे।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किए बाबा वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग के दर्शन

एजेंसी

देवघर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने झारखंड में तीन रैलियों को संबोधित किया। उनकी आखिरी रैली देवघर में भाजपा प्रत्याशी और विधायक नारायण दास के लिए हुई। रैली के उपरांत मुख्यमंत्री द्वादश ज्योतिर्लिंग में शामिल बाबा वैद्यनाथ के दर्शन-पूजन किए। मुख्यमंत्री ने यहां जलाभिषेक किया, फिर आरती कर बाबा से सुखद और समृद्ध भारत की कामना की। मुख्यमंत्री

योगी आदित्यनाथ के वैद्यनाथ धाम पहुंचने पर पंडा समाज ने जोरदार स्वागत किया। समाज के लोगों ने मुख्यमंत्री को माल्यार्पण और अंगवस्त्र प्रदान किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां लोगों से परिचय प्राप्त कर कुशलक्षेम जाना। यहां मौजूद लोगों ने मुख्यमंत्री को विश्वास दिलाया कि देवघर के साथ ही झारखंड में बाबा के भक्त ही जीतेंगे और यहां भाजपा सरकार बनाएगी। यहां हजारों श्रद्धालु मौजूद रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी का अभिनन्दन किया। इस दौरान राज्यसभा सांसद व झारखंड प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी, गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे आदि मौजूद रहे।

उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने 64 प्रचार सभाओं को संबोधित किया

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के दौरान उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य भर में 64 प्रचार सभाओं को संबोधित किया। राज्य में चुनाव प्रचार थमने से फडणवीस ने वर्धा में आखिरी सभा को संबोधित किया है। जानकारी के अनुसार महाराष्ट्र में विधानसभा की 288 सीटों पर एक ही चरण में मतदान प्रक्रिया की घोषणा चुनाव आयोग 15 अक्टूबर को किया था लेकिन

चुनाव प्रचार का जोर दिवाली के बाद शुरू हुआ था। देवेंद्र फडणवीस ने दिवाली के बाद सिर्फ 13 दिनों में 64 सभाओं चुनावी प्रचार सभाओं को संबोधित किया। इस दौरान देवेंद्र फडणवीस ने 25 से ज्यादा जिलों में यात्रा की है और बाकी जिलों का प्रतिनिधित्व वीडियो संदेश के जरिए किया है। इन बैठकों में उन्होंने मुख्य रूप से किसानों के लिए योजनाओं पर जोर दिया। उन्होंने प्रचार सभाओं में किसानों को मुफ्त बिजली, दिन में बिजली, सोलर कृषि पंप, एक रुपये में फसल बीमा, सरकार आते ही किसानों को सात गुना भुगतान किया जाने, किसान सम्मान निधि 12 हजार से 15 हजार किए जाने, सोयाबीन को 6000 रुपये भाव दिए जाने, उर्वरकों पर राज्य जीएसटी की वापसी की वादा किया है। देवेंद्र फडणवीस ने अपने चुनावी भाषण में राज्य और केंद्र सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया है।

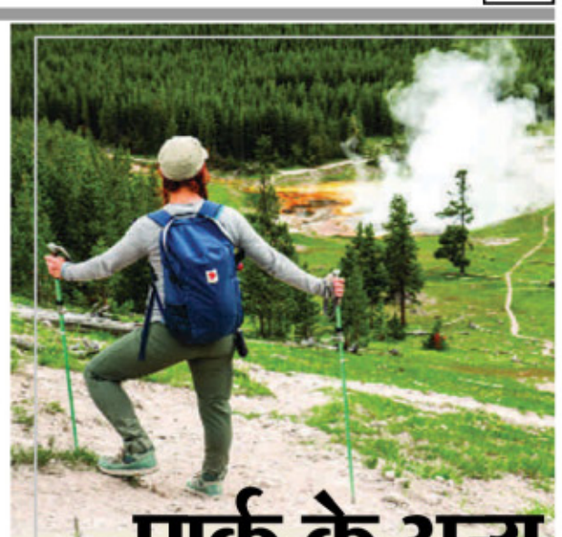

पृथ्वी के निर्माण और संचालन प्रक्रिया को समझने के लिए आदर्श क्षेत्र है येलोस्टोन नेशनल पार्क

ये लोस्टोन क्षेत्र समुद्रतल से औसतन 8000 फिट ऊंचा है, यहाँ की कई चोटियां तो 13,000 फीट ऊंची हैं, 8983 वर्ग किमी के इलाके में बर्फ से ढकी पहाड़ी चोटियां , शुद्धतम जल से लबालब झीलें और नदियां , भरपूर वन्य जीवन, वनस्पतियाँ तो हैं ही साथ ही यह धरती मां की जीवंत प्रयोगशाला भी है, जिस में विकास और विनाश के रहस्य अध्ययन करने का पूरा पूरा अवसर है. सिएटल से येलोस्टोन जाने के लिए सड़क मार्ग से स्पोकेन होकर 14 घंटे लगते हैं, फ्लाइट से जाना आसान है, इसलिए करीबी एयरपोर्ट अलास्का से यह दूरी कोई 1000 मील है.पूरा रास्ता वाशिंगटन राज्य के बर्फीले पहाड़ों, हरे भरे मैदानों से हो कर गुजरता है, मीलों मीलों में फैले खेत आबादी का पता नहीं, पूरी खेती बड़ी यंत्रीकृत है। यह राज्य साल में इतना गेंहू पैदा कर लेता है जो पूरे अमरीका के लिए काफी होता है.दरअसल बोजमैन येलोस्टोन जाने के लिए महत्वपूर्ण पड़ाव है, यहाँ से पार्क का प्रवेश द्वार केवल 90 मील रह जाता है.

ऐतिहासिक कालखंड

पार्क का क्षेत्र तीन अमरीकी राज्यों मोंटाना, व्योमिंग और आइडाहो में फैला हुआ है.इस इलाके को विभिन्न कबीलों और जनजातियों ने 11,000 वर्षों से अपना आवास बनाया थाये लोग आखेट करते थे, झरनों, नदियों से मछलियां पकड़ते थे , विभिन्न जड़ी बूटियों को खाने और उपचार के काम में लेते थे , ये लोग तापीय झरनों का पानी उपचार और धार्मिक अनुष्ठानों में इस्तेमाल करते थे.अमरीका में आये यूरोपीय लोगों को अठाहरवीं शताब्दी की प्रारम्भ में इस विलक्षण इलाके का पता लगा.1830 के आस पास ओस्बोर्न रसेल ने इस इलाके के बारे में काफी विस्तार से लिखा, उसके आलेख से प्रभावित होकर 1869 में एक अध्ययन टीम डेविड ई कोलमेन के नेतृत्व में यहाँ आयी , टीम ने येलोस्टोन झील के अप्रतिम सौंदर्य, कैन्यन विस्तार, तापीय बेसीन और रॉक बनावट के बारे में अपनी विस्तृत रिपोर्ट तैयार की। इसके अगले वर्ष चार्ल्स कुक और फॉल्सम की खोजी टीम ने भी ऐसी ही रिपोर्ट प्रस्तुत की , इसके आधार पर 1872 में राष्ट्रपति ग्रांट और अमरीकी सीनेट ने इस इलाके को संरक्षित क्षेत्र अर्थात नेशनल पार्क घोषित कर दिया। इस पार्क को दुनिया का पहला संरक्षित क्षेत्र होने का भी गौरव हासिल है। उस समय एक सीनेटर ने कहा था कि यह क्षेत्र अमरीका के फेफड़ों के लिए ताजा हवा का काम करेगा। प्रारम्भ में इसकी देखभाल अमरीकी सेना के पास रही बाद में १९१६ में नेशनल पार्क सर्विस की स्थापना के बाद से पार्क उसके अधीन कर दिया गया.

कहानी की शुरुआत

एक अनुमान के हिसाब से पृथ्वी अब से कोई 4600 करोड़ वर्ष पहले बनी तब से लेकर 5400 लाख वर्ष पूर्व तक के काल की चट्टानों से येलोस्टोन का इलाका बना है.ये सारी चट्टानें टीटान,बेरटूथ, विंड रिवर और ग्रॉस वेंट्रे इलाकों में हैं.5400 लाख से लेकर 660 लाख वर्ष के काल में अमरीका का पश्चिमी इलाका समुद्र, रेतीले पहाड़ों , विस्तृत मैदानों से आछादित था, इसके बाद पहाड़ बनने की प्रक्रिया से रॉकी माउंटेन क्षेत्र विकसित हुआ.यहाँ पर्वत बनने और पृथ्वी की सतह ऊँची नीची होने के कारण हिलने डुलने और बर्फ जमने से येलोस्टोन इलाका अस्तित्व में आया.500 लाख वर्ष पहले पार्क के उत्तरी और पूर्वी इलाके में अब्सरोका श्रंखला कई ज्वालामुखी फटने से अस्तित्व में आयी.लेकिन उस ज्वालामुखी प्रक्रिया का सम्बन्ध आज की येलोस्टोन ज्वालामुखी गतिविधियों से नहीं है। एक अनुमान के अनुसार 300 लाख वर्ष पूर्व आज का पश्चिम पूर्व पश्चिम धुरी के साथ खिंचता गया। खिंचने की यह प्रक्रिया 170 लाख वर्ष पहले कुछ और बढ़ गयी और अभी तक जारी है जिसके कारण नए ,बेसिन बने है , उत्तर-दक्षिण पर्वत श्रंखला और उसकी लम्बी घाटी भी इसी प्रक्रिया से बनी है.इस तरह से पूरा दक्षिण का क्षेत्र जिसमें येलोस्टोन भी शामिल है निर्मित हुआ है.165 लाख वर्ष पहले आज के समूचे आइडहो, ओरेगॉन और नेवाडा इलाके में ज्वालामुखी विस्फोटों का सिलसिला निरंतर चलता रहा.वहां से पिघला हुआ लावा प्रवाहित हो कर दक्षिण आइडहो से येलोस्टोन की ओर आ गया। उत्तरी अमरीका की प्लेट इस पिघलते हुए लावा पर खिसक कर दक्षिण पश्चिम दिशा में आ गयी जिससे येलोस्टोन क्षेत्र भी पिघले लावा के समीप आ गयी , तबसे ज्वालामुखी इस क्षेत्र के अंदर लगातार सक्रिय है.

येलोस्टोन लेक

यह लेक 136 वर्ग मील के क्षेत्र में फैली है और इसका घेरा 110 मील का है , समुद्र तल से 7,732 फीट की ऊंचाई पर अवस्थित यह लेक इलाके का सबसे बड़ा जलभंडार है, लेक की गहराई कहीं कहीं 392 फीट तक चली गयी है , जाड़ों में लेक पर 3 फीट बर्फ की चादर जम जाती है. हाँ,जहाँ जहाँ लेक में गर्म सोते हैं वहां बर्फ नहीं जमती है। लेक दिसंबर में जमती है और मई या फिर जून के प्रारम्भ में पिघल जाती है। लेक में कटथ्रोट ट्राउट, लोंगनोज डेस , रेडसीडे शाइनर, लांगनोज सकर्स मछलियां पाई जाती है.लेक का पानी इतना साफ है कि फिशिंग ब्रिज से कटथ्रोट ट्राउट, लोंगनोज डेस मछली आसानी से देखी जा सकती है.अन्य किस्म बहुत छोटे आकार की होती हैं अतः उन्हें स्पॉट करना ब्रिज से संभव नहीं है. येलोस्टोन नदी पार्क की दक्षिण पूर्वी अब्सरोका पर्वत श्रंखला यौंत शिखर के ढलान से अपना सफर शुरू करके **671** मील चल कर मोंटाना और नार्थ डकोटा सीमा पर मिसौरी नदी में मिल जाती है, अंतत मिसोरी गल्फ आफ मेक्सिको में अटलांटिक सागर से विलीन हो जाती है.लेक के किनारे विशेषकर फिशिंग ब्रिज के आस पास के कीचड वाले इलाके में सुबह शाम मूज देखने को मिल जाते हैं।

पार्क के अन्य आकर्षक स्थल

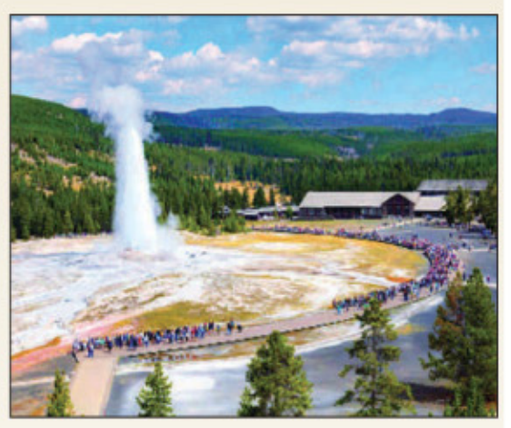

ओल्ड फैथफुल गाइजर

इस गाइजर को 1870 में वशबर्न और उनकी खोजी टीम ने ढूंढा था, इसका नामकरण इरप्शन की नियमितता को देखकर किया गया था. जब से यह खोजा गया है इसके 10 लाख से भी अधिक इरप्शन हो चुके हैं ! इरप्शन का अनुमान इतना सटीक होता है कि इसमें 10 से 20 मिनट का अंतर रहता है. विशेषज्ञों की माने तो एक बार के इरप्शन से 8,400 गैलन तक प्रवाहन होता है और स्रोत से निकलने वाले पानी का तापक्रम 204 डिग्री फारेनहाइट तक रहता है। गैस का तापमान 350 डिग्री फारेनहाइट तक पहुँच जाता है.

मैमथ हाट स्प्रिंग्स टेरेस

ये स्प्रिंग्स पश्चिमी प्रवेश द्वार के बिलकुल समीप ही हैं.दुनिया में कहीं भी मैमथ हाट स्प्रिंग्स जैसे फाउंटेन न तो प्रकृतिक रूप में देखने को मिलते हैं न ही कहीं मनुष्य द्वारा बनाये जा सके हैं। टेरेस की धवल और कहीं कहीं रंगीन चट्टानों से धीरे धीरे पानी बहता रहता है। ये स्प्रिंग प्रारम्भ से उन लोगों को आकर्षित करते रहे हैं जो अपनी विभिन्न बीमारियों का हल खनिज जालों में तलाशते रहे हैं। मैमथ हाट स्प्रिंग येलोस्टोन के गहरे वाल्कनीक बालों की बाह्य अभिव्यक्ति कहे जा सकते हैं, हालाँकि ये स्प्रिंग काल्डेरा क्षेत्र से बाहर हैं लेकिन फिर भी विशेषज्ञों की मने तो इनमें गर्म हवाओं का प्रवाहन येलोस्टोन के उन्हीं मग्नामैटिक प्रणाली से हैं जो यहाँ के अन्य तापीय क्षेत्रों को सक्रिय रखे हुए हैं.नारिस गाइजर बेसिन और मैमथ के बीच में फाल्ट लाइन है जिसके कारण उसके बीच में तापीय पानी बहता है.इस क्षेत्र में अनेक बासाल्ट इरप्शन हो चुके हैं, मैमथ क्षेत्र में गर्मी का स्रोत शायद बासाल्ट ही हैं।

तापीय गतिविधि इस इलाके में कई हजार वर्षों से जारी है, टेरेस पहाड़ी पर ट्रेवरटाइन की मोटी चादर चढ़ी हुई है. मैमथ हाट स्प्रिंग टेरेस उस पहाड़ी से जहाँ आज हमने इसे देखा आगे परेड ग्राउंड तक चले गए हैं और आगे जा कर बॉयलिंग नदी में मिल जाते हैं। देखा जाय तो मैमथ हाट स्प्रिंग होटल और फोर्ट येलोस्टोन पुरानी टेरेस संरचना पर ही बने हुए हैं.जब 1891 में जब फोर्ट की जमीन पर निर्माण कार्य प्रारम्भ हुआ था तो यह चिंता व्यक्त की गयी थी कि नीचे की खोखली हुई जमीन भवन का भर नहीं संभल पाएगी, आज भी परेड ग्राउंड में अनेक बड़े आकार के गहरे होल देखे जा सकते हैं।

ग्रैंड प्रिस्मैटिक

यह तो सही है कि ओल्ड फेथफुल ज्यादा प्रसिद्ध है लेकिन येल्लोस्टोन पार्क में सबसे ज्यादा फोटो ग्रैंड प्रिस्मैटिक हाट स्प्रिंग के लेते हैं , इसका कारण इसके चमचमाते इंद्रधनुषी रंग और इसका विशाल आकार है.पार्क अधिकारियों ने इसके इर्द गिर्द विशाल आकार का बोर्ड-वाक बनाया है हम इस बोर्ड-वाक पर चलते चलते चमकीले नीले, पीले और अन्य रंगों के इस स्प्रिंग को केवल मन्त्र मुग्ध हो कर निहारते रहे.अब तक प्रकृति का ऐसा नजारा कहीं भी देखने को है.ये स्प्रिंग्स 10 मंजली बिल्डिंग जितने गहरे हैं , अंदर दरकी हुई जमीन से पानी 121 फीट ऊपर उछाल मार कर आता है ग्रैंड प्रिस्मैटिक का आकार फुटबॉल के मैदान जितना बड़ा है , ग्रैंड प्रिस्मैटिक के विभिन्न किस्म के रंग अतिशय गर्म वातावरण में जीवित रहने वाले बैक्टीरिया के कारण है, बीच का नीला रंग सब रंगों में ज्यादा प्रधान है क्योंकि क्योंकि पानी नीली वेब-लेंथ को सबसे ज्यादा बिखराता है.जिसके कारण आँख को नीला रंग दिखता है.

येलोस्टोन इतना महत्वपूर्ण क्यों है

येलोस्टोन की प्राकृतिक प्रक्रिया पूरी तरह से संरक्षित तापीय इको प्रणाली में कार्यरत है और अभी तक इसमें मानवीय दखलंदाजी बहुत कम हुई है. इस लिए पृथ्वी के निर्माण और संचालन प्रक्रिया को समझने के लिए यह क्षेत्र आदर्श है, यही नहीं यहाँ 11,000 वर्षों से मानवीय गतिविधियां निर्बाध रूप से चल रही हैं इस लिए मानव जाती के इतिहास और वास्तुशिल्प का सिलसिलेवार लेखा जोखा मौजूद है. यहाँ भूगोलविद और अन्य वैज्ञानिक लैंडस्केप स्तर पर बदलाव से इको - प्रणाली पर प्रभाव से लेकर सूक्ष्म जीव संरचनाओं के अध्ययन में जुटे हुए हैं जिनका प्रभाव केवल पार्क ही नहीं पूरी दुनिया पर पड़ने वाला है.

प्रकृति की अपनी प्रयोगशाला

पृथ्वी की निचली सतह से पिघली हुई चट्टानें पिछले 20 लाख वर्षों से येलोस्टोन में ऊपरी सतह के बेहद करीब हैं जिसके कारण ऊपरी सतह के बहुत करीब कहीं पिघली तो कहीं ठोस चट्टानों के कक्ष बन गए हैं, पिघली चट्टानों की गर्मी से धरती की ऊपरी सतह लगातार फैलती और ऊंची उठती रहती है, इसी कारण इस क्षेत्र में भूकंप भी निरंतर आते रहते हैं.जगह जगह आये क्रैक्स में से पिघली चट्टानों की गर्मी, राख और गैस वायुमंडल तक फव्वारे जहाँ तहँ से निकलती रहती है.जहाँ जहाँ पिघले हुए लावा के भूमिगत चैम्बर खाली हो गए हैं वहां जमीन धंस गयी है और काल्डेरा यानी ज्वालामुख-कुंड बन गए हैं. कुल मिला कर येलोस्टोन में तीन विशाल काल्डेरा हैं जो भूगर्भ शास्त्रियों को इतने समीप से प्रकृति के रहस्यों का अध्ययन करने का अवसर प्रदान करते हैं.

प्रकृति का थर्मामीटर

येलोस्टोन में किये जा रहे अध्ययन से पता चला है कि प्रकृति में प्रतिकूल ताप पर भी जीवन संभव है, इससे लगता है कि अन्य ग्रहों पर भी किसी न किसी रूप में जीवन होने की संभावनाएं हैं. 1968 में शोधकर्ता थामस ब्रॉक ने पहली बार येलोस्टोन के उच्च तापीय स्प्रिंग में माइक्रोब खोज कर चिकित्सा और विज्ञान के क्षेत्र में धमाका किया था, इस शोध से जीवन सम्बन्धी अन्य रहस्यों को भी धीरे धीरे अनावृत करने का काम काफी आगे बढ़ा है.

मिडवे गाइजर बेसिन के अन्य गाइजर और पूल

येलोस्टोन के मध्य गाइजर बेसिन भले ही आकार में छोटे हैं लेकिंग उनमें काफी विविधता है , इनमें से हम एक्सेलसियर गाइजर, विशाल गाइजर क्रेटर, फिरोजी पूल और ओपल पूल देख पाए। फायर होल नदी के पास में घूमते हुए विविध किस्म के गैसीय पार्टिकल की गंध का अनुभव भी हुआ बताते हैं कि सन 1800 के आस पास एक्सेलसियर गाइजर से 300 फिट की ऊंचाई तक गैसीय पदार्थ निकला करते थे , इस पूरे क्षेत्र में इसी लिए घूमते समय पूरी सावधानी की सलाह दी जाती है क्या पता कब गैसीय पदार्थ फव्वारे की तरह निकल पड़ें ऐसा इसलिए भी कि 1985 में यहीं पर अचानक दो दिन तक लगातार इरप्शन हुआ जिसकी ऊंचाई 80 फिट तक नापी गयी।

मिडवे गाइजर बेसिन कहाँ हैं?

ये गाइजर ओल्ड फेथफूल से करीब ही उत्तर में हैं, यहाँ जाने के लिए हमने तो पश्चिम प्रवेश द्वार से ग्रैंड लूप रोड पर 25 मील ड्राइव किया, यहाँ दोपहर में जबरदस्त भीड़ रहती है , हमारे कुछ मित्रों ने सलाह दी थी कि सुबह सवेरे पहुंचना आसान है, उनकी सलाह मान कर हम इन्हे आराम से देख पाए.

येलोस्टोन का ग्रैंड कैनियन यहाँ का ग्रैंड कैनियन सच में देखने वाली जगह है , यह पार्क के उत्तरी पूर्वी किनारे पर है, समीप में छोटा सी आबादी कैनियन विलेज है.लगातार जंगल, पहाड़ देखते देखते यहाँ कुछ दुकानें, रेस्टॉरेंट , ठहरने के लिए कई लाज और पर्यटक केंद्र होने के कारण लगता है जैसे शहरी आबादी में पहुँच गए हों। ग्रैंड कैनियन हजारों वर्ष तक हवा, पानी और अन्य प्रकृतिक हलचलों का नतीजा है कैनियन 20 मील से भी अधिक लम्बा है और चौड़ाई कोई डेढ़ मील है, कैनियन की दीवारें 1000 फिट ऊंची हैं जिन्हे देख कर लगता है कि जैसे लाखों संगतराशों ने मिल कर इस अगढ़ रचना को मिल कर सैकड़ों हजारों साल में तराशा हो.इस कैनियन मार्ग से येलोस्टोन रिवर बहती है, यह व्योमिंग, मोनटाना, नार्थ डकोटा राज्यों से गुजर कर 600 मील का सफर तय करती है , यह पूरी तरह से स्वछंद है कहीं भी इस पर कोई डैम नहीं बनाया गया है। कैनियन विलेज के पास दो आब्सर्वेषां पाइंट हैं जहाँ से येलोस्टोन फॉल की विशालता और भव्यता को महसूस किया जा सकता है, फाल तक पहुँचने के लिए ट्रेल भी हैं, रास्ता जरा संकरा है, बहुत से सैलानी वहां जाने की हिम्मत नहीं जुटा पाते.

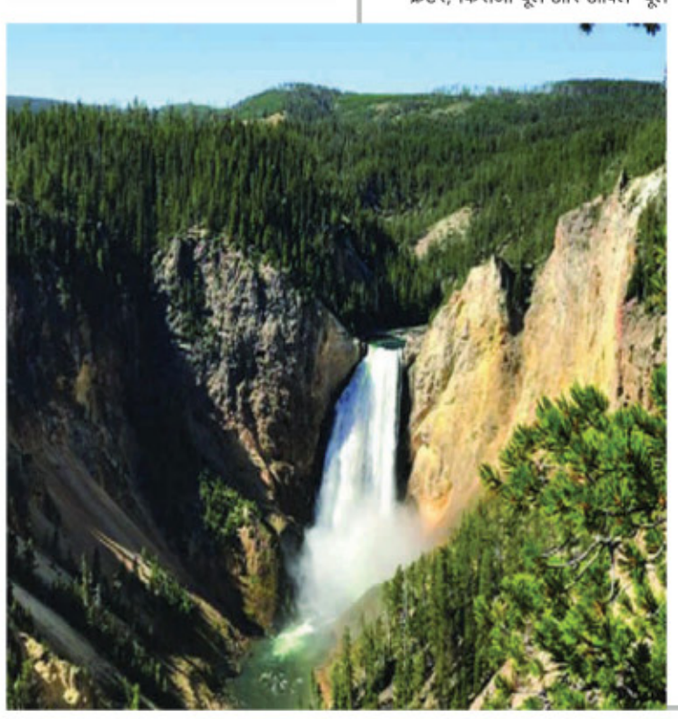

नारिस थर्मल गाइजर

नारिस गाइजर बेसिन येलोस्टोन पार्क के व्योमिंग क्षेत्र में हैं, ये पार्क का सबसे गर्म तापीय भाग है, इसमें तीन मुख्य बेसिन हैं :

पोर्सलीन - इसमें दूधिया रंग के भाप भरे परिदृश्य हैं जो 075 मील की धूल भरी ट्रेल और बोर्डवॉक कैस्केड के जरिये देखे जा सकते हैं, यहाँ तापीय गतिविधियों के कारण पेड़ एक दम सूख गए हैं।

बैक बेसिन - यह घने पेड़ों वाला क्षेत्र है जिसमें कई गाइजर और तापीय स्प्रिंग हैं , इसके चारों ओर 15 मील का धूल भरा ट्रेल और बोर्ड वाक है.

सौ स्प्रिंग वाला मैदान - यह नारिस गाइजर बेसिन का ट्रेल के बाहर का इलाका है, यहाँ की हवा में जबरदस्त अम्लीय उपस्थिति है, जमीन पोली और खतरनाक है इस लिए पार्क अधिकारी सैलानियों को यहाँ आने के लिए हतोत्साहित करते हैं.

नारिस बेसिन में सतह से 1000 फीट जबरदस्त भूगर्भीय तापीय गतिविधि चल रही है, नारिस तापीय प्रणाली में पार्क का सबसे अधिक तापक्रम 459 डिग्री फारेनहाइट रेकॉर्ड किया गया हैआश्चर्य की बात यह है कि इतने अधिक तापक्रम के बावजूद यहाँ सेजब्रश छिपकली आराम से रह लेती है.यहाँ अम्लीय ताल और उच्च तापक्रम वाले पानी के सतही किनारों पर हरे, गुलाबी और नारंगी रंग के अति सूक्ष्म जीव मर्ज से पनपते हैं, इन तालों से बहने वाले आयरन डाई आक्साइड, आर्सेनिक कम्पाउंड , सल्फर के कारन रंगों की छटा कुछ और निखार आती है, इन्ही के कारण पूरा क्षेत्र रंग बिरंगा नजर आता है.

ओल्ड फेथफुल इन

पार्क और उसके बाहर ठहरने के बहुत सारे विकल्प उपलब्ध हैं। हम पार्क के गेट से कोई 10 मील पहले रेनबो कैम्पिंग साइट पर एक आठ कमरे वाले बड़े घर में रुके थे जो काफी आरामदेह और किफायती रहा.लेकिन येलोस्टोन में ठहरने के लिए सबसे बेहतरीन जगह ओल्ड फेथफुल इन है जो ओल्ड फेथफुल गाइजर के ठीक सामने है। इसे राबर्ट सी रीमार ने 1904 में डिजाइन किया था , उस जमाने में यह 1,40,000 डालर की लागत में तैयार हुआ था.यह दुनिया भर में विशालतम लॉग स्टाइल संरचना है, इसकी लॉबी 74 फीट ऊंची है.इसमें लकड़ी के अलावा ज्वालामुखी से निकले हुए पदार्थों का भी इस्तेमाल किया गया है। यहाँ आने वाले सैलानियों में होटल में ठहरने से लेकर भोजन करने के लिए जबरदस्त क्रेज है. होटल पिछले सौ वर्षों से अतिथि सेवा और अच्छे भोजन के लिए सैलानियों में क्रेज से कम नहीं है.पूरी लकड़ी की संरचना होने के बावजूद इस होटल में ठहरने के लिए 140 कमरे मुख्य संरचना में हैं.1914 और 1927 में भवन विस्तार किये जाने परयहाँ कुल मिला कर 300 कमरे हो चुके हैं.होटल मई में खुलता है और अक्टूबर के प्रारम्भ तक खुला रहता है.

पार्क का वन्य जीवन

पार्क में वन्य जीवन भी काफी विविधता से भरा है काले और ग्रिजली भालू, यल्क, बायसन तो हैं ही साथ ही स्तनपायी जीवों की 60 से भी अधिक किस्में मौजूद हैं। पार्क में पक्षी जीवन भी काफी विविधता भरा है , यहाँ बाल्ड ईगल,ब्लैक बिलड मैगपाई, ग्रे जे, कव्वे का बड़ा भाई रैवेन, ऑस्प्रे, कनाडियन गीस, मैलर्ड डक, ट्रम्पेटर हंस, सफेद पेलिकन, पहाड़ी ब्लू बर्ड बहुतायत से पाए जाते हैं.

हम पीकेएल में एक बार में एक गेम पर ध्यान देते हैं : मनप्रीत सिंह

एजेंसी

नोएडा। हरियाणा स्टीलर्स प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 11 में अब तक शानदार फॉर्म में है और अपने प्रदर्शन की बदौलत वह तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है। लगातार पांच जीत के साथ हरियाणा ने खुद को प्वाइंट टेबल के शीर्ष पर मजबूत किया है। हरियाणा स्टीलर्स के लगातार अच्छे प्रदर्शन के बारे में बात करते हुए कोच मनप्रीत सिंह ने पीकेएल की ओर से जारी बयान में कहा, हम पीकेएल में एक बार में एक गेम पर ध्यान देते हैं। इसमें 22 गेम हैं और हम हर गेम के लिए तैयारी करते हैं। हम जीत की लय पर बहुत ज्यादा ध्यान नहीं देते। पीकेएल युवा खिलाड़ियों के लिए एक बेहतरीन प्लेटफ़ॉर्म है और उन्हें अच्छा प्रदर्शन करते देखना बहुत अच्छा लगता है। एक कोच के तौर पर युवा खिलाड़ियों के साथ काम करना बहुत अच्छा लगता है और मैं भी थोड़ा युवा महसूस करता हूं। हरियाणा स्टीलर्स के लिए, उनकी डिफेंसिव यूनिट हमेशा की तरह मजबूत रही है। तमिल थलाइवाज के खिलाफ खेल में, डिफेंडरों ने अंतिम मिनटों में खेल पर नियंत्रण करके जीत को सुनिश्चित किया। खेल के उस चरण को याद करते हुए, कप्तान जयदीप दहिया ने कहा, यह एक अच्छी जीत थी और हम एक टीम के रूप में बहुत खुश हैं। हम शुरुआत में थोड़ा जल्दबाजी कर रहे थे, फिर अंत में रक्षात्मक रूप से चीजों को नियंत्रित करने में सक्षम थे जिससे हमें जीत हासिल करने में मदद मिली।

कोकीन का सेवन करने के कारण कीवी तेज गेंदबाज डग ब्रेसवेल पर लगा एक महीने का प्रतिबंध

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज डग ब्रेसवेल को कोकीन का सेवन करने के कारण एक महीने के लिए क्रिकेट से प्रतिबंधित कर दिया गया है। 34 वर्षीय ब्रेसवेल को इस साल जनवरी में सेंट्रल स्टैग्स और वेलिंगटन के बीच खेले गए टी20 मैच के बाद प्रतिबंधित पदार्थ के लिए पॉजिटिव पाया गया था। ब्रेसवेल ने गेंद से 21 रन देकर 2 विकेट चटकाने के साथ ही बल्ले से सिर्फ 11 गेंदों पर 30 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता था। स्पोर्ट्स इंटीग्रिटी कमीशन ते काहू रौनुई ने ब्रेसवेल पर प्रतिबंध लगाया। हालांकि, यह भी पाया गया कि कोकीन का सेवन टूर्नामेंट शुरू होने से पहले किया गया था और इसलिए, उसे कम सजा मिली। गेंदबाज द्वारा पदार्थ के उपयोग को संबोधित करने के लिए एक उपचार कार्यक्रम पूरा करने के बाद सजा जो शुरू में तीन महीने की थी, उसे घटाकर एक महीने कर दिया गया। एक महीने का निलंबन अप्रैल 2024 तक वापस कर दिया गया और परिणामस्वरूप, गेंदबाज ने पहले ही अपना प्रतिबंध पूरा कर लिया है, जिससे उसे किसी भी समय क्रिकेट खेलना फिर से शुरू करने की अनुमति मिल गई है।

आईओए के सहयोग से ऐतिहासिक खो-खो विश्व कप की मेजबानी करेगा भारत

नई दिल्ली। भारत 13 से 19 जनवरी, 2025 तक नई दिल्ली के प्रतिष्ठित आईजीआई स्टेडियम में पहली बार खो-खो विश्व कप की मेजबानी करने के लिए तैयार है, जो पारंपरिक खेलों की दुनिया में एक ऐतिहासिक क्षण है। टूर्नामेंट को बढ़ावा देने के लिए, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने आधिकारिक तौर पर भारतीय खो-खो महासंघ (केकेएफआई) के साथ अपनी साझेदारी की पुष्टि की है, और इस आयोजन के लिए अटूट समर्थन का वादा किया है। केकेएफआई अध्यक्ष सुधांशु मित्तल को दिए गए एक बयान में, आईओए अध्यक्ष डॉ. पीटी उषा ने खो-खो जैसे स्वदेशी खेलों को बढ़ावा देने के लिए एसोसिएशन की दृढ़ प्रतिबद्धता व्यक्त की। आईओए ने टूर्नामेंट की दृश्यता बढ़ाने, अधिकतम पहुंच और सफलता सुनिश्चित करने के लिए व्यापक समर्थन प्रदान करने की प्रतिबद्धता जताई है। आईओए अध्यक्ष डॉ. पीटी उषा ने कहा, हम अपनी सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाने और पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने में इस आयोजन के महत्व को पहचानते हैं, और हम टूर्नामेंट की सफलता सुनिश्चित करने के लिए भारतीय खो-खो महासंघ के साथ सहयोग करने के लिए तत्पर हैं। साथ मिलकर, हमारा लक्ष्य इस आयोजन को यादगार और प्रभावशाली बनाना है, प्रतिभागियों के बीच खेल भावना को प्रोत्साहित करना और दुनिया भर में खो-खो के लिए गहरी प्रशंसा को बढ़ावा देना है।

यूएसपीएल सीजन 3: शुभम रंजने होंगे मैरीलैंड मेवरिक्स के कप्तान

फ्लोरिडा। फ्लोरिडा के ब्रोवार्ड काउंटी स्टेडियम में शुरू हो रहे यूनाइटेड स्टेट्स प्रीमियर लीग (यूएसपीएल) सीज़न 3 के लिए शुभम रंजने मैरीलैंड मेवरिक्स टीम के कप्तान होंगे, जबकि नोस्टुश केनजिगे (नोश) उनके डिप्टी होंगे। मेवरिक्स की टीम अपना पहला मैच अटलांटा ब्लैककैप्स के खिलाफ 22 नवंबर को खेलेगी। 22 नवंबर से शुरू रहे क्रिकेट के इस महाकुंभ का पहला मैच कैरोलिना इंगल्स और कैलिफोर्निया गोल्डन इंगल्स के बीच खेला जाना है, जबकि इसी दिन दूसरा मैच मैरीलैंड मेवरिक्स और अटलांटा ब्लैककैप्स के बीच देखने को मिलेगा। मैरीलैंड मेवरिक्स ने पुणे में जन्मे 30 वर्षीय शुभम रंजने को अपनी टीम की कमान सौंपी है। इस बारे में शुभम ने कहा, किसी भी टीम का नेतृत्व करना हमेशा ही बड़ी बात होती है और यह मेरे लिए भी गर्व का विषय है। प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के एक समूह का नेतृत्व करना, खेलों के लिए रणनीति बनाना और अपनी टीम को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करना बहुत बड़ी जिम्मेदारी है।

नडाल ने अपने आखिरी टूर्नामेंट से पहले राष्ट्रीय टीम पर ध्यान केंद्रित किया

एजेंसी

मलागा। डेविस कप स्पेन के टेनिस स्टार राफेल नडाल के शानदार करियर का आखिरी टूर्नामेंट होगा। 38 वर्षीय, 22 बार ग्रैंड स्लैम जीतने वाले नडाल, चोटों के खिलाफ बढ़ती मुश्किल लड़ाई के साथ टूर्नामेंट के बाद टेनिस से संन्यास ले लेंगे। टूर्नामेंट से पहले नडाल ने एक खचाखच भरी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैं यहां संन्यास लेने के लिए नहीं आया हूं। मैं यहां टीम को जीतने में मदद करने के लिए आया हूं। यह एक टीम प्रतियोगिता है और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम सभी को इस बात पर ध्यान केंद्रित करना है कि हमें क्या करना है - यानी टेनिस खेलना और इसे बहुत अच्छे से करना।

जब उनसे पूछा गया कि क्या वह अपनी भावनाओं को नियंत्रित कर पाएंगे, उन्होंने कहा, भावनाएं अंत में होंगी। मुझे नहीं पताः यह ऐसा कुछ नहीं है जिसका मैं पूर्वानुमान लगा सकता हूँ महत्वपूर्ण बात यह है कि टीम की मदद करें, ध्यान केंद्रित करें और चीजों को अच्छी तरह से करें। हमारे प्रतिद्वंद्वी और परिस्थितियाँ बहुत कठिन हैं, और आपको जो करना है उस पर ध्यान केंद्रित करना होगा। नडाल ने कहा कि वह अपने रिटायरमेंट से पहले इस सप्ताह का आनंद ले रहे हैं। उन्होंने कहा, मुझे पता है कि इसका मतलब मेरे जीवन में एक बड़ा बदलाव है, लेकिन मुझे नहीं पता कि भविष्य में क्या होगा। स्पेन की टीम डेविस कप फाइनल में नीदरलैंड के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी, और अगर वे जीत दर्ज करते हैं तो शुक्रवार के सेमीफाइनल में उनका सामना जर्मनी या कनाडा से होगा। स्पेन के कप्तान डेविड फेरर ने कहा कि उन्हें अभी तक नहीं पता कि नडाल खेलेंगे या नहीं।कप्तान ने बताया, कल आपको पता चल जाएगा। फिलहाल, मैंने यह तय नहीं किया है कि कौन से खिलाड़ी खेलेंगे।

अगर नडाल पूरी तरह से फिट नहीं होते हैं, तो फेरर के अनुसार, रॉबटों बॉतिस्ता अगुत या पेड्रो मार्टिनेज कार्लोस अल्काराज़ के साथ एकल खेलेंगे। नडाल ने अगस्त की शुरुआत में ओलंपिक खेलों में नोवाक जोकोविच से हारने के बाद से कोई प्रतिस्पर्धी मैच नहीं खेला है।

टोटेनहम के मिडफील्डर बेंटानकुर पर नस्लीय टिप्पणी के लिए लगा सात मैचों का प्रतिबंध

एजेंसी

लंदन। टोटेनहम के मिडफील्डर रोड्रिगो बेंटानकुर को इंग्लिश फुटबॉल एसोसिएशन (एफए) ने अपने दक्षिण कोरियाई साथी सोन ह्युंग-मिन के खिलाफ नस्लीय टिप्पणी करने के लिए सात मैचों के लिए प्रतिबंधित कर दिया है और 100,000 पाउंड (126,000 अमेरिकी डॉलर) का जुर्माना लगाया है।खिलाड़ी पर आरोप है कि उसने अपने देश में एक टीवी कार्यक्रम में नस्लीय टिप्पणी की थी, लेकिन चूंकि यह घटना उसके अपने समय में हुई थी, न कि उसकी राष्ट्रीय टीम के साथ, इसलिए उसे दंडित करना एफए के अधिकार क्षेत्र में आता है। निलंबन का मतलब है कि 27 वर्षीय उरुग्वे का अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी मैनचेस्टर सिटी, लिवरपूल और चेल्सी के खिलाफ़ महत्वपूर्ण मैच नहीं खेल पाएगा। यह निलंबन केवल घरेलू मैचों पर लागू होगा, जिसका मतलब है कि वह यूरोपा लीग में अपने क्लब के लिए खेल सकेगा। एफए ने प्रतिबंध की पुष्टि करते हुए एक विज्ञप्ति में कहा, रोड्रिगो बेंटानकुर ने इस आरोप से इनकार किया, लेकिन स्वतंत्र नियामक आयोग ने इसे साबित पाया और सुनवाई के बाद उस पर प्रतिबंध लगा दिया। बेंटानकुर ने सोन के बारे में अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगते हुए कहा कि वह एक बहुत बुरा मजाक था।

ऑस्ट्रेलिया वनडे के लिए भारतीय महिला टीम घोषित, शैफाली बाहर, हरलीन की वापसी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय महिला चयन समिति ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए में 16 सदस्यीय भारतीय महिला क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी है, जिसका नेतृत्व हरमनप्रीत कौर करेंगी। सलामी बल्लेबाज शैफाली वर्मा को बाहर कर दिया गया है, जबकि हरलीन देओल लगभग एक साल के बाद राष्ट्रीय टीम में वापसी कर रही हैं। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय टीम तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला खेलेगी। शैफाली ने इस साल छह मैचों में सिर्फ 108 रन बनाए हैं, जिसमें सबसे ज्यादा 33 रन हैं। चार अन्य खिलाड़ी - उमा छेत्री, दयालन हेमलता, श्रेयंका पाटिल और सयाली सतघरे - को भी पिछले महीने अहमदाबाद में न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की 2-1 घरेलू श्रृंखला जीत में खेलने वाली टीम से बाहर कर दिया गया है। देओल ने आखिरी बार दिसंबर 2023 में भारत के लिए खेला था। उन्हें इस सीज़न में दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के लिए टीम में शामिल

नहीं किया गया था। पहले दो एकदिवसीय मैच क्रमशः 5 दिसंबर और 8 दिसंबर को ब्रिस्बेन के एलन बॉर्डर फील्ड में आयोजित किए जाएंगे, श्रृंखला का आखिरी मैच 11 दिसंबर को वाका ग्राउंड, पर्थ में खेला जाएगा। यह सीरीज आईसीसी महिला चैंपियनशिप का हिस्सा है।

तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारत की टीम:

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), प्रिया पुनिया, जेमिमा रोड्रिग्स, हरलीन देयोल, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), ऋचा घोष (विकेटकीपर), तेजल हसब्निस, दीप्ति शर्मा, मिन्नू मणि, प्रिया मिश्रा, राधा यादव, तितास साधु , अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, साइमा ठाकोर।

पोलैंड को रोमांचक मुकाबले में 2-1 से हराकर बिली जीन किंग कप के फाइनल में पहुंचा इटली

एजेंसी

मालागा। इतालवी ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता सारा इरानी और जैस्मीन पाओलिनी ने कैटरज़ीना कावा और इगा स्विएटेक को हराकर पोलैंड पर 2-1 से रोमांचक जीत हासिल की और इटली को लगातार दूसरे वर्ष बिली जीन किंग कप के फाइनल में पहुंचा दिया।

लूसिया ब्रोंज़ेटी ने मैग्डा लिनेट पर 6-4, 7-6(3) एकल जीत के साथ इटालियंस को आगे कर दिया लेकिन इसके बाद एकल में स्विएटेक ने पाओलिनी को 2 घंटे और 36 मिनट तक चले मुकाबले में 3-6, 6-4, 6-4 से हराया और पोलैंड को बराबरी दिला दी। इसके बाद निर्णायक युगल मुकाबले में इतालवी ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता सारा इरानी और जैस्मीन पाओलिनी का सामना कैटरज़ीना कावा और इगा स्विएटेक से हुआ। यह मुकाबला मंगलवार सुबह तक चला। पोलिश जोड़ी ने पेरिस 2024 ओलंपिक चैंपियन इरानी और पाओलिनी के खिलाफ शानदार मुकाबला किया। इटालियंस ने पहले

सेट में तीन सेट पॉइंट बचाए, और दूसरे सेट में 5-1 की कमी से उबरते हुए, अंततः 7-5, 7-5 से जीत हासिल की और सातवीं बार और लगातार दूसरे साल फाइनल में प्रवेश किया। पिछले साल इटली को फाइनल में कनाडा से हार का सामना करना पड़ा था। मैच के बाद पाओलिनी ने कहा, यह कठिन था, तीव्रता बहुत अधिक थी, मैं बहुत थक गई थी लेकिन मुझे अपना सबकुछ अपनी टीम और अपने देश को देना था। सिंगल्स में इगा से हारने के बाद मैं दुखी थी, लेकिन मैं लॉकर रूम में गई और सकारात्मक रहने की कोशिश की, क्योंकि मुझे पता था कि मेरे साथियों को मेरी ज़रूरत है। बुधवार के फ़ाइनल में इटली का सामना ब्रिटेन या स्लोवाकिया से होगा, जो मंगलवार को दूसरे सेमीफ़ाइनल में एख दूसरे से भिड़ेंगे।

आयरलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए शर्मिन अख्तर, जहांआरा आलम की बांग्लादेश टीम में वापसी

एजेंसी

ढाका। आयरलैंड के खिलाफ आगामी तीन मैचों की एकदिनी सीरीज के लिए शर्मिन अख्तर और जहांआरा आलम की बांग्लादेश टीम में वापसी हुई है। इस बीच, ताज नेहर और संजीदा अख्तर को पहली बार वनडे टीम में शामिल किया गया है।

शर्मिन इस साल की शुरुआत में टी20 विश्व कप से चूक गई थीं और उन्होंने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट जुलाई 2023 में भारत के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज के दौरान खेला था। 28 वर्षीय शर्मिन ने 2011 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से 35 वनडे और 16 टी20 मैच खेले हैं। जहाँआरा की बात करें तो वह बांग्लादेश की

उन तीन खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्होंने कम से कम 50 महिला वनडे मैच खेले हैं। जहाँआरा ने 52 मैचों में 30.39 की औसत से 48 विकेट लिए हैं। मध्यक्रम की बल्लेबाज ताज नेहर ने अक्टूबर में महिला टी20 विश्व कप में अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया, जबकि बाएं हाथ की स्पिनर संजीदा ने 18 टी20 मैच खेले हैं। इस साल अप्रैल में ऑस्ट्रेलिया सीरीज के बाद यह बांग्लादेश की पहली वनडे सीरीज है।

उस टीम से चयनकर्ताओं ने फरजाना अख्तर, सुमैया अख्तर, दिशा बिस्वास और निशिता अख्तर को बाहर रखा है। बांग्लादेश ने आयरलैंड के खिलाफ छह में से तीन वनडे जीते हैं। उन्होंने दोनों पक्षों के बीच पिछली द्विपक्षीय सीरीज 2016 में जीती थी। इस बार वे 27 और 30 नवंबर और 2 दिसंबर को ढाका में तीन वनडे खेलेंगे। वे 5, 7 और 9 दिसंबर को सिलहट में तीन टी20 मैच भी खेलेंगे। अक्टूबर में यूएई में आयोजित महिला टी20 विश्व कप के बाद यह बांग्लादेश की पहली अंतरराष्ट्रीय सीरीज है।

बांग्लादेश वनडे टीम-

निगार सुल्ताना (कप्तान), नाहिदा अख्तर, मुर्शिदा खातून, फरगाना हक, शर्मिन अख्तर, शोभना मोस्तरी, शोर्ना अख्तर, रितु मोनी, राबेया खान, फाहिमा खातून, मारुफा अख्तर, जहांआरा आलम, सुल्ताना खातून, ताज नेहर, संजीदा अख्तर।

इंग्लैंड की सफेद गेंद टीम से बाहर होंगे कार्ल हॉपकिंसन, रिचर्ड डॉसन

एजेंसी

लंदन। इंग्लिश पुरुष क्रिकेट टीम के सहायक कोच कार्ल हॉपकिंसन और रिचर्ड डॉसन व्हाइट-बॉल कोचिंग सेटअप से हट जाएंगे, इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने रविवार (17 नवंबर) को उक्त पुष्टि की। यह कदम व्हाइट-बॉल टीमों के लिए कोचिंग समूह के पुनर्गठन का हिस्सा है, जिसमें ब्रेंडन मैकुलम जनवरी से ऑल-फॉर्मेट कोच के रूप में कार्यभार संभालेंगे।हॉपकिंसन 2019 में घरेलू धरती पर इंग्लैंड की वनडे विश्व कप जीत के साथ-साथ 2022 में ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप की सफलता में शामिल थे, जबकि डॉसन-जो पहले इंग्लैंड यंग लायंस के कोच थे- ऑस्ट्रेलिया में उन जीतों में से बाद की जीत का हिस्सा थे।पिछले 12 महीनों में भारत और यूएसए-वेस्टइंडीज में खिताब बचाने में दो बार विफल होने के कारण इंग्लैंड की व्हाइट-बॉल वापसी में भारी गिरावट आई है, जिसके कारण इस साल की शुरुआत में तत्कालीन मुख्य कोच मैथ्यू मॉट ने इस्तीफा दे दिया था। क्रिकेट निदेशक रॉब की ने कहा, हॉपो और डॉस दो बेहतरीन कोच हैं जिन्होंने हमारी व्हाइट-बॉल टीमों की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हमारी सीनियर टीमों के साथ उनकी कोचिंग विशेषज्ञता के अलावा उन्होंने हमारी व्हाइट-बॉल टीमों के अगले युग की स्थापना में मदद करने के लिए आयु समूहों के माध्यम से युवा खिलाड़ियों को भी विकसित किया है। उनकी वजह से इंग्लैंड क्रिकेट बेहतर स्थिति में है और मैं उनके करियर के अगले अध्याय में उनकी अच्छी किस्मत की कामना करता हूँ।

मिक्स्ड मार्शल आर्ट (एमएमए) के मुकाबले की मेजबानी करेगा लखनऊ

एजेंसी

लखनऊ। नवाबों का शहर लखनऊ आने वाले समय में दुनिया के सबसे रोमांचक खेल में शुमार मिक्स्ड मार्शल आर्ट (एमएमए) के मुकाबले की मेजबानी करेगा। मार्शल आर्ट के प्रति समर्पण और जुनून से प्रेरित एक संस्था कॉम्बैट क्रीड चैंपियनशिप (केसीसी) के द्वारा 'केसीसी फाइटनाइट' का आयोजन आगामी एक दिसंबर को चौक स्टेडियम, लखनऊ में होगा, जहां एक्शन से भरपूर मिक्स्ड मार्शल आर्ट का रोमांचक प्रदर्शन होगा। इस रोमांचक फाइटनाइट में भारतीय एमएमए के चमकते सितारे हिस्सा लेंगे। लखनऊ में पहली बार रोमांचक एमएमए के मुकाबलों की मेजबानी कर रही कॉम्बैट क्रीड चैंपियनशिप (केसीसी) द्वारा आयोजित इस फाइटनाइट में प्रोफेशनल और एमेच्योर फाइटर्स अपनी-अपनी श्रेणियों में एक-

दूसरे के खिलाफ खिताबी मुकाबले के लिए लड़ेंगे। इसमें रुद्र राणा, सिद्धांत सिंह धामी, रायात रिज़वी, हुसैफा अमीन जैसे बड़े फैन फॉलोइंग वाले प्रसिद्ध फाइटर्स अपनी निपुणता और तकनीक से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने को तैयार है। केसीसी फाइटनाइट मार्शल आर्ट की विभिन्न शैलियों जैसे कराटे, किकबॉक्सिंग, जिउ-जित्सु, ताइक्वांडो आदि के फाइटर्स के लिए एक मंच होगा साथ ही यह एमेच्योर फाइटर्स के लिए प्रोफेशनल बनने का प्लेटफॉर्म भी होगा। इस दौरान विशेषज्ञों की निगरानी में फाइट्स कराई जाएंगी। एमएमए फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा मान्यता प्राप्त इस फाइट को विश्व प्रसिद्ध टापोलॉजी रैंकिंग सिस्टम में रैंकिंग का मौका मिलेगा। केसीसी के संस्थापक और आयोजक डॉ. आदर्श कुमार (प्रसिद्ध ऑर्थोपेडिक सर्जन) और डॉ. रोहित नंदा (प्रसिद्ध नेत्र सर्जन) बताते है कि मार्शल आर्ट्स के प्रति साझा जुनून के चलते कॉम्बैट क्रीड चैंपियनशिप की शुरुआत हुई। यह प्राकृतिक तकनीकों से स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने और पीढ़ियों को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का माध्यम है। केसीसी फाइटनाइट के टिकट अब पेटीएम इनसाइडर पर बिक्री के लिए उपलब्ध हैं और यह इवेंट लखनऊ के उत्साही दर्शकों के लिए ऊर्जा और मनोरंजन से भरपूर होगा।

पीकेएल-11 : बेंगलुरू बुल्स पर रोमांचक जीत के साथ अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंचा यू मुंबा

एजेंसी

नोएडा। नोएडा इंडोर स्टेडियम में यू मुंबा और बेंगलुरू बुल्स के बीच हुए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 62वें मैच को अगर सीजन का अब तक का सबसे रोमांचक मैच कहा जाए तो गलत नहीं होगा। शुरुआत से ही दोनों टीमों के बीच आगे निकलने की होड़ लगी रही और यह होड़ अंतिम 10 सेकेंड तक जारी रही लेकिन मुंबा ने आखिरकार एक सुपर टैकल के दम पर 38-37 के अंतर से जीत हासिल कर ली। मुंबा की जीत मे अजीत चव्हाण (10), मंजीत (9), जफरदानेश और सुनील (4-4 अंक) तथा परवेश भैंसवाल (3) का अहम योगदान रहा। परवेश ने ही अंतिम मिनट में सुपर टैकल को अंजाम देकर मुंबा को दो अंक की लीड दिलाई थी। बुल्स के लिए

जीत ने मुंबा को अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंचा दिया है। अच्छा खेलने के बावजूद बुल्स को 11 मैचों में नौवीं और लगातार चौथी हार मिली। परदीप की बदौलत बुल्स तीन मिनट के बाद 3-2 से आगे थे लेकिन सुनील ने सुशील को डू ओर डाई रेड पर लपक स्कोर बराबर कर दिया। पांच मिनट के बाद स्कोर 4-4 था। इसके बाद दोनों टीमें अगले पांच मिनट तक डू ओर डाई रेड पर खेलीं। अजीत चव्हाण के सुपर रेड की बदौलत मुंबा ने एक समय 10-5 की लीड बना ली थी। अजीत और सुशील ने बुल्स की वापसी कराते हुए 10 मिनट के बाद स्कोर 9-11 कर दिया। मुंबा के लिए सुपर टैकल आन था और ब्रेक के बाद जफरदानेश ने सुशील का शिकार कर उसे दो अंक दिला दिए। बुल्स ने फिर मुंबा को 2 खिलाड़ियों तक सीमित किया और फिर परदीप ने सुनील और सोमवीर का शिकार कर बुल्स को आलआउट कर दिया। अब स्कोर 15-15 था। परदीप ने आलइन के बाद जफर व परवेश का भी शिकार कर लिया। परदीप लगातार बुल्स के डिफेंस में सेंध लगा रहे थे। दो अंक की एक और रेड के साथ परदीप ने स्कोर 20-18 कर दिया। मंजीत ने हालांकि लगातार दो अंक ले स्कोर बराबर किया। फिर सोमवीर ने परदीप का शिकार कर हाफटाइम तक मुंबा को 21-20 की लीड दिला दी। हाफटाइम के बाद तीन मिनट के खेल में दोनों टीमों को 2-2 अंक मिले। नितिन ने हालांकि अजीत को लपक स्कोर 23-23 कर दिया।

ट्रिपल आईटी इलाहाबाद बना ओवरआल चैम्पियन

एजेंसी

प्रयागराज। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान इलाहाबाद (ट्रिपल आईटी) में आयोजित प्रथम अंतर आईआईआईटी कर्मचारी खेल प्रतियोगिता में ट्रिपल आईटी इलाहाबाद ओवरआल चैम्पियन बना। जबकि आईआईआईटी कुरनूल ने दूसरा और आईआईआईटी जबलपुर ने तीसरा स्थान हासिल किया। संस्थान के पीआरओ डॉ. पंकज मिश्र ने बताया कि इस तीन दिवसीय कार्यक्रम ने विभिन्न भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थानों में कर्मचारियों के बीच सौहार्द और खेल भावना को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ। इस कार्यक्रम में आठ आईआईआईटी संस्थानों ने भाग लिया। जिसमें प्रत्येक संस्थान ने विभिन्न खेल स्पर्धाओं में प्रतिस्पर्धा करने के लिए टीमों का गठन किया। प्रमुख आईआईआईटी में कांचीपुरम, जबलपुर, कुरनूल, ग्वालियर, नागपुर, रांची, कल्याणी और इलाहाबाद के लगभग 184 कर्मचारियों ने कुल 12 खेलों में हिस्सा लिया।

प्रतियोगिता में प्रतिभागियों की एथलेटिक क्षमता और टीम वर्क का प्रदर्शन किया। इस प्रथम खेल महोत्सव में चैम्पियनशिप ट्रॉफी आईआईआईटी इलाहाबाद ने जीती, जिसने पहला स्थान हासिल किया। ट्रिपल आईटी इलाहाबाद ने एथलेटिक्स, एक्वेटिक चैम्पियनशिप, क्रिकेट आदि जीती बैडमिंटन (पुरुष) में आईआईआईटी कुरनूल के चंद्रशेखर ने किशोर आईआईआईटी कांचीपुरम को हराकर पहला स्थान प्राप्त किया। प्रज्ञा शुक्ला आईआईआईटी ग्वालियर ने इसी संस्थान की अनुवेदिता सिंह को हराकर महिला एकल जीता। शतरंज स्पर्धा में डॉ. कोर्रा सत्य बाबू, आईआईआईटी कुरनूल ने पहला स्थान, डॉ. यशपाल सिंह कथरिया, आईआईआईटी जबलपुर ने दूसरा स्थान और डॉ. नीरज के. जायसवाल आईआईआईटी जबलपुर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। वॉलीबॉल स्पर्धा में कांचीपुरम ने पहला, ग्वालियर ने दूसरा और कुरनूल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। फुटबॉल में जबलपुर ने कांचीपुरम को हराया जबकि इलाहाबाद ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। टेबल टेनिस एकल पुरुष में, कुरनूल के नोएल ने पहला पुरस्कार जीता। ऐश्वर्या नागपुर और अब्दुल्ला इलाहाबाद ने दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया। टी.टी. एकल महिला वर्ग में पायल, रांची ने प्रथम, तनुजा जबलपुर ने द्वितीय तथा प्रज्ञा शुक्ला ग्वालियर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। रस्साकशी में इलाहाबाद ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। उसके बाद कांचीपुरम तथा ग्वालियर ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। कैरम में इलाहाबाद ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 100 मीटर पुरुष वर्ग में कुरनूल के राजेश ने प्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि कांचीपुरम के अर्जुनन तथा जबलपुर के परीक्षित ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। बास्केटबॉल में कांचीपुरम ने प्रथम, कुरनूल ने द्वितीय तथा इलाहाबाद ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लॉन टेनिस में कुरनूल ने प्रथम, कुरनूल ने द्वितीय तथा ग्वालियर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। क्रिकेट में इलाहाबाद ने प्रथम, इसके बाद जबलपुर तथा कांचीपुरम ने क्रमशः प्रथम स्थान प्राप्त किया। ट्रिपल आईटी के संकाय प्रभारी (खेल) डॉ. बी. शांति भूषण ने कहा कि अंतर आईआईआईटी कर्मचारी खेल मीट ने देश के आठ भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईआईटी) के कर्मचारियों को खेलों में मैत्रीपूर्ण और उत्साही प्रतिस्पर्धा के लिए एक साथ प्लेटफार्म पर लेन में सफल रहा। ट्रिपल आईटी इलाहाबाद, प्रथम अंतर आईआईआईटी कर्मचारी खेल मीट में समग्र चैम्पियन के रूप में उभरा जिसने पूरे प्रतियोगिता के दौरान असाधारण एथलेटिक कौशल और टीम भावना का प्रदर्शन किया।

भारत के करोड़ों लोगों का टूटा सपना

रिया सिंघा

रेस से बाहर

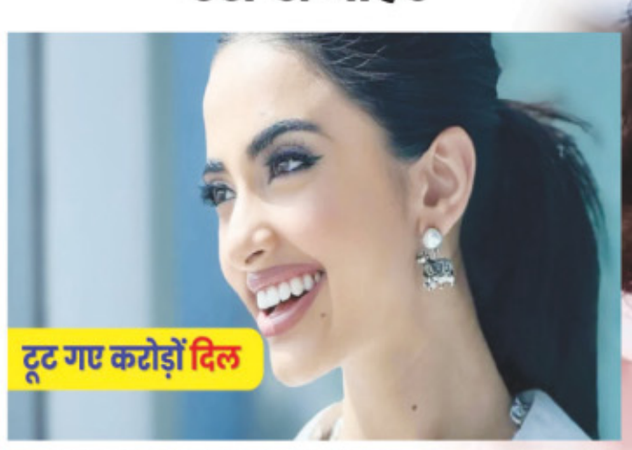

दुनियाभर के लोगों की नजरें फिलहाल मिस यूनिवर्स 2024 के खिताब पर टिकी हुई हैं. इस साल भारत को रिया सिंघा रिप्रेजेंट कर रही हैं, जो कि मिस यूनिवर्स इंडिया 2024 का खिताब जीत चुकी हैं. टॉप 30 में रिया को देखने के बाद लोगों ने चौथी बार इतिहास रचे जाने की उम्मीद लगा रखी थी, जो कि अब टूट चुकी है क्योंकि रिया टॉप 12 में जगह बनाने में कामयाब नहीं रहीं और मिस यूनिवर्स 2024 की रेस से बाहर हो गईं.73वां मिस यूनिवर्स 2024 ब्यूटी पेजेंट मेक्सिको में ऑर्गेनाइज किया गया, जो कि भारत में यानी 17 नवंबर की सुबह 6.30 बजे से टेलीकास्ट किया है. मिस यूनिवर्स 2024 के टॉप 12 की घोषणा की गई है, जिसमें भारत की रिया का नाम शामिल नहीं है बल्कि इसमें बोलीविया, मैक्सिको, वेनेजुएला, अर्जेंटीना, प्यूर्टो रिको, नाइजीरिया, रूस, चिली, थाईलैंड, डेनमार्क, कनाडा और पेरू के कंटेस्टेंट का नाम शामिल है.

टॉप 5 कंटेस्टेंट के नाम की घोषणा

मिस यूनिवर्स 2024 कंपटिशन के अपडेट की बात करें तो, अभी तक टॉप 5 कंटेस्टेंट के नाम की घोषणा की जा चुकी है, जिसमें मेक्सिको, नाइजीरिया, थाईलैंड, वेनेजुएला और डेनमार्क ने अपनी जगह बना ली है. रिया सिंघा ने इस मिस यूनिवर्स में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है, नेशनल कॉस्ट्यूम राउंड में उन्होंने द गोल्डन बर्ड बनकर लोगों के दिलों में कास जगह बना ली.

16 साल की उम्र से करती हैं मॉडलिंग

रिया के बारे में बात करें तो, वो गुजरात की रहने वाली हैं. इस साल की शुरुआत में रिया ने 51 फाइनलिस्ट को हराकर मिस यूनिवर्स इंडिया का खिताब अपने नाम किया था. इसके साथ ही साथ उन्होंने मिस टीन अर्थ 2023 और डिवाज मिस टीन गुजरात 2020 जैसा कई खिताब हासिल किया है. रिया ने 16 साल की उम्र से ही अपने मॉडलिंग करियर की शुरुआत कर ली थी. रिया ने अहमदाबाद के जीएलएस यूनिवर्सिटी से परफॉर्मिंग आर्ट्स की डिग्री हासिल की है.

समय रैना के शो में दीपिका पादुकोण के डिप्रेशन का बनाया गया मजाक, फूटा फैन्स का गुस्सा

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण एक समय पर डिप्रेशन का सामना कर चुकी हैं. रणबीर कपूर के साथ ब्रेकअप के बाद वो टूट गई थीं और डिप्रेशन में चली गई थीं. हाल ही में समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' में एक कॉमेडियन ने दीपिका के डिप्रेशन का मजाक बनाया, जिसके बाद उनके फैन्स उस कॉमेडियन को जमकर ट्रोल कर रहे हैं.दरअसल, समय रैना के शो में बंटी बनर्जी नाम की एक कॉमेडियन आईं. अपने परफॉर्मेंस के दौरान उन्होंने दीपिका के मां बनने और डिप्रेशन का सहारा लेते हुए परफॉर्म किया. उन्होंने कहा, दीपिका हाल ही में मां बनी हैं. है न? अब उन्हें पता चल गया है कि डिप्रेश असली में कैसा होता है.

दीपिका पादुकोण की बेटी का जिक्र

बंटी बनर्जी की ये बात सुनकर शो के सारे जज जोर-जोर से हंसने लगे. उसके बाद उन्होंने कहा, मैं ब्रेकअप वाले डिप्रेशन की वजह से मजाक नहीं उड़ा रही. असल में डिप्रेशन तो तब होता है जब रात के 3 बजे आपका बच्चा उठ जाता है, खाना चाहता या फिर खेलना चाहता है.

सोशल मीडिया यूजर्स के कमेंट

अब सोशल मीडिया पर ये वीडियो क्लिप वायरल हो रहा है. फैन्स इस पर रिएक्ट कर रहे हैं और बंटी बनर्जी को जमकर ट्रोल कर रहे हैं. एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, ये बहुत ही बुरी बात है. इंडियन किसी भी चीज पर हंसते हैं एक दूसरे यूजर ने लिखा, ये बहुत बुरी बात है.

डिप्रेशन मजाक की चीज नहीं है. हम नहीं जानते हैं कि दीपिका ने क्या सामना किया होगा. जज करना बंद कीजिए.एक और यूजर ने लिखा, इस फ्रेम में जो कोई भी है सबको शर्म आनी चाहिए. डिप्रेशन की इस तरह की कोई केटेगरी नहीं होती है. शर्म की बात है कि ये सभी को फनी लगा. एक और ऐसा ही कमेंट दिखा, जिसमें यूजर ने लिखा, इस लड़की पर शर्म आती है.

Pushpa ने आम दर्शकों की अहमियत याद दिलाई, अल्लू अर्जुन ने बम्बइया फिल्मवालों को पटना से किया सावधान!

अल्लू अर्जुन ने अपनी आने वाली बहुचर्चित फिल्म पुष्पा 2 के ट्रेलर लॉन्च के लिए पटना को ही क्यों चुना, इस सवाल पर चारों तरफ बहस छिड़ी है. जबकि अपने ट्रेलर में पुष्पा खुद को इंटरनेशनल बताता है और बिग ब्रांड भी. पटना गांधी मैदान में ट्रेलर लॉन्च की उमड़ी भीड़ की तस्वीरें और वीडियो आदि सोशल मीडिया पर दिलचस्प टिप्पणियों के साथ शेयर किये जा रहे हैं. ऐतिहासिक गांधी मैदान में बिहारवासियों की ऐतिहासिक भीड़. ये मूलतः सिनेमा प्रेमी थे. ये अल्लू अर्जुन के दीवाने थे. पुष्पा झुकेगा नहींज् डायलॉग पर मर मिटने वाले थे. दाढ़ी के नीचे हथेली लहराने के उसके अनोखे अंदाज के मुरीद थे. वे अलमस्त बिहारी युवा जो खेसारी और निरहुआ की अदाओं पर किसी भी वक्त लोटपोट हो जाने के लिए तैयार रहते हैं, उनके लिए यह ऐतिहासिक अवसर आया था. गांधी मैदान का खुला आकाश और मस्ती की मुफ्त बरसात. लूट सको तो लूट लो. आज तो पुष्पा के साथ श्रीवल्ली भी आई है. सोने पे सुहागा का ऐसा मौसम बार-बार नहीं आता.

हिंदी फिल्मों के दर्शकों की संख्या क्यों घटी ?

महानगरों में थियेटर्स और हिंदी फिल्म मेकिंग के तकनीक से लेकर विषय तक में आए बदलावों से फिल्म इंडस्ट्री के बिजनेस पर इसका कितना असर पड़ा, इसकी ओर बिना विचार किए, बम्बइया फिल्ममेकर्स पॉपकॉर्न वाले दर्शकों के मिजाज के मुताबिक ही फिल्में बनाते रहे. बम्बइया फिल्ममेकर्स ने उन दर्शकों की ज्यादा परवाह की, जो मल्टीप्लेक्स में आने में समर्थ थे और अधिक खर्च करने में सक्षम थे. नतीजा दर्शकों की संख्या घटी और फिल्में डूबीं. कोविड के बाद की ही बात करें तो बीच-बीच में दर्शक वे हिंदी फिल्में देखने थियेटर गए जिनमें मास के मिजाज को झकझोरने का माद्दा था, मसलन द कश्मीर फाइल्स, द केरल स्टोरी, जवान, पठान, डंकी, स्त्री 2 या भूल भुलैया 3 जैसी कुछेक फिल्में.यकीन मानिए इनमें ज्यादातर आम दर्शक थे. जिसे पुष्पा के कलाकारों- अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना ने बखूबी ताड़ लिया. अल्लू ने अपने भाषण की शुरुआत हिंदी में की- 'बिहार की पावन धरती को मेरा प्रणाम'. तो रश्मिका ने भोजपुरी अपनाई-'का हाल बा, ठीक ठाक बा नूं!' फिर ठहाके! भोजपुरिया लहजा पकड़ लिया था. अल्लू ने खराब हिंदी के लिए माफी भी मांगी लेकिन उन्हें क्या पता उतनी भरसक शुद्ध हिंदी तो बिहार के साधारण दर्शक खुद भी नहीं बोल पाते. अल्लू बाद में हिंदी से थोड़ी अंग्रेजी में आ गए लेकिन रश्मिका ने भोजपुरी से हिंदी की राह पकड़ी. रश्मिका की चमकीली मुस्कान बिहारी युवाओं को पगलाने वाली थी.

सिनेमा से आम दर्शकों की कनेक्टिविटी

अब इस विराट प्रदर्शन को हम भला किसी आने वाली फिल्म के प्रचार-प्रसार तक ही सीमित करके कैसे देख सकते हैं. वास्तव में ये तो प्रचार के बहाने बम्बइया फिल्मवालों पर बड़ा प्रहार था. पुष्पा की टीम ने पटना में खुले आकाश के नीचे सिनेमा देखने वाले उस वर्ग को साध लिया, जिसे पिछले करीब दो दशक से उपेक्षित करके रखा गया है. इन्हें मल्टीप्लेक्स से बाहर कर दिया गया. और ये वर्ग है- आम दर्शक वर्ग. वही आम दर्शक जो किसी जमाने में सस्ती दरों में टिकट खरीद कर फ्रंट स्टॉल पर फिल्म देखने जाते थे और अपनी सीटियों, तालियों से हीरो को सुपरस्टार बनाते थे.

33 साल पहले

माधुरी दीक्षित

को मिली थी चेतावनी, सलमान खान और संजय दत्त से था कनेक्शन!

90 के दशक की दिग्गज एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित फिल्मों में लगातार एक्टिव हैं. माधुरी दीक्षित हाल ही में रिलीज हुई 'भूल भुलैया 3' को लेकर काफी सुर्खियों में हैं. एक्ट्रेस को इस फिल्म के जरिए काफी वक्त बाद बड़े पर्दे पर देखा गया. अपने रोल को लेकर माधुरी फिल्म की रिलीज से पहले से ही चर्चा में थीं. 'भूल भुलैया 3' बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई भी कर रही है. हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने एक खुलासा किया और बताया कि सालों पहले उन्हें चेतावनी दी गई थी.दरअसल माधुरी दीक्षित साल 1991 में आई फिल्म साजन की सक्सेस को लेकर बात कर रही थीं. इस फिल्म में उनके साथ सलमान खान और संजय दत्त लीड रोल में थे. एक्ट्रेस ने हाल ही में खुलासा कि उस वक्त उन्हें चेतावनी दी गई थी कि वो इस फिल्म का हिस्सा न बनें.

उन्हें ये सलाह भी दी गई थी कि दर्शक संजय दत्त को विकलांग के किरदार में नहीं देखना पसंद करेंगे. पिंकविला को दिए इंटरव्यू में माधुरी दीक्षित ने खुलासा किया कि 'साजन' फिल्म का हिस्सा बनने के उनके फैसले को दूसरों से संदेह और चेतावनियों का सामना करना पड़ा.

माधुरी दीक्षित को मिली फिल्म न करने की सलाह

उस दौरान माधुरी दीक्षित एक सक्सेसफुल एक्ट्रेस हुआ करती थीं. एक्ट्रेस ने याद करते हुए कहा, यह साजन है, क्या खूबसूरत फिल्म है.

उस फिल्म में क्या गाने हैं और मुझे याद है जब मैंने यह फिल्म साइन की थी, तो कई लोगों ने कहा था, आप यह फिल्म क्यों कर रहे हैं? यह चलने वाली नहीं है. माधुरी की मानें तो लोगों को फिल्म के न चलने का शक संजय दत्त की वजह से था. 80 के दशक से संजय दत्त एक एक्शन हीरो के तौर पर जाने जा रहे थे.

संजय दत्त को लेकर लोगों के मन में था शक

'साजन' में संजय दत्त का रोल ऐसे शख्स का था, जो बिना सहारे के सही से नहीं चल पाता था. सभी का ये अनुमान था कि ये पिक्चर तो नहीं चलेगी. उसी को याद करते हुए उन्होंने कहा, लोगों ने कहा कि संजय दत्त एक एक्शन स्टार हैं, और उन्हें इस तरह दिखाया गया है एक विकलांग व्यक्ति की तरह. यह कैसे हो सकता है? यह काम नहीं करने वाला है. लेकिन एक बार फिल्म बन गई, और आपको पता है, इसके बाद इसने इतिहास रच दिया.